website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक
रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 328 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 04 नवम्बर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

अमित शाह और योगी ने रघुनाथपुर को बनाया हॉट विधानसभा सीट

-सीवान जिले की रघुनाथपुर विधानसभा सीट से पूर्व सांसद और बहुचर्चित डॉन शाहबुद्दीन के पुत्र ओसामा साहेब चुनाव मैदान में है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। बिहार विधानसभा चुनाव के पहले चरण का 6 नवंबर को चुनाव होना है। जैसे-जैसे चुनाव तिथि नजदीक आ रही है चुनाव में तीव्रता, तीखापन एवं चमक-धमक बढ़ती जा रही है। बिहार में कुछ सीट काफी चर्चित हो रही है। जिसमें से एक सीट है सीवान जिले की रघुनाथपुर विधानसभा सीट। इस विधानसभा सीट की अहमियत का अंदाजा इससे लगाया जा सकता है कि भाजपा के चाणक्य और देश के गृहमंत्री अमित शाह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी यहां जाकर प्रचार कर चुके हैं। अमित शाह और योगी ने लालू प्रसाद यादव पर आरोप लगाया कि उन्होंने डॉन शाहबुद्दीन के बेटे ओसामा को टिकट देकर बिहार की सुरक्षा को खतरे में डाला हैं। योगी ने कहा कि ओसामा का नाम ही ऐसा है जो सब कुछ बताता है। भाजपा ने इस सीट को बहुत अहमियत दे रखी है। दूसरी तरफ डॉन और चार बार के सांसद शाहबुद्दीन के बेटे ओसामा साहेब के पक्ष में हिंदू-मुस्लिम समुदाय का अच्छा समर्थन के संकेत मिल रहे हैं। डॉन शाहबुद्दीन को सीवान की गरीब जनता का मसीहा कहा जाता था। शाहबुद्दीन के समय क्षेत्र का बड़े से बड़ा डॉक्टर फ़ीस के 50 रूपये से ज्यादा नहीं ले सकता था। सरकारी ऑफिसों में गरीबों और मजदूरों का काम सरकारी कर्मचारी और अधिकारी नहीं रोकते थे। शहाबुद्दीन के समय सीवान जिले में काफी विकास कार्य हुए थे। लेकिन भाजपा ने इस चुनाव को हिंदू मुस्लिम करने के साथ-साथ सुरक्षा से भी जोड़ दिया है। बिहार की इस चर्चित सीट का क्या रिजल्ट रहेगा यह तो 14 नवंबर को ही पता चल पाएगा। राजद के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री उम्मीदवार तेजस्वी यादव ने एक चुनावी सभा में कहां कि ओसामा मेरा सगे भाई जैसा है। अमितशाह और योगी का ऊल जलून बोलना ठीक नहीं है।

क्रिकेटर मोहम्मद अजहरुद्दीन ने तेलंगाना कैबिनेट मंत्री के रूप में ली शपथ

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और कांग्रेस नेता मोहम्मद अजहरुद्दीन ने शुक्रवार को तेलंगाना कैबिनेट में मंत्री के तौर पर शपथ ली। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने राजभवन में हुए एक समारोह में अजहरुद्दीन को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। अजहरुद्दीन ने अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ के आखिर में 'जय तेलंगाना' और 'जय हिंद' के नारे लगाए। मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी, उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क और अन्य मंत्री, स्पीकर गद्दम प्रसाद कुमार, विधान परिषद के चेयरमैन जी सुखेन्द्र रेड्डी, तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ भी शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। अजहरुद्दीन के बेटे मोहम्मद असदुद्दीन भी मौजूद थे, जिन्हें हाल ही में टीपीसीसी का महासचिव नियुक्त किया गया है। राज्य कैबिनेट ने अगस्त में अजहरुद्दीन को राज्यपाल के कोटे से विधान परिषद सदस्य के तौर पर नॉमिनेट करने का फैसला किया था। अजहरुद्दीन को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग मिलने की संभावना है। पूर्व सांसद अजहरुद्दीन फिलहाल तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष और इसकी पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्य हैं। 62 साल के अजहरुद्दीन को 11 नवंबर को होने वाले जुबली हिल्स विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव से पहले

कैबिनेट में शामिल किया गया है। पूर्व क्रिकेटर, जो 2023 में अपने गृह क्षेत्र से चुनाव हार गए थे, फिर से चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व ने नवीन यादव को मैदान में उतारने का फैसला किया और अजहरुद्दीन को कैबिनेट में जगह देने का वादा किया। अजहरुद्दीन के शपथ ग्रहण के साथ ही राज्य कैबिनेट में मंत्रियों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। वह रेवंत रेड्डी की कैबिनेट में पहले मुस्लिम मंत्री होंगे। सत्ताधारी पार्टी को करीब दो साल पहले सत्ता में आने के बाद से ही एक भी मुस्लिम मंत्री न होने के कारण समुदाय के विभिन्न वर्गों की आलोचना झेलनी पड़ रही थी। अजहरुद्दीन समेत कांग्रेस पार्टी के सभी प्रमुख मुस्लिम उम्मीदवार 2023 के विधानसभा चुनावों में हार गए थे।

अजहरुद्दीन को मंत्री बनाए जाने को कांग्रेस पार्टी का मुसलमानों तक पहुंचने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है, जो जुबली हिल्स में मतदाताओं का लगभग 30 प्रतिशत हैं। कैबिनेट का गठन 7 दिसंबर, 2023 को मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी और 11 मंत्रियों के शपथ ग्रहण के साथ हुआ था। काफी देरी के बाद, 8 जून को तीन मंत्रियों को शामिल करके कैबिनेट का विस्तार किया गया। हालांकि, कांग्रेस नेतृत्व ने तीन पद खाली रखे। राज्य कैबिनेट में मुख्यमंत्री सहित अधिकतम 18 मंत्री हो सकते हैं। अजहरुद्दीन 2009 में कांग्रेस पार्टी में शामिल होने के कुछ महीने बाद उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निर्वाचन क्षेत्र से लोकसभा के लिए चुने गए थे। कांग्रेस ने उन्हें 2014 में राजस्थान के टोंक-सवाई माधोपुर से मैदान में उतारा था, लेकिन वह चुनाव हार गए थे।

वर्ष 2018 में, उन्हें तेलंगाना कांग्रेस का कार्यकारी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था। उन्होंने 2018 के विधानसभा चुनावों में पार्टी के लिए प्रचार किया था, लेकिन पार्टी ने उन्हें न तो विधानसभा और न ही लोकसभा चुनावों में टिकट दिया।

मुसलमानों पर देश को बढ़ाने और बचाने की दोहरी जिम्मेदारी !

-देश के विकास में योगदान की जिम्मेदारी
-देश की सुरक्षा की जिम्मेदारी

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। देश के नेताओं और पार्टियों की बिना लक्ष्य की राजनीति ने देश को कमजोर किया है। देश में चुनाव विकास, शिक्षा एवं रोजगार के मुद्दों पर नहीं होकर मुसलमान, पाकिस्तान, मस्जिद, दरगाह, मंदिर, आतंकवाद जैसे मुद्दों पर होने लगे हैं। देश की जनता समझ ही नहीं पा रही है कि देश को मजबूत और शक्तिशाली बनाने के लिए कौन सी पार्टी और कौन से नेताओं को चुनकर विधानसभा और संसद में भेजा जाए। कुछ पार्टियों के नेता चुनावी सभाओं में ऐसे भाषण देते हैं जिससे पूरे मुस्लिम वर्ग को सबसे बुरे इंसान और आतंकवादी ठहराया जा सके, हालांकि प्रत्यक्ष रूप से मुसलमान का नाम नहीं लिया जाता है क्योंकि झूठे आरोपों और भाषणों पर कानूनी कार्यवाही हो सकती है। वर्तमान में जाति समुदायों के बीच नफरत बढ़ी है। एक दूसरे को शक की नजरों से देखा जाने लगा है। देश में खबर आने लगी है कि एक विशेष समुदाय के लोगों को बाजारों में काम नहीं दिया जा रहा है तो कहीं पर पूरी जाति का बहिष्कार कर दिया गया है। देश के अंदर ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई जहां जातियों, धार्मिक प्रकृति को विषय बनाकर देश को चलाने की कोशिश की जा रही है। जबकि देश के युवाओं को अच्छी शिक्षा, रोजगार एवं सामाजिक एकता का पाठ पढ़ाने की जरूरत है।

देश के प्रति वफादारी और विकास में योगदान-

सबसे पहले मुसलमानों को देश के विकास में योगदान और देश

की एकता के लिए काम करने की जरूरत है। वैसे 1857 और 1947 के स्वतंत्रता संग्राम में मुसलमानों ने देश को स्वतंत्र करवाने में बड़ी कुर्बानियां दी है। आज देश स्वतंत्र है तो हम भी स्वतंत्र हैं। लेकिन वर्तमान में देश में शांति एवं भाईचारा कायम रखने में भी कुर्बानियां देनी पड़ेगी। मुस्लिम समुदायों के बुद्धिजीवियों को युवाओं को समझाना पड़ेगा कि वह किसी के उकसावें में नहीं आए। हमको शिक्षा प्राप्त करने और अच्छा रोजगार प्राप्त कर देश की आर्थिक मजबूती के लिए काम करने की तरफ अग्रसर किया जाए। क्योंकि टकराव के रास्ते से देश की बर्बादी शुरू हो जाती है। भारत के पड़ोसी देश पाकिस्तान और चीन मुस्लिम युवाओं को गुप्त रूप से देश के प्रति वर्गलाने का काम कर सकते हैं, उनकी साजिशों से बचना काफी जरूरी है। मुस्लिम युवाओं को चाहिए कि वह ईमानदारी से शिक्षा प्राप्त करें, रोजगार प्राप्त करें और व्यवसाय करें। उकसावे की चीज से बचें या फिर कानून का साथ ले। देश की वर्तमान स्थिति बताती है कि मुसलमानों को राजनीतिक रूप से जागरूक होकर अच्छी और देश की सोचने वाली सरकार चुनने में समाज के उन लोगों की सहायता कर सकते हैं जो देश को बचाने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। इसलिए कहां जा सकता है कि वर्तमान में मुसलमानों के ऊपर दोहरी जिम्मेदारी है। एक तो उन्हें देश में एकता, भाईचारे और शांति बनाने में अपना योगदान देना है, साथ में देश किस प्रकार दुनिया का अग्रणी देश बने, के लिए हमेशा कोशिश करते रहनी है।

हाड़ौती में वैश्य समाज के नेताओं की राजनीति खतरे में दिखाई दे रही है !

-अंता विधानसभा उपचुनाव वैश्य समाज के नेताओं के लिए निर्णायक दिखाई दे रहा है

एम खान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के हाड़ौती क्षेत्र में वैश्य समाज की राजनीति काफी होशियारी भरी दिखाई देती रही है। कोटा, बारां और झालावाड़ की राजनीति में वैश्य समाज के नेताओं का वर्चस्व दिखाई देता रहा है। संख्या के आधार पर देखें तो इन तीनों जिलों में वैश्य समाज की जनसंख्या 2-3 प्रतिशत से ज्यादा नहीं है। लेकिन समाज के विधायक और सांसद आसानी से जीत कर आते हैं। भाजपा का वोट बैंक समझा जाने वाला वैश्य समाज के नेता हाड़ौती क्षेत्र (कोटा, बारां, झालावाड़) जिले में दोनों बड़ी पार्टी भाजपा और कांग्रेस में मजबूत पकड़ रखते हैं। शांति धारीवाल करीब चार बार विधायक का चुनाव जीत चुके हैं जबकि उनकी विधानसभा सीट पर वैश्य वर्ग के 20 हजार वोट भी नहीं है। इसी तरह लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला कोटा संसदीय क्षेत्र से लगातार दूसरी बार चुनाव जीते हैं। इसी तरह बारां जिले में प्रमोद जैन भया अब तक तीन बार चुनाव जीत चुके हैं और चौथी बार अंता विधानसभा उपचुनाव में मैदान में है। इसी तरह प्रताप सिंह सिंघवी भी दो बार विधायक बन चुके हैं। दोनों पार्टियों में से किसी भी पार्टी की सरकार बने लेकिन हाड़ौती के वैश्य नेताओं को सरकार में शक्तिशाली पद और पोर्टफोलियो मिलते रहे हैं। हाड़ौती में वैश्य समाज का वर्चस्व कब तक कायम रहेगा, हाड़ौती के दूसरे समुदायों और जाति वर्गों में चर्चा का विषय बना हुआ है। वैसे वैश्य जाति के नेताओं का अच्छा पढ़ा लिखा होना, आर्थिक मजबूत स्थिति और राजनीतिक सूझबूझ उनकी सफलता का कारण है। वैश्य समाज के नेता अपनी पार्टियों के शीर्ष नेतृत्व से घनिष्ठता भी रखते हैं।

क्या वर्चस्व बना रहेगा-

हाड़ौती क्षेत्र में ओबीसी, दलित, आदिवासी एवं अल्पसंख्यक समाज के लोगों की बड़ी जनसंख्या है। ओबीसी और आदिवासी समाज में शिक्षा एवं आर्थिक संपन्नता आने के कारण इन समाजों में राजनीति के नेतृत्व भी तेजी से उभर रहा है। वैश्य समाज के ओबीसी और आदिवासी समाज के लोग भी अपने नेताओं के पीछे लामबंद होने लगे हैं। यही कारण है कि लोकसभा में प्रहलाद गुंजल ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को कड़ी टक्कर दी थी। अंता में कंवर लाल मीणा (भाजपा) ने 2013 विधानसभा चुनाव में प्रमोद जैन भाया (कांग्रेस) को हराया था। इसी तरह अंता के विधानसभा चुनाव (11 नवंबर 2025) में नरेश मीणा, प्रमोद जैन भाया को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। शांति धारीवाल कोटा में मुस्लिम बाहुल्य सीट से जीतते हैं। अब उनका भी विरोध होने लगा है। जैसे-जैसे समाज में शिक्षा और राजनीतिक जागरूकता बढ़ रही है, राजनीति के मापदंड भी बदल रहे हैं। जनता अब किसी एक के पीछे बंधी नहीं रहती है। इसलिए भविष्य में हाड़ौती क्षेत्र में वैश्य नेताओं का वर्चस्व ज्यादा दिनों तक कायम रह सकता है, निश्चित नहीं है।

पीएम मोदी ने तेलंगाना बस हादसे पर जताया दुख, पीड़ित परिवारों के लिए की सहायता राशि की घोषणा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में हुई भीषण सड़क दुर्घटना पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने घायल लोगों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना भी की। इस दौरान, प्रधानमंत्री ने प्रत्येक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपए और घायलों को 50,000 रुपए की सहायता राशि देने की घोषणा की।

पीएम मोदी ने कहा- 'दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद'

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, "तेलंगाना के रंगारेड्डी जिले में एक दुर्घटना में हुई जानमाल की हानि अत्यंत दुखद है। इस कठिन समय में मेरी संवेदनाएं प्रभावित लोगों और उनके परिवारों के साथ हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।"

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए दी जानकारी

प्रधानमंत्री कार्यालय ने 'एक्स' पर पोस्ट के जरिए जानकारी देते हुए लिखा, "पीएम मोदी ने घोषणा की है कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को राष्ट्रीय राहत कोष से 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50,000 रुपए दिए जाएंगे।"

हादसे के समय बस में लगभग 70 यात्री थे सवार

रंगारेड्डी जिले में हुई बस और ट्रक की टक्कर में अब तक 20 लोगों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। यह दुर्घटना हैदराबाद से लगभग 60 किलोमीटर दूर चेवेल्ला मंडल के मिर्जागुडा के पास हैदराबाद-बीजापुर राजमार्ग पर सुबह लगभग 6.30 बजे हुई। हादसे के समय तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम (टीएसआरटीसी) की बस में लगभग 70 यात्री सवार थे।

कंक्रीट से लदे एक ट्रक से हुई जोरदार टक्कर

तांडूर से हैदराबाद जा रही बस को गलत दिशा से आ रहे कंक्रीट से लदे एक ट्रक ने टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक के बस में घुसने से पहली छह पंक्तियों में बैठे यात्री गिरकर बजरी के नीचे दब गए। मृतकों में एक 10 महीने की बच्ची और उसकी मां भी शामिल हैं। बस और ट्रक चालकों की भी हादसे में मौत हो गई। कई यात्री घायल हो गए और उन्हें चेवेल्ला के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

भारतीय मानक ब्यूरो के महानिदेशक बने संजय गर्ग

नई दिल्ली। 1994 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी संजय गर्ग ने 1 नवंबर 2025 से भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) के महानिदेशक का पदभार संभाला। पद ग्रहण से पहले वे कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE) में अतिरिक्त सचिव और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (ICAR) में सचिव थे। उन्होंने किसान सारथी पोर्टल के विस्तार और अनुसंधान प्रबंधन में डिजिटल परिवर्तन का नेतृत्व किया। 30 वर्षों से अधिक अनुभव वाले गर्ग अब अंतर्राष्ट्रीय

विद्ततकनीकी आयोग (IEC) की भारत समिति के अध्यक्ष भी रहेंगे। बीआईएस भारतीय मानकों के विकास, हॉलमार्किंग और गुणवत्ता आश्वासन में प्रमुख संस्था है।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने असम में 635 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का किया शिलान्यास

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया असम राज्य को आगे बढ़ रहे नॉर्थ ईस्ट की हार्टबीट बताते हुए कहा कि यह राज्य 'विकसित पूर्वोत्तर' के इनोवेशन और कनेक्टिविटी हब के रूप में उभर रहा है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आईआईटी गुवाहाटी में नॉर्थ-ईस्टर्न साइंस एंड टेक्नोलॉजी (नेस्ट) क्लस्टर का उद्घाटन किया। साथ ही, असम में 635 करोड़ रुपए की परिवर्तनकारी विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने कहा कि पीएम मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पूर्वोत्तर क्षेत्र लैंडलॉक्ड से लैंड-लिंक्ड और फ्यूचर-रेडी राज्य के रूप में बदल गया है। उन्होंने बताया कि 10 प्रतिशत सकल बजटीय सहायता नीति के जरिए इस क्षेत्र में 6.2 लाख करोड़ से अधिक का निवेश किया गया है, जिससे विकास, उद्यमशीलता और सशक्तिकरण को बढ़ावा मिला है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने आईआईटी गुवाहाटी में 635 करोड़ के प्रोजेक्ट को लेकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, "इस महत्वपूर्ण कदम के साथ असम विकास, कनेक्टिविटी और अवसरों के साथ विकसितपूर्वोत्तर विजन को आगे बढ़ाएगा और साउथईस्ट एशिया के गेटवे के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करेगा।" उन्होंने प्रोजेक्ट को लेकर जानकारी देते हुए बताया कि इस परियोजना के तहत 455 करोड़ रुपए के निवेश से 65 नई सेकेंडरी स्कूल बिल्डिंग तैयार की जाएंगी। परियोजना के तहत 102.69 करोड़ रुपए की लागत से छायागांव-उकिअम सड़क को अपग्रेड किया जाएगा। सिलोनिजान-धनसिरी पार घाट पर आरसीसी ब्रिज को लेकर 20.59 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा, रामफलबिल (कोकराझार) में इंडस्ट्रियल एस्टेट के विकास के लिए 14.40 करोड़ रुपए और लखीबाजार (बक्सा) में इंडस्ट्रियल एस्टेट के विकास के लिए 18.40 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। वहीं, दूसरी ओर 22.98 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित किया गया नेस्ट क्लस्टर, नॉर्थ ईस्ट के इनोवेशन इकोसिस्टम के केंद्र के रूप में कार्य करते हुए स्थानीय ज्ञान को ग्लोबल सॉल्यूशन में बदलेगा।

आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए- खड़गे

-खड़गे ने देश में कानून व्यवस्था की समस्याओं का मुख्य कारण आरएसएस को बताया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने दिल्ली में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए आरएसएस पर हमला बोला। मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि देश में कानून व्यवस्था की समस्याओं का मुख्य कारण आरएसएस को बताया। खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधते हुए कहा कि अगर वह वास्तव में सरदार पटेल के विचारों का सम्मान करते हैं, तो आरएसएस पर प्रतिबंध लगाना चाहिए। खड़गे ने स्पष्ट कहा मेरी निजी राय में आरएसएस पर बैन लगाना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया यह संगठन सांप्रदायिक उत्तेजना फैलता है, जो देश की एकता के लिए खतरा है। खड़गे दिनों दिन कांग्रेस और संसद में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की तरह आरएसएस पर हमलावर होते जा रहे हैं। खड़गे आरएसएस पर तीखे हमले करने से कहीं भी नहीं चूकते हैं।

सरदार पटेल का हवाला-

खड़गे ने 18 जुलाई 1948 के सरदार पटेल के एक पत्र का जिक्र किया, जिसमें पटेल ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को लिखा था कि RSS ने ऐसा माहौल बनाया था, जिसके कारण महात्मा गांधी की हत्या हुई। पटेल ने RSS के विचारों को "जहर से भरा" बताया था और स्वयं ने इस संगठन पर प्रतिबंध लगाया था। खड़गे ने कहा कि पटेल ने RSS को कभी बर्दाश्त नहीं किया,

जबकि BJP इसे अपना बताती है।

भाजपा पर हमला-

खड़गे ने भाजपा को पटेल के विचारों का अपमान करने वाला बताया। उन्होंने कहा कि मोदी-शाह पटेल को याद करते हैं, लेकिन उनके विचारों को लागू नहीं करते। साथ ही, NCERT की किताबों से गांधी, गोडसे, RSS और 2002 गुजरात दंगों से जुड़े तथ्यों को हटाने का जिक्र कर भाजपा की मंशा पर सवाल उठाए।

कांग्रेस का पक्ष-

खड़गे ने जोर देकर कहा कि सरदार पटेल कांग्रेस के ही थे और नेहरू-पटेल के बीच गहरे संबंध थे। भाजपा का नेहरू-पटेल के बीच दरार पैदा करने का प्रयास ऐतिहासिक तथ्यों को तोड़-मरोड़ना है।

हर बैन के बाद मजबूत हुआ आरएसएस- होसबाले

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयान पर तीखा पलटवार किया है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने संघ पर प्रतिबंध लगाने की मांग की है। होसबाले ने कहा कि आरएसएस पर जब-जब प्रतिबंध लगाया गया, संगठन और अधिक निखरके सामने आया। अगर कोई चौथी बार भी कोशिश करना चाहता है तो हम तैयार हैं। होसबाले शनिवार को जबलपुर में एक कार्यक्रम के बाद बात कर रहे थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग संघ पर बैन की बात कर रहे हैं, उन्हें यह बताना चाहिए कि आखिर इसका क्या कारण है ? संघ का कार्य समाज को जोड़ना और देश-भक्ति की भावना को मजबूत करना है। इतिहास गवाह है कि हर प्रतिबंध के बाद संघ का जनाधार और विश्वास बढ़ा है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

कांग्रेस को फायदा मिलेगा क्रिकेटर अजरुद्दीन को मंत्री बनाकर !

जुबली हिल्स विधानसभा उपचुनाव से पहले तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने पूर्व क्रिकेटर और पूर्व सांसद मोहम्मद अजरुद्दीन को केबीनेट मंत्री बनाया है। कांग्रेस को मोहम्मद अजरुद्दीन को राज्य सरकार में केबीनेट मंत्री बनाने का कितना फायदा मिलेगा, यह अभी नहीं पता लगेगा। लेकिन कांग्रेस पार्टी की मंशा है कि तेलंगाना की जुबली हिल्स विधानसभा सीट और बिहार विधानसभा चुनाव में मोहम्मद अजरुद्दीन की ब्रांड वैल्यू का फायदा उठाया जाए। वैसे तेलंगाना में पिछले विधानसभा चुनाव में अजरुद्दीन करीब 16 हजार मतो से चुनाव हार गए थे। फिर भी क्रिकेटर अजरुद्दीन की तेलंगाना सहित अन्य राज्यों में अच्छी ब्रांड वैल्यू है। कांग्रेस जानती है कि जुबली हिल्स विधानसभा सीट पर एक लाख मुस्लिम मतदाता है। यहां मुस्लिम कांग्रेस का वोट बैंक नहीं है। यहां से कांग्रेस उम्मीदवार नवीन यादव चुनाव लड़ रहे हैं। यदि मुसलमानों का कांग्रेस को समर्थन मिल गया तो कांग्रेस यह उपचुनाव आसानी से जीत सकती हैं। कांग्रेस ने क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन को कैबिनेट मंत्री बनाकर मुसलमानों को सामाजिक एकता और विकास का संदेश दिया है। मंत्री बनने के बाद मोहम्मद अजरुद्दीन मंत्री के रूप में मुस्लिम समुदाय को सरकार के विकास कार्यों से जोड़ सकते हैं। दूसरी तरफ क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन बिहार विधानसभा चुनावों में संघनरूप से प्रचार कर सकते हैं। क्योंकि बिहार में मुसलमानों का बड़ा वोट बैंक है। यदि बिहार का मुसलमान क्रिकेटर और पूर्व सांसद मोहम्मद अजरुद्दीन से प्रभावित होता है तो कांग्रेस को चुनावी फायदा मिल सकता है। कांग्रेस बिहार में करीब 61 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। लेकिन जितनी सीटों पर चुनाव लड़ रही है, उनमें से ज्यादा से ज्यादा सीटों पर जीतना चाहती है। दर्जनों सीटों पर मुस्लिमों की बहुलता है। यदि कांग्रेस बिहार में पहले से ज्यादा सीट जीतकर आती है तो कांग्रेस को आगामी लोकसभा चुनाव और देश की राजनीति में बड़ा फायदा मिल सकता है। कांग्रेस के पास देश में कोई प्रभावी मुस्लिम नेता नहीं बचे हैं जो पूरे देश में मुसलमानों पर प्रभाव रखते हो। इसलिए कांग्रेस के राज्यसभा सांसद और शायर इमरान प्रतापगढ़ी से बिहार में बड़ी संख्या में चुनाव प्रचार करवा रही है। ऐसा लगता है कि तेलंगाना में मोहम्मद अजरुद्दीन को मजबूरी में मंत्री बनाया गया है। तेलंगाना में दो वर्ष से कांग्रेस सरकार में एक भी मुस्लिम मंत्री नहीं था। जबकि पहले बीआएस और अन्य पार्टियों में मुस्लिम मंत्री थे। तेलंगाना में 12 से 13 प्रतिशत मुस्लिम मतदाता है। इसलिए मुस्लिम मतदाताओं को राजी रखना कांग्रेस की मजबूरी है। कांग्रेस ने क्रिकेटर मोहम्मद अजरुद्दीन को राज्य में कैबिनेट मंत्री तो बना दिया है लेकिन उसको तेलंगाना विधानसभा की एक सीट पर हो रहे उपचुनाव और बिहार विधानसभा चुनाव में कितना फायदा मिलेगा चुनाव के बाद ही पता लग पाएंगा।

बहादुर शाह ज़फ़र – अंतिम मुग़ल बादशाह थे

(जन्म: 24 अक्टूबर 1775 – मृत्यु 7 नवंबर 1862)

> **"जब तक हमारे ग़ाज़ियों के दिलों में ईमान की खुशबू रहेगी, तब तक हिंदुस्तान की तलवार लंदन के सिंहासन के सामने चमकती रहेगी।"**
>
> **-बहादुर शाह ज़फ़र**

बहादुर शाह द्वितीय, जिन्हें उनके काव्यात्मक शीर्षक बहादुर शाह ज़फ़र से जाना जाता है। बीसवें और अंतिम मुग़ल सम्राट और उर्दू कवि थे। वह एक नाममात्र सम्राट थे, जिनका अधिकार दिल्ली के चारदीवारी शहर तक सीमित था, लेकिन 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान भारतीय उपमहाद्वीप भर में विद्रोही ताकतों द्वारा उन्हें भारत का सम्राट माना गया। युद्ध में विद्रोहियों की हार के बाद ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा दिसंबर 1857 में ज़फ़र को ब्रिटिश-नियंत्रित बर्मा के रंगून में निर्वासित कर दिया गया था। बहादुर शाह ज़फ़र के पिता, अकबर द्वितीय, अंग्रेजों द्वारा कैद कर लिए गए थे और वे अपने पिता के उत्तराधिकारी के रूप में उनकी पसंद नहीं थे। अकबर शाह की एक रानी ने उन पर अपने बेटे, मिर्ज़ा जहाँगीर को अपना उत्तराधिकारी घोषित करने का दबाव डाला। हालाँकि, ईस्ट इंडिया कंपनी ने लाल किले में उनके निवास पर हमला करने के बाद जहाँगीर को निर्वासित कर दिया, जिससे बहादुर शाह के सिंहासन ग्रहण करने का मार्ग प्रशस्त हुआ। बहादुर शाह ज़फ़र ने एक ऐसे मुग़ल साम्राज्य पर शासन किया, जो 19वीं सदी के आरंभ तक केवल दिल्ली शहर और पालम तक के आस-पास के क्षेत्र तक सिमट कर रह गया था। मराठा साम्राज्य ने 18वीं शताब्दी के दौरान दक्कन में मुग़ल साम्राज्य का अंत कर दिया था और भारत के वे क्षेत्र जो पहले मुग़ल शासन के अधीन थे, या तो मराठों द्वारा अवशोषित कर लिए गए थे या उन्होंने स्वतंत्रता की घोषणा कर दी थी और छोटे राज्य बन गए थे। मराठों ने मराठा सेनापति महादजी शिंदे के संरक्षण में शाह आलम द्वितीय को 1772 में गद्दी पर बिठाया और दिल्ली में मुग़ल मामलों पर आधिपत्य बनाए रखा। ईस्ट इंडिया कंपनी उन्नीसवीं सदी के मध्य में भारत की प्रमुख राजनीतिक और सैन्य शक्ति बन गई। कंपनी द्वारा नियंत्रित क्षेत्र के बाहर, सैंकड़ों राज्यों और रियासतों ने अपनी भूमि का विखंडन कर दिया 1857 के भारतीय विद्रोह के बाद, अंग्रेजों ने उन्हें दिल्ली से रंगून में निर्वासित कर दिया।

बहादुर शाह ज़फ़र एक प्रसिद्ध उर्दू कवि थे, जिन्होंने कई उर्दू ग़ज़लें लिखी थीं। हालाँकि उनकी रचनाओं का कुछ हिस्सा 1857 के भारतीय विद्रोह के दौरान खो गया या नष्ट हो गया, फिर भी एक बड़ा संग्रह बच गया, जिसे कुल्लियात-ए-ज़फ़र में संकलित किया गया। उनके द्वारा संचालित दरबार में मिर्ज़ा ग़ालिब, दाग़ देहलवी, मोमिन ख़ान मोमिन और मोहम्मद इब्राहीम ज़ौक़ (जो बहादुर शाह ज़फ़र के गुरु भी थे) सहित कई प्रसिद्ध उर्दू विद्वानों, कवियों और लेखकों का निवास था। जैसे ही 1857 का भारतीय विद्रोह फैला, सिपाही रेजिमेंट दिल्ली के मुगल दरबार में पहुंच गयीं। 12 मई 1857 को, ज़फ़र ने कई वर्षों में अपनी पहली औपचारिक मुलाक़ात की। जब सिपाही पहली बार बहादुर शाह ज़फ़र के दरबार में पहुँचे, तो उन्होंने उनसे पूछा कि वे उनके पास क्यों आए हैं, क्योंकि उनके पास उनका भरण-पोषण करने का कोई साधन नहीं था। बहादुर शाह ज़फ़र का आचरण अनिर्णायक था। हालाँकि, जब उन्हें बताया गया कि उनके बिना वे ईस्ट इंडिया कंपनी से नहीं जीत पाएँगे, तो उन्होंने सिपाहियों की माँगों को मान लिया।

16 मई को सिपाहियों और महल के सेवकों ने बावन यूरोपीय लोगों को मार डाला, जो महल के कैदी थे और शहर में छिपे हुए पाए गए थे। ज़फर के विरोध के बावजूद, महल के सामने एक पीपल के पेड़ के नीचे उनको फाँसी दी गई। एक बार जब वह उनके साथ शामिल हो गया, तो बहादुर शाह द्वितीय ने विद्रोहियों की सभी कार्रवाइयों की

जिम्मेदारी ले ली। बाद में यह माना गया कि बहादुर शाह सीधे तौर पर नरसंहार के लिए जिम्मेदार नहीं था।

दिल्ली की घेराबंदी के दौरान जब अंग्रेजों की जीत निश्चित हो गई, ज़फर ने हुमायूं के मकबरे में शरण ली, जो उस समय दिल्ली के बाहरी इलाके में था। मेजर विलियम हॉडसन के नेतृत्व में कंपनी की सेना ने मकबरे को घेर लिया और 20 सितंबर 1857 को ज़फर को पकड़ लिया गया। अगले दिन, हॉडसन ने उनके बेटों मिर्ज़ा मुग़ल और मिर्ज़ा ख़िज्र सुल्तान, और पोते मिर्ज़ा अबू बख्त को दिल्ली गेट के पास खूनी दरवाज़े पर गोली मार दी और दिल्ली पर कब्ज़ा होने की घोषणा कर दी।

यह मुकदमा सिपाही विद्रोह का परिणाम था और 21 दिनों तक चला, 19 सुनवाइयाँ हुईं, 21 गवाह और फ़ारसी व उर्दू में सौ से ज़्यादा दस्तावेज़, उनके अंग्रेज़ी अनुवादों के साथ, अदालत में पेश किए गए। यह लाल किले में चलाया जाने वाला पहला मुकदमा था। ज़फ़र पर चार मामलों में मुकदमा चलाया गया और आरोप लगाए गए:

1. सैनिकों के विद्रोह में सहायता और प्रोत्साहन देना
2. ब्रिटिश सरकार के विरुद्ध युद्ध छेड़ने में विभिन्न व्यक्तियों को प्रोत्साहित करना और सहायता प्रदान करना
3. हिंदुस्तान की संप्रभुता ग्रहण करना
4. ईसाइयों की हत्या का कारण बनना और उसमें सहायक होना।

मुकदमे के 20वें दिन बहादुर शाह द्वितीय ने इन आरोपों से अपना बचाव किया। अपने बचाव में बहादुर शाह ने सिपाहियों की इच्छा के आगे अपनी पूरी लाचारी जताई। सिपाही जाहिर तौर पर खाली लिफाफों पर अपनी मुहर लगाते थे, जिनके बारे में उन्हें बिल्कुल भी जानकारी नहीं होती थी। हो सकता है कि बादशाह सिपाहियों के सामने अपनी नपुंसकता को बढ़ा-चढ़ाकर बता रहे हों, लेकिन सच्चाई यही है कि सिपाहियों ने खुद को इतना ताकतवर महसूस किया था कि वे किसी पर भी अपनी शर्तें थोप सकते थे। बयासी वर्षीय कवि-राजा को विद्रोहियों ने परेशान किया और वह न तो कोई वास्तविक नेतृत्व देने के लिए इच्छुक थे और न ही सक्षम थे। इसके बावजूद, विद्रोह के मुकदमे में उन्हें मुख्य आरोपी बनाया गया। ज़फ़र के सबसे भरोसेमंद और उनके प्रधानमंत्री व निजी चिकित्सक, हकीम अहसानुल्लाह ख़ान ने ज़ोर देकर कहा था कि ज़फ़र विद्रोह में शामिल न हों और उन्होंने अंग्रेज़ों के सामने आत्म-समर्पण कर दिया है।

हॉडसन द्वारा आत्म-समर्पण की गारंटी का सम्मान करते हुए, ज़फ़र को मौत की सज़ा नहीं दी गई, बल्कि रंगून, बर्मा में निर्वासित कर दिया गया। उनकी पत्नी ज़ीनत महल और परिवार के कुछ शेष सदस्य उनके साथ गए। 7 अक्टूबर 1858 को सुबह 4 बजे, ज़फ़र अपनी पत्नियों और दो शेष बेटों के साथ लेफ्टिनेंट ओममानी की कमान में 9वीं लांसर्स के साथ बैलगाड़ियों में रंगून की ओर रवाना हुए।

1862 में, 87 वर्ष की आयु में वे बीमार पड़ गए। अक्टूबर में उनकी हालत बिगड़ गई। उन्हें "शोरबा खिलाया गया" लेकिन 3 नवंबर तक उन्हें यह भी मुश्किल लगने लगा। 6 नवंबर को, ब्रिटिश कमिश्नर एचएन डेविस ने दर्ज किया कि ज़फ़र "स्पष्ट रूप से पूरी तरह से निष्क्रियता और गले के क्षेत्र में पक्षाघात के कारण डूब रहे हैं"। उनकी मृत्यु की तैयारी के लिए डेविस ने चूना और ईंटें इकट्ठा करने का आदेश दिया और उनके दफ़न के लिए "ज़फ़र के बाड़े के पीछे" एक जगह चुनी गई। ज़फ़र का निधन शुक्रवार, 7 नवंबर 1862 को सुबह 5 बजे हुआ। ज़फ़र को शाम 4 बजे यांगून में श्वेडागोन पैगोडा रोड के चौराहे के पास, 6 ज़िवाका रोड पर श्वेडागोन पैगोडा के पास दफनाया गया। 16 फरवरी 1991 को उनकी कब्र की बरामदगी के बाद बहादुर शाह ज़फर की दरगाह वहां बनायी गयी थी।

बहादुर शाह ज़फ़र एक कट्टर सूफ़ी थे। उन्हें एक सूफ़ी पीर माना जाता था और वे मुरीदों या शिष्यों को स्वीकार करते थे। समाचार पत्र दिल्ली उर्दू अख़बार ने उन्हें "उस युग के अग्रणी संतों में से एक, ईश्वरीय दरबार द्वारा अनुमोदित" के रूप में वर्णित किया। अपने राज्याभिषेक से पहले, वे अपने तीन शाही भाइयों, मिर्ज़ा जहाँगीर, सलीम और बाबर से अलग, "एक गरीब विद्वान और दरवेश" की तरह रहते थे।

एक कवि के रूप में, ज़फ़र ने रहस्यमय सूफ़ी शिक्षाओं की उच्चतम सूक्ष्मताओं को आत्मसात किया। वह रूढ़िवादी सूफ़ीवाद के जादुई और अंधविश्वासी पक्ष में भी विश्वास करते थे। अपने कई अनुयायियों की तरह, उनका मानना था कि एक सूफ़ी पीर और सम्राट दोनों के रूप में उनकी स्थिति ने उन्हें आध्यात्मिक शक्तियाँ दीं। एक घटना में जिसमें उनके एक अनुयायी को साँप ने काट लिया था, ज़फ़र ने उसे "बेज़ार की मुहर" (ज़हर का एक पत्थर का मारक) और कुछ पानी, जिस पर उन्होंने साँस ली थी, उसे पीने के लिए देकर उसे ठीक करने की कोशिश की। यह दर्शन उनके दरबार द्वारा लागू किया गया था, जिसमें एक बहु-सांस्कृतिक समग्र हिंदू-इस्लामी मुगल संस्कृति शामिल थी। उन्होंने दरबार में राखी, होली, दिवाली आदि कई हिंदू त्योहार मनाए। ज़फ़र शिया मुसलमानों के प्रति भी सहिष्णु थे, जिन्होंने उनके अधीन मुगल दरबार में अपना खोया प्रभाव वापस पा लिया था।

अग्रणी मुस्लिम महिलाएँ: शांत क्रांतिकारी के रूप में उभरती हुई

भारत के जीवंत लोकतंत्र की पच्चीकारी में, जहाँ परंपरा और आधुनिकता स्वरों की एक स्वर-संगीत में टकराती हैं, मुस्लिम महिलाएँ शांत क्रांतिकारियों के रूप में उभर रही हैं, रूढ़िवादिता द्वारा थोपी गई काँच की छतों को एक ऐसी गरिमा के साथ तोड़ रही हैं जो उनके अडिग संकल्प को झुठलाती है। अधीनता या चुप्पी के पुराने आख्यानों की छाया से दूर, ये महिलाएँ कक्षाओं, अखाड़ों, अदालतों और में सुर्खियों में हैं, उनकी कहानियाँ राष्ट्रीय विमर्श के ताने-बाने में बुनी जा रही हैं। पिछले दो वर्षों में, अंतर्राष्ट्रीय मुक्केबाजी टूर्नामेंटों के धूल भरे मैदानों से लेकर संसद के पवित्र हॉल तक, उन्होंने न केवल व्यक्तिगत सफलताएँ हासिल की हैं, बल्कि नीतिगत बहसों और मीडिया उन्माद को भी भड़काया है जो समकालीन भारत में एक मुस्लिम महिला होने के मूल अर्थ को ही चुनौती देते हैं। त्याग, आनंद और अवज्ञा की मानवीय धड़कनों से सराबोर उनकी यात्राएँ हमें याद दिलाती हैं कि प्रगति कोई दूर का सपना नहीं, बल्कि साहस का एक दैनिक कार्य है। शिक्षा के क्षेत्र में, ज्ञान संदेह के सूखे के खिलाफ एक चुनौतीपूर्ण नदी की तरह बहता है। नजमा अख्तर को शिक्षा और सामाजिक क्षेत्र में उनके योगदान को मान्यता देते हुए भारत के नागरिक पुरस्कार पद्म श्री से सम्मानित किया गया। अगले वर्ष, नईमा अख्तर को अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय का कुलपति नियुक्त किया गया, जो एक महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत था, क्योंकि वह मुस्लिम शिक्षा के लिए भारत के अग्रणी संस्थानों में से एक का नेतृत्व करने वाली दूसरी महिला बनीं। मुस्लिम समुदाय का सुधार इस तथ्य से स्पष्ट है कि पिछले कुछ वर्षों में, AISHE रिपोर्ट के अनुसार, उच्च शिक्षा में मुस्लिम महिलाओं के नामांकन में 50 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। यह शैक्षिक पुनर्जागरण मुंबई के धारावी की व्यस्त गलियों के एक ऑटो-रिक्शा चालक की बेटी अदीबा अनम की कहानी में एक मार्मिक प्रतिध्वनित करता है। 2024 में, अनम ने अपने तीसरे प्रयास में सिविल सेवा परीक्षा पास की पिछले साल द हिंदू के साथ एक भावुक साक्षात्कार में, अनम ने बताया था कि शिक्षा कोई विलासिता नहीं, बल्कि पलायन का एक ज़रिया है। उनके शब्दों में उनकी उस सहज कमज़ोरी को दर्शाया गया है जो उनकी जीत को मानवीय बनाती है। ग्रामीण महाराष्ट्र के एक ज़िला कलेक्टरेट में अनम की नियुक्ति ने उन्हें नीतिगत सुर्खियों में ला दिया है, जहाँ वे मदरसा सुधारों की वकालत करती हैं, जिसमें STEM पाठ्यक्रम को इस्लामी अध्ययन के साथ शामिल किया जाए। निकहत ज़रीन की मुक्केबाजी कौशल ने पूर्वाग्रह को प्रभावी ढंग से दूर कर दिया है। तेलंगाना के निज़ामाबाद की छोटी मुक्केबाज़ ने 2023 में अपना लगातार दूसरा आईबीए महिला विश्व मुक्केबाजी चैम्पियनशिप स्वर्ण पदक जीता, उन्होंने वियतनाम की गुयेन थी टैम को सर्वसम्मति से 5-0 के फैसले से हराया, जिससे नई दिल्ली की भीड़ तालियां बजाने पर मजबूर हो गई। मुक्केबाजी चैंपियन की पारिवारिक विरासत के बावजूद, जिसमें उनके पिता, एक पूर्व राज्य स्तरीय एथलीट भी शामिल हैं, ज़रीन न केवल डटी रहीं, अपने कठोर प्रशिक्षण को रूढ़िवादी रिश्तेदारों की फुसफुसाहटों के साथ संतुलित किया, जिन्होंने रिंग में एक महिला की जगह पर सवाल उठाए थे। इसके बाद हांग्जो में 2023 एशियाई खेलों में उनका कांस्य उस गर्मियों में पेरिस ओलंपिक में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए, हालांकि वह क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गई, ज़रीन की यात्रा ने लाखों लोगों को मोहित कर लिया, खजूर और पानी के साथ अपने रमज़ान के उपवास को तोड़ने की उनकी लड़ाई से पहले की रस्म आस्था से प्रेरित धीरज का एक वायरल प्रतीक बन गई। ईएसपीएन और द टाइम्स ऑफ इंडिया जैसे मीडिया आउटलेट्स ने उनकी कहानी का विश्लेषण किया, जिससे अल्पसंख्यक एथलीटों के लिए खेल के बुनियादी ढांचे पर बहस छिड़ गई और खेल मंत्रालय को 2025 में महिला मुक्केबाजी अकादमियों के लिए अतिरिक्त धनराशि आवंटित करने के लिए प्रेरित किया। ज़रीन का मानवीय स्पर्श - विश्व जीत के बाद कोच रूपेश भाई के साथ उनका अश्रुपूर्ण आलिंगन सुर्खियों को मानवीय बना देता है, दर्शकों को याद दिलाता है कि हर जैब के पीछे एक बेटी है जो बाधाओं को चुनौती देती है। मार्च 2024 में, 16 वर्षीय बहनों ने मॉस्को स्टार्स वुशु इंटरनेशनल चैंपियनशिप में धूम मचा दी, और प्रत्येक ने अपने-अपने वर्ग में स्वर्ण पदक जीता: अंसा ने 48 किग्रा ताओलू इवेंट में और आयरा ने 52 किग्रा में। श्रीनगर की संघर्ष-ग्रस्त सड़कों के बीच पली-बढ़ी, जहाँ खेल के मैदान विरोध प्रदर्शन के मैदान के रूप में भी काम करते थे, जुड़वाँ बहनें अपने साधारण घर में घिसी-पिटी चटाई पर प्रशिक्षण लेती थीं, उनकी माँ की फुसफुसाती प्रार्थनाएँ ही उनकी एकमात्र दर्शक होती थीं। आयरा की उपलब्धियाँ यहीं समाप्त नहीं हुईं; इंडोनेशिया में 2023 जूनियर विश्व चैंपियनशिप में उनका कांस्य पदक फरवरी 2025 में उत्तराखंड में 38वें राष्ट्रीय खेलों में उनके रजत पदक से पहले था, जिससे वह विश्व स्तर पर पदक जीतने वाली जम्मू और कश्मीर की पहली महिला बन गईं। एक ऐसे क्षेत्र में जहां पाठ्येतर गतिविधियों में लड़कियों की भागीदारी 10 प्रतिशत से कम है, चिश्ती महिलाओं की कहानी जिसमें वे तलवारों के बेदाग रूप धरती हैं, ने ग्रामीण वुशु शिविरों के लिए 2025 की राज्य पहल को प्रेरित किया है, जिसमें मार्शल आर्ट को मानसिक स्वास्थ्य सहायता के साथ मिश्रित किया गया है।

व्यापार में, ये महिलाएं सिर्फ उद्यमी नहीं हैं; वे आर्थिक मुक्ति की वास्तुकार हैं, जो सांस्कृतिक स्थानों को साम्राज्यों में बदल रही हैं। 2023 की महामारी के आर्थिक कहर के बीच शुरू की गई रूहा शादाब की लेडबाय फाउंडेशन ने 2025 तक 500 से अधिक मुस्लिम महिलाओं को नेतृत्व की भूमिकाओं में प्रशिक्षित किया है, छात्रवृत्ति और पिच प्रशिक्षण प्रदान किया है जो पूर्ण-ट्यूशन अनुदान पर उनके हार्वर्ड ओडिसी की याद दिलाता है। दिल्ली की एक चिकित्सक, फोर्ब्स इंडिया प्रोफाइल में उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, "विश्वास कोई बाधा नहीं है; यह मेरा खाका है।" उनकी कहानी ने अल्पसंख्यक स्टार्टअप्स के लिए ब्याज-मुक्त सूक्ष्म ऋणों पर नीतिगत चर्चाओं को बढ़ावा दिया है। इसी तरह, मुंबई के भीड़-भाड़ वाले बाजारों में, आयशा तबरेज़ चिनॉय के एस.ए. फूड्स ने 2023 से देश भर के रसोईघरों में स्वाद भर दिया है, पर्यावरण के अनुकूल पैकेजिंग के ज़रिए 5,000 घरों तक कलात्मक मैरिनेड पहुँचाए हैं। एक मछुआरे पिता के घर जन्मी, चिनॉय ने नैपकिन पर लिखे रेसिपी कार्ड्स से अपने उद्यम को आगे बढ़ाया; उनके बरिस्ता जार अब शहरी किराना श्रृंखलाओं में आम हैं। बिज़नेस स्टैंडर्ड में उनके 2024 के फीचर ने निवेशकों की रुचि जगाई, जिसके परिणामस्वरूप वाइब्रेंट गुजरात समिट में महिलाओं के नेतृत्व वाले एक्सेलरेटर फंड की घोषणा हुई। ज़रीन के पसीने से भीगे दस्ताने, मुश्ताक के स्याही से सने पन्ने और अख्तर के सुधार के खाके समेत ये छोटे-छोटे चित्र एक ऐसे कोरस में मिलते हैं जो हिसाब-किताब मांगता है। वायरल रीलों से लेकर प्राइम-टाइम स्पेशल तक मीडिया ने उनकी दृश्यता को बढ़ा दिया है, व्यक्तिगत यात्राओं को सार्वजनिक हिसाब-किताब में बदल दिया है जो नीति निर्माताओं पर असमानताओं का सामना करने का दबाव डालते हैं: 2024 सच्चर समिति की समीक्षा न्यायसंगत वित्त पोषण का आग्रह और राष्ट्रीय महासंघों में हिजाब-अनुकूल खेल किटों पर जोर। फिर भी, प्रशंसा के नीचे मानवीय दर्द छिपा है- देर रात तक की शंकाएं, पारिवारिक बातचीत और सार्वजनिक स्थानों पर घूरना। जैसे-जैसे भारत अपनी 2047 शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, अग्रिम पंक्ति में खड़ी ये महिलाएं एक सच्चाई को उजागर करती हैं: रूढ़िवादिता वे एक राष्ट्र को अपनी बेटियों की प्रतिभा के पूरे स्पेक्ट्रम को देखने के लिए आमंत्रित करते हुए, पुनर्परिभाषित करते हैं।

अबू अली सीना

एक वक्त था जब दुनियां में मुसलमानों का बोलबाला था उस दौर में मुसलमानों ने नई-नई तहकीकात की और दुनिया के मौजूदा उलूम में नए उसूलों का चलन बढ़ाया ऐसे ही एक मुस्लिम शख्सियत जिन्होंने अपने उलूम और तहकीकात की रोशनी यूरोप तक फैलाई, उनके बारे में चंद मालूमात पेश है। इब्न सीना का पूरा नाम अबू अली अल-हुसैन इब्न अब्द अल्लाह इब्न सिना है। यूरोप में लैटिन भाषा में इनका नाम "एविसेना" है और युरोप में इसी नाम से वे जाने जाते हैं।

इब्न सीना का जन्म लगभग 980 ई में बुखारा के पास एक गाँव अफशाना, ईरान में हुआ था [अब उज़्बेकिस्तान में] और मृत्यु सन् 1037 ई में, हमादान, ईरान में एक यात्रा के दौरान ही पेट दर्द से हो गई। उनके पिता, जो संभवतः इस्माइली थे, एक स्थानीय समानी (साम्राज्य के) गवर्नर थे, उनकी माता का नाम सितारा था और वह बुखारा से थीं। कम उम्र में ही उनका परिवार बुखारा आ गया जहाँ उन्होंने इस्माइल ज़ाहिद से हनफ़ी न्यायशास्त्र (फ़िक़्ह) की तालीम हासिल की। इब्न सीना ने 10 वर्ष की अल्पायु में ही संपूर्ण कुरान पढ़ और याद कर लिया था यानी हाफ़िज़ कुरान हो गये थे। कई शिक्षकों से चिकित्साशास्त्र का अध्ययन किया, और 18 वर्ष की आयु तक सभी विज्ञानों में महारत हासिल कर ली थी। इब्न सीना ने इस्लामी स्वर्ण युग कहे जाने वाले दौर में लेखन का एक विशाल संग्रह बनाया, जिसमें बाइज़ेंटाइन यूनानी-रोमन, फारसी और भारतीय ग्रंथों के अनुवादों का बड़े पैमाने पर अध्ययन किया और लगभग 450 पुस्तकें लिखी, जिनमें से 200 से 240 के लगभग पुस्तकें अब भी उपलब्ध है। इब्न सीना, केवल चिकित्सकों और दार्शनिकों में सबसे आगे नहीं थे बल्कि पश्चिम में शताब्दियों तक वे चिकित्सकों के सरदार के रूप में प्रसिद्ध रहे। इब्न सीना के दर्शनशास्त्र और चिकित्सा के अलावा, खगोल विज्ञान, कीमियागरी, भूगोल और भूविज्ञान, मनोविज्ञान, इस्लामी धर्मशास्त्र, तर्कशास्त्र, गणित, भौतिकी और कविता पर लेखन शामिल है।। नूह इब्न मंसूर (शासनकाल 976-997) के समानी दरबार में इब्न सीना ने एक चिकित्सक के रूप में सेवा में प्रवेश किया। इब्न सीना ने वर्तमान ईरान, उज्बेकिस्तान और तुर्कमेनिस्तान के कुछ हिस्सों में विभिन्न राजवंशीय शासकों के दरबारी चिकित्सक, राजनीतिक सलाहकार और प्रशासक के रूप में भी कार्य किया। इब्न सीना ने बुखारा में अपनी दो प्रारंभिक रचनाएँ लिखीं। पहली, मक़ाला

फ़ि'ल-नफ़्स, यह पुस्तक समानी शासक को समर्पित एक संक्षिप्त ग्रंथ है जो बुद्धि की अमूर्तता को स्थापित करता है। दूसरी, तत्वमीमांसा पर उनकी पहली प्रमुख रचना, "प्रोसोडिस्ट के लिए दर्शन" (अल-हिक्मा अल-अरुदिया) थी। बाद में उन्होंने दर्शनशास्त्र के तीन 'विश्वकोश' लिखे। इनमें से पहला अल-शिफा (इलाज) है, हालांकि इसके कुछ हिस्से एक सैन्य अभियान में खो गए। अन्य दो विश्वकोश बाद में इस्फ़हान में लिखे गए थे। पहला, अरबी के बजाय फ़ारसी में है जिसका शीर्षक दानिशनामा- दूसरी रचना अल-इशारत वल-तन्बीहात है। इस्लामी विज्ञान (उलूम) में, उन्होंने चुनिंदा कुरान की आयतों और अध्यायों पर लघु टिप्पणियों की एक श्रृंखला लिखी है। उन्होंने कुछ साहित्यिक रूपक भी लिखे हैं, जिनके दार्शनिक महत्व को लेकर 20 वीं और 21वीं सदी के विद्वानों में तीखी असहमति भी रही है। इब्न सीना की लिखित पुस्तक द ईस्टर्नस (अल-मशरिकियुन) या द ईस्टर्न फिलॉसफी (अल-हिक्मा अल-मशरिकिया), जिसे उन्होंने 1020 के दशक के अंत में लिखा था और जिसका अधिकांश भाग लुप्त हो गया है। इस में उन्होंने बताया कि सच्चा ज्ञान आन्तरिक प्रकाश से आता है अर्थात बुद्धी और अन्तर्ज्ञान को ज्ञान का स्त्रोत माना है।

इब्न सीना ने तर्कशास्त्र को दर्शनशास्त्र का एक सहायक, एक कला और विज्ञान माना। एक महत्वपूर्ण बात यह है कि उनके धर्मशास्त्र—प्रथम कारण और दस बुद्धि—ने उनके दर्शन को, सृष्टिकर्ता के रूप में ईश्वर के प्रति समर्पण और आकाशीय पदानुक्रम के साथ, मध्ययुगीन यूरोपीय दर्शन में आसानी से आयातित(विचारों को आपस में मिलान होने दिया) होने दिया। कई चिकित्सकों ने ऐतिहासिक रूप से इब्न सीना को उनकी संगठनशीलता और स्पष्टता के लिए प्राथमिकता दी। वास्तव में, यूरोप के महान चिकित्सा विद्यालयों पर उनका प्रभाव प्रारंभिक आधुनिक काल तक फैला रहा। चिकित्सा के क्षेत्र में इब्न सीना की किताब कैनन (अल-क़ानून फ़ी अल-तिब्ब) प्रमुख स्रोत बन गयी। यह पुस्तक पाँच पुस्तकों में विभाजित है। पहली पुस्तक में चार ग्रंथ हैं, जिनमें से पहला पेरगाम के यूनानी चिकित्सक गैलेन के चार द्रव्यों (रक्त, कफ, पीत पित्त और काला पित्त) के आलोक में चार तत्वों (पृथ्वी, वायु, अग्नि और जल) की जाँच करता है। पहले ग्रंथ में शरीर रचना विज्ञान भी शामिल है। दूसरा ग्रंथ एटियलजि (किसी बीमारी, विकार या स्थिति के कारणों और उत्पत्ति के अध्ययन को कहते हैं) और लक्षणों की जाँच करता है, जबकि तीसरा स्वच्छता, स्वास्थ्य और बीमारी, और मृत्यु की अनिवार्यता को कवर करता है। चौथा ग्रंथ एक चिकित्सीय नोसोलॉजी (रोग का वर्गीकरण) और आहार- विधि व उपचारों का एक सामान्य अवलोकन है। कैनन की दूसरी पुस्तक "मटेरिया मेडिका" है, तीसरी पुस्तक "सिर से पैर तक के रोगों" को कवर करती है, चौथी पुस्तक "कुछ अंगों से संबंधित नहीं होने वाली बीमारियों" (बुखार और अन्य प्रणालीगत और हास्य संबंधी विकृतियाँ) की जाँच करती है, और पाँचवीं पुस्तक "मिश्रित औषधियाँ" (जैसे, थेरियाक्स, मिथ्रिडेट्स, इलेक्टुअरी और रेचक) प्रस्तुत करती है। दूसरी और पाँचवीं पुस्तकों में लगभग 760 सरल और मिश्रित औषधियों का महत्वपूर्ण संग्रह है जो गैलेन के विकृति विज्ञान पर विस्तार से प्रकाश डालता है। उनकी सबसे प्रसिद्ध पुस्तकें 'द बुक ऑफ़ हीलिंग', द फिलॉसॉफिकल एंड साइंटिफिक इनसाइक्लोपीडिया और 'द कैनन ऑफ़ मेडिसिन' हैं, जिन्हें मेडिकल इनसाइक्लोपीडिया भी कहा जाता है।

इब्न सीना इस्लामी स्वर्ण युग के सबसे प्रमुख चिकित्सकों, खगोलविदों, विचारकों और लेखकों में से एक रहे हैं और उन्हें आधुनिक चिकित्सा के जनक के रुप में भी जाना जाता है। इब्न सीना ने दुनिया में आधुनिक चिकित्सा के साथ साथ अन्य उलूम में भी बहुत काम किया जिसके लिए आज भी उनका नाम ज़िन्दा है।

-फ़ज़लुर्रहमान

नेशनल टैलेंट सर्च के पोस्टर का विमोचन

-मुसलमानों के शैक्षणिक और आर्थिक विकास पर 25 वर्षीय रोडमैप तैयार

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सी-स्कीम स्थित एक होटल इंडिया प्राईड में सोमवार को एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (एएमपी), राजस्थान की ओर से सेमिनार का आयोजन हुआ। इसमें पदाधिकारियों ने 'भारतीय मुसलमानों के शैक्षणिक और आर्थिक विकास के लिए 25 वर्षीय रोडमैप' की जानकारी दी। साथ ही मुस्लिमों के शैक्षणिक और आर्थिक विकास पर भी जोर दिया। इस मौके पर मदरसा बोर्ड के चेयरमैन एमडी चौपदार, राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी के महासचिव शेख हाजी निजामुद्दीन व साहित्यकार फारूक आफरीदी सहित अन्य अतिथियों ने नेशनल टैलेंट सर्च परीक्षा के पोस्टर का विमोचन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष आमिर इदरीसी ने संगठन की विभिन्न योजनाओं पर प्रकाश डाला। फैयाज अहमद अंसारी ने बताया कि रोडमैप प्लान के तहत देशभर में रोजगार मेला लगाने व आवासीय विद्यालय खोलने की योजना है। हनीफ टांक व जयपुर कलस्टर हैड मकबूल अली नकवी सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे।

पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के बलिदान दिवस तथा सरदार पटेल की जयंती पर सर्व धर्म सभा का आयोजन

-देश में अघोषित आपातकाल लगा हुआ है – डोटासरा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी के बलिदान दिवस तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर 31 अक्टूबर को प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, इन्दिरा गाँधी भवन, स्टेशन रोड, जयपुर पर सर्वधर्म प्रार्थना सभा एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी, विधायक, विधायक प्रत्याशी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर अपनी भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

इस अवसर पर प्रदेशाध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने उपस्थित मीडिया को सम्बोधित करते हुये कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री आयरन लेडी स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जिन्होंने पूरे विश्व में देश की मजबूत छवि को कायम करते हुये पाकिस्तान के दो टुकड़े किये तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल जिन्होंने देश के एकीकरण के लिये महत्वपूर्ण योगदान दिया उनके दिखाये मार्ग पर चलने का संकल्प लेते हुये समस्त कृतज्ञ राष्ट्र इन नेताओं को श्रद्धांजलि दे रह है। उन्होंने कहा कि एक वक्त था जब पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी ने अमेरिकी राष्ट्रपति से बात करने से भी इंकार कर दिया और पाकिस्तान को सबक सिखाते हुये सैन्य कार्यवाही कर पाकिस्तान के दो टुकड़े कर दिये थे और आज भारत के मौजूदा प्रधानमंत्री अमेरिका के दबाव में आ गये और पाकिस्तान के विरूद्ध ऑपरेशन सिंदूर को स्थगित कर दिया। उन्होंने कहा कि आज देश में विचित्र हालात उत्पन्न हो गये हैं क्योंकि जो आरएसएस देश की जनता से वोट नहीं लेता है, जनता के प्रति उसकी कोई जवाबदेही नहीं है, वे सरकारों पर अंकुश लगा रहे हैं और अपना आधिपत्य जमाये हुये बैठे हैं और इस प्रकार से शासन कर रहे हैं जैसे जनता ने उन्हें चुना हो। राजस्थान स्वतंत्र राज्य है जिसे आरएसएस ने केन्द्र शासित प्रदेश बना दिया है जहॉं केन्द्र की इच्छा के बगैर कुछ नहीं हो सकता है। प्रदेश में ब्यूरोक्रेसी पूरी तरह से हावी है, जिसे कोई भय नहीं है, मुख्यमंत्री और मंत्रियों की भी सुनवाई नौकरशाही नहीं कर रही है, ऐसे में आम जनता की स्थिति तो सोचनीय हो गई है। आज की परिस्थिति में आयरन लेडी पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी जैसा साहस, अनुशासन, दूरदृष्टि, पक्का इरादा का नारा जो उन्होंने दिया उसके अनुरूप हर कांग्रेस कार्यकर्ता को कार्य करना होगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल तथा स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी से प्रेरणा लेकर उनके सदगुणों को अपनाते हुये सभी कांग्रेस के नेता एवं कार्यकर्ता उनके दिखाये मार्ग पर चलते हुये देश की मजबूती के लिये कार्य करेंगे तथा जिस प्रकार नेता विपक्ष राहुल गाँधी लगातार निडरता के साथ केन्द्र सरकार की गलत नीतियों को लेकर विरोध कर रहे हैं उसी प्रकार सभी कांग्रेस कार्यकर्ताओं को काम करना होगा।

डोटासरा ने कहा कि भाजपा देश में वोट चोरी कर सरकार पर काबिज हो रही है, एजेन्सियों का दुरूपयोग किया जा रहा है । आज देश में अघोषित आपातकाल लगा हुआ है, संवैधानिक प्रावधानों के विरूद्ध यदि कोई मीडिया का व्यक्ति सरकार के विरूद्ध खबर चला दे, कोई व्यक्ति सरकार के विरूद्ध ट्विट कर दे तो उसके विरूद्ध मुकद्मा चला दिया जाता है, कोई नेता अथवा कोई नागरिक सरकार की नीतियों के विरूद्ध अपनी बात रखे तो ईडी, इन्कम टैक्स, सीबीआई की कार्यवाही करवा दी जाती है। प्रदेश में तो हालात बदतर हो गये क्योंकि पहले एक डीजी पुलिस हुआ करता था, लेकिन अब एक डीजी पर दूसरा डीजी और डीजी पर डीजी लगाये गये हैं । जिससे प्रदेश के कानून-व्यवस्था रसातल में चली गई और इसके लिये मुख्यमंत्री जिम्मेदार हैं, क्योंकि यह अपने विवेक से कोई कार्य नहीं कर रहे हैं बल्कि केन्द्र से आई पर्ची के आधार पर ही निर्णय ले रहे हैं। पुलिस मुख्यालय और डीजी का इकबाल होता था, उसके निर्देशन में ही सब कार्य करते थे, लेकिन किन्तु अब विभिन्न डीजी लगा दिये हैं और सारी व्यवस्था चौपट हो गई है। आज स्थिति यह है कि मंत्री दौरे पर जाते हैं तो उनसे मिलने पांच लोग भी नहीं आते हैं, क्योंकि आम जनता ही नहीं भाजपा कार्यकर्ताओं को भी ऐसा विश्वास नहीं है कि उनके वाजिब और जरूरी काम सरकार में हो जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियां देश में लोकतंत्र को कमजोर करने का काम कर रही है। प्रदेश में समस्त कार्यों के ठेके गुजरात की कम्पनियों अथवा दिल्ली दरबार में हाजिरी देने वालों को दिये जा रहे हैं और मंत्री बिना किसी विरोध के सांठ-गांठ कर यह ठेके दे रहे हैं। आज के हालात में स्व. श्रीमती इन्दिरा गाँधी तथा सरदार वल्लभ भाई पटेल के जीवन, उनके हौसले, साहस, दृढ़ इच्छा शक्ति तथा देश के लिये अपने आपको बलिदान करने के जज्बे से प्रेरित होकर कार्य करने का संकल्प कांग्रेस के सभी नेता एवं कार्यकर्ता लेकर देश की मजबूती में अपना योगदान प्रदान करें।

केरोसिन गोदाम में लगी भीषण आग,लपटों ने तोड़ी मकान की पट्टियां

-7 दमकलों की जंग! घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

-छत से कूदकर बचाई जान! आग में फंसे लोगों को स्थानीय लोगों की मदद से निकाला बाहर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जयपुर से बड़ी खबर- गलता गेट थाना क्षेत्र की कल्लन शाह कॉलोनी में 29 अक्टूबर 2025 को मचा हाहाकार, केरोसिन गोदाम में लगी भीषण आग ने मचाई अफरा-तफरी, लपटें इतनी भयानक कि मकान की पट्टियां तोड़कर बाहर निकली आग। गलता गेट थाना क्षेत्र के कल्लन शाह कॉलोनी की तंग गलियों में मची अफरा-तफरी, मकान में रहने वाले करीब 50 लोगों ने पड़ोसी की छत पर कूदकर बचाई अपनी जान, स्थानीय लोगों की सूझबूझ और दमकल की फुर्ती से टल गया बड़ा हादसा। आग इतनी भयंकर थी कि मकान की छत की पट्टियां पिघलने लगीं —और टूट कर निकलने लगी आग, मकान में LPG सिलेंडर भी रखे थे, लेकिन SDRF और दमकल टीम ने समय रहते सब पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलते ही हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, महापौर कुसुम यादव और उपमहापौर असलम फारूकी भी पहुंचे मौके पर। विधायक ने अधिकारियों को लगाई जमकर लताड़ कहा, "आखिर रिहायशी इलाके में अवैध केरोसिन गोदाम चल कैसे रहा है, फिलहाल, गलता गेट थाना पुलिस ने आग के कारणों की जांच शुरू कर दी है, गनीमत रही किसी भी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन सवाल ये है — क्या ऐसे अवैध गोदामों पर कार्रवाई होगी, या फिर इस तरह की घटनाए राजधानी में होते ही रहेगी।

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में और भी खतरे-

मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्रों में ऐसी कई गतिविधि चलती हैं जिनके कारण और भी हादसे सामने आ सकते हैं। लेकिन प्रशासन की मिली भगत के कारण ऐसे अवैध धंधे आसानी से चल रहे हैं। यह प्रशासन की मिली भगत और भ्रष्टाचार का मामला दिखाई देता है। क्षेत्र अवैध गैस सिलेंडरों की रिफिल का बड़ा कारोबार चल रहा है। इसी तरह क्षेत्र अवैध बेकरी चल रही है, जो आग जैसे किसी भी हादसों को जन्म देती है। इन बेकरियों के कारण प्रदूषण फैलता है और आसपास गंदगी रहती है। अवैध होटल जिनके पास फूड लाइसेंस और स्वच्छता प्रमाण पत्र नहीं है और क्षेत्र में सबसे ज्यादा गंदगी का कारण है। लेकिन सरकारी अधिकारी या प्रशासन सिर्फ हादसा होने पर ही जागता है।

गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज का नि:शुल्क वैवाहिक सम्मेलन सांगानेर में संपन्न

-11 जोड़ों ने लिया भाग

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के गांव गवार में गुर्जर गौड़ ब्राह्मण समाज द्वारा एक भव्य एवं निःशुल्क वैवाहिक सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सामाजिक एकता और संस्कारों के संरक्षण के उद्देश्य से आयोजित इस कार्यक्रम में 11 जोड़ों ने अपने भावी जीवनसाथी के चयन की दिशा में कदम बढ़ाए। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि आचार्य राजानंद शास्त्री ने दीप प्रज्वलन और वैदिक मंत्रोच्चार के साथ किया। इस अवसर पर आचार्य ने अपने प्रेरणादायी उद्बोधन में समाज की एकता पर बल देते हुए कहा, "ब्राह्मणों की संस्थाएँ भले अनेक हों, पर हम सभी एक हैं। समाज की उन्नति के लिए ऐसे आयोजनों को निरंतर आगे बढ़ाया जाना चाहिए।" उन्होंने समाज बंधुओं से ऐसे सम्मेलनों को जारी रखने का आह्वान किया ताकि युवाओं को संस्कारित जीवनसाथी मिल सकें। आचार्य ने आयोजन समिति को अयोध्या धाम एवं हनुमानगढ़ी मंदिर का प्रतीक स्वरूप भेंट किया। साथ ही, उन्होंने सम्मेलन में शामिल वर-वधुओं को अयोध्या श्रीरामलला एवं हनुमानगढ़ी का दुपट्टा पहनाकर आशीर्वाद दिया और उनके खुशहाल जीवन की कामना की। यह सफल आयोजन, आयोजन समिति के अध्यक्ष अरुण थावलया, मंत्री अशोक गालरिया, एवं कोषाध्यक्ष अभिनन्दन और हनुमान के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का प्रभावशाली मंच संचालन बृजेश जोड़ली द्वारा किया गया, जिसे उपस्थित समाजबंधुओं ने खूब सराहा। सम्मेलन में अजमेर किशनगढ़ से राधेश्याम गौतम, प्रेमशंकर गौतम (अध्यक्ष खुर्रा), भानु प्रकाश (अध्यक्ष टोंक रोड समिति), मनीष जाजड़ा (बीकानेर), जगमोहन (अध्यक्ष निवाई), समाजसेवी बृजेश जोड़ली और महावीर गुहाड़िया सहित अनेक गणमान्य समाजबंधु उपस्थित रहे। यह आयोजन समाज की एकता और सहयोग भावना का जीवंत प्रतीक बनकर उभरा।

राजस्थान में स्लीपर कोच बसों का चक्का जाम

-सरकार को 10 करोड़ का राजस्व नुकसान

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में निजी स्लीपर कोच बसों की आज पूर्ण हड़ताल रही। पूरे राज्यभर में बसों के पहिए थम जाने से लगभग 25,000 यात्री अपनी यात्रा से वंचित रहे। निजी बस संचालकों की हड़ताल से राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम (RSRTC) भी यात्रियों को वैकल्पिक सेवा देने में असमर्थ रहा। बस ऑपरेटर एसोसिएशन राजस्थान के प्रदेश अध्यक्ष सत्य नारायण साहू ने बताया कि सरकार की हठधर्मिता के चलते स्लीपर कोच संचालक मजबूरी में चक्का जाम पर उतरे हैं। उन्होंने कहा कि स्लीपर कोच बसों के बंद रहने से आज ही सरकार को करीब 10 करोड़ रुपये का राजस्व नुकसान हुआ है। इसमें डीजल पर लगने वाला वैट, टोल टैक्स से होने वाली आय (लगभग ₹5 प्रति किलोमीटर), तथा यात्रियों द्वारा दिए जाने वाले 5% जीएसटी का हिस्सा तीनों ही प्रभावित हुए हैं। साहू ने चेतावनी दी कि अगर सरकार ने जल्द वार्ता कर समाधान नहीं निकाला, तो यह नुकसान प्रति दिन बढ़ता जाएगा।संगठन के अनुसार, बस संचालक सरकार से स्लीपर कोच के परमिट नियमों और टैक्स ढांचे में राहत की मांग कर रहे हैं। "हम चाहते हैं कि सरकार संवाद करे, समस्या का समाधान निकाले, ताकि जनता को असुविधा न हो और राज्य का राजस्व भी बच सके।"

पार्षद को काटने वाले कुत्ते को नगर निगम की टीम नहीं पकड़ पायी

-वार्ड-131 के पार्षद गोविंद छीपा को कुत्ते ने काट लिया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। शहर में बढ़ती आवारा कुत्तों की संख्या और उनकी आक्रामता को नगर निगम हमेशा ही नकारता रहा है। लेकिन शनिवार को एक कुत्ते ने वार्ड-131 के पार्षद गोविंद छीपा को काट लिया। पार्षद छीपा उस समय मालवीय नगर ए-ब्लॉक में सफाई का जायजा ले रहे थे। जेईएन अक्षिता, एस आई दीपचंद व जमादार हेमराज ने बहु मुश्किल उनको बचाया। बाद में पार्षद मालवीय नगर सेक्टर-3 स्थित डिस्पेंसरी पहुंचे और इलाज करवाया। उन्होंने पशु नियंत्रण शाखा प्रभारी को भी डॉग बाइट की शिकायत दी। इलाज की पर्ची भी भेजी। पशु नियंत्रण प्रभारी राकेश कुमार ने शिकायत पर गाड़ी वार्ड में भेजी थी, जो रात तक वही रही, लेकिन पार्षद को काटने वाला कुत्ता नहीं मिला। कुत्ते पकड़ने वाले टीम को कुत्ता दिनभर दौड़ता रहा, लेकिन पकड़ में नहीं आया। पशु नियंत्रण शाखा जयपुर शहर में तब ही सक्रिय होती है जब कुत्ता किसी नागरिक को काट लेता है।

नगर निगम हेरिटेज में अवारा कुत्तों की बढ़ी तादाद -

जयपुर नगर निगम हेरिटेज के वार्डों में आए दिन डॉग वाइट की खबरें आती रहती है। जयपुर शहर के सबसे ज्यादा अवारा कुत्ते चारदीवारी क्षेत्र, ईदगाह क्षेत्र, जयसिंहपुरा, नाई की थड़ी क्षेत्र में पाए जाते हैं। क्योंकि इन क्षेत्रों में मीट की अवैध दुकानों के होने के कारण अवारा कुत्ते इनके आसपास ही बने रहते हैं। इन क्षेत्रों में बच्चों, बड़ों एवं महिलाओं को कुत्ते द्वारा काटने के समाचार अखबारों में छपते रहते हैं। नगर निगम हेरिटेज की पशु नियंत्रण शाखा यहां सिर्फ कागजी साबित हो रही है। कभी-कभी कुत्ते काटने की शिकायते ज्यादा आने लगती है तो जरूर कुत्ते पकड़ने की गाड़ी भेजकर खानापूर्ति करली जाती है। जयपुर नगर निगम हेरिटेज में सरकारी सिस्टम काफी कमजोर है। ज्यादातर कर्मचारी और अधिकारी काम करना नहीं चाहते हैं। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से कोई भी सरकारी एजेंसी इसको सुधारने का प्रयास नहीं कर रही है।

ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ राजस्थान की बैठक आयोजित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ऑल इंडिया तंजीम-ए-इंसाफ राजस्थान के राज्य सम्मेलन करने के लिए 2 नवम्बर 2025 को कुमारानंद हॉल हथरोई गढी विधायक पुरी थाने के पीछे जयपुर में अयाज खान की अध्यक्षता में मीटिंग हुई। जिसमें आल इंडिया तंजीम ए इंसाफ के राज्य महासचिव नईमुद्दीन आकिल ने संस्था पूर्व किए गए कार्यों पर प्रकाश डाला। अधिवक्तागण इकरामउल्लाह खान, मोहम्मद फारूक, मोहम्मद शमीम ने तंजीम के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने एवं वर्तमान समस्या S.I.R. पर कार्य किए जाने के लिए सुझाव दिये। राज्य कोषाध्यक्ष गुफरान खान ने तंजीम को राज्य में सुदृढ़ करने के लिए आवश्यक फंड इकट्ठा करने के लिए सभी से तन मन धन से सहयोग का आव्हान किया। जयपुर शहर के मुदब्बिर खान, मोहम्मद नाजिर, मोहम्मद नसीम, तसववुर खान, मोहम्मद आरिफ, शेख़ इकबाल कुरैशी, तनवीर अहमद ने नशा विरोधी अभियान चलाने व सवाई माधोपुर अध्यक्ष सलीम खान ने सम्मेलन से पूर्व सदस्यता बढ़ाने की शपथ ली। कई जिलों से प्रतिनिधियों ने भाग लिया। दिसंबर माह में नवीन कार्यकारिणी का गठन करना तय किया गया। सम्मेलन दिनांक की घोषणा राष्ट्रीय अध्यक्ष / महासचिव से राय कर घोषित की जाएगी।

कक्षा 6 की छात्रा अमायरा की मृत्यु अत्यन्त दुखद- मुहम्मद नाजिमुद्दीन

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। कक्षा 6 की छात्रा अमायरा के स्कूल की चौथी मंजिल से गिरने के बाद मृत्यु हो जाने की घटना अत्यन्त दुखद है। इस घटना पर जमाअते इस्लामी हिन्द राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मुहम्मद नाज़िमुद्दीन ने गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होने कहा कि यह घटना दिल दहलाने वाली है। इस दुख की घड़ी में हम शोक संतप्त परिवार के साथ हैं। उन्होनें कहा कि स्कूलों में इस तरह की घटनाएं एक चिंता का विषय है जिसके कारणों की सही से जांच होनी चाहिए। उन्होंने यह प्रश्न उठाया कि हमारे स्कूल, शिक्षा पद्धति, अध्यापकों का व्यवहार और स्कूल का वातावरण स्वस्थ है या छात्र-छात्राएं किसी दबाव व प्रताड़ना का शिकार हो रहे हैं? इस बात की भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए कि छात्रा अमायरा किसी अन्य दुविधा में तो नहीं थी जिसे वह किसी के साथ साझा नहीं कर पा रही थी? इस प्रकार की घटनाएं शिक्षाविदों और मनोविज्ञानिकों के लिए गहन अध्ययन का विषय है।

उन्होने प्रशासन से मांग की कि वह इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए शिक्षा विभाग को सजग करें कि वह शालाओं की सही स्थिती की जांच कराएं और इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए कड़े इन्तेज़ाम किए जाएं ताकि छात्रों की सुरक्षा का सही प्रबंध किया जा सके और भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

अपहरण कर लूट करने के तीन अभियुक्त बापर्दा गिरफ्तार

-परिवादी को सोशल मीडिया ऐप्प के जरिये बिजनेस करने का झांसा देकर की अपहरण व लूट की वारदात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर उत्तर करन शर्मा आईपीएस ने बताया कि 18 अक्टूबर 2025 को परिवादी मुकेश कुमार वासवानी द्वारा पुलिस थाना ब्रह्मपुरी पर रिपोर्ट पेश की कि 17 अक्टूबर 2025 को सुबह सोशल मीडिया एप्प से एक अज्ञात लड़के से आनलाईन बात हुई। वहा उसने मुझे बिजनेस प्लान बताया और मिलने का बोला फिर वह टेलीग्राम से बात करने पर वह मिलने के लिए बोला जब मैं उसके पास मिलने के लिये गया ता स्वीफ्ट कार मैं बिठाकर मुझे लेकर गया तथा थोडा आगे चलने पर उसके और साथी कार मैं बैठ गये तथा मेरे साथ मारपीट करने लग गये तथा मुझे लेकर दिल्ली बाईपास रोड पर गये वहाँ पर मेरे साथ मारपीट की तथा मेरे मोबाईल को छीनकर उससे आनलाईन रूपये निकाल लिये। रूपये निकालने के पश्चात मुझे दिल्ली बाईपास रोड पर पटककर चले गये।

गठन पुलिस टीम का विवरण-

अपहरण व लूट की वारदात को गंभीरता से लेते हुए राजेश गौतम पुलिस निरीक्षक थानाधिकारी पुलिस थाना ब्रह्मपुरी के नेतृत्व में जगदीश नारायण उप निरीक्षक, कानि उमेशचन्द न. 4876, कानि कानाराम न. 9033, कानि लालसिंह न. 11689, कानि रतिराम न. 9200 कानि प्रदीप न. 9209, कानि नफेसिंह न. 6038 साईबर एक्सपर्ट टीम से नन्छूराम कानि. 9260 की टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा तकनीकी सहायता व मुखबीरी तंत्र का उपयोग कर अभियुक्तगण का लगातार पीछा कर दस्तयाब किया गया है। अभियुक्तगण का एक साथी विकास मीणा फरार चल रहा है जिसकी तलाश की जा रही है।

पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर में अवैध रूप से स्मैक बेचते महिला नेहा कुरैशी को किया गिरफ्तार

-गिरफ्तार महिला के कब्जे से 06 ग्राम 45 मिलीग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक व बिक्री राशि 2,900 रूपये किये जप्त

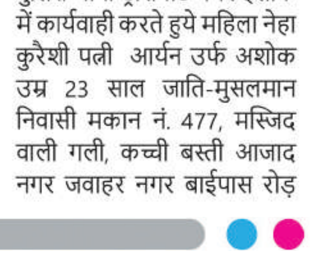

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस उपायुक्त जयपुर पूर्व संजीव नैन ने जानकारी देते हुये बताया 30 अक्टूबर को पुलिस आयुक्त आयुक्त जयपुर के निर्देशअनुसार जिला जयपुर शहर में अवैध नशा तस्करो व बेचने वालो वह नशा करने वालो के खिलाफ चलाये जा रहे आपरेशन "क्लीन स्वीप" के तहत समस्त थानाधिकारियों को अधिक से अधिक कार्यवाही करने के दिशा निर्देश दिये गये जिस पर कार्यवाही करने हेतू अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त जिला जयपुर पूर्व आशाराम चौधरी (RPS) व सहायक पुलिस आयुक्त आदर्श नगर सुश्री लक्ष्मी सुधार (RPS) के निर्देशअनुसार व अरूण कुमार (पु.नि.) पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जिला जयपुर पूर्व एवं बन्ना लाल (उ.नि.) प्रभारी जिला विशेष टीम जयपुर पूर्व के संयुक्त नेतृत्व मे जिला विशेष टीम व पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर की संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थ तस्करों व स्मैक सप्लाई करने व बेचने वालो के विरूद्ध आंसूचना संकलन कर सूचनाओं पर कार्यवाही करते हुऐ अवैध रूप से अवैध मादक पदार्थ स्मैक बेचने वाले के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर ईलाके में कार्यवाही करते हुये महिला नेहा कुरैशी पत्नी आर्यन उर्फ अशोक उम्र 23 साल जाति-मुसलमान निवासी मकान नं. 477, मस्जिद वाली गली, कच्ची बस्ती आजाद नगर जवाहर नगर बाईपास रोड़ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर जयपुर पूर्व को गिरफ्तार कर आरोपी से अवैध मादक पदार्थ स्मैक 06 ग्राम 45 मिलीग्राम व बिक्री राशि 2,900 रूपये जप्त किये गये। आरोपी के खिलाफ पुलिस थाना ट्रांसपोर्ट नगर में मुकदमा नं. 256/25 धारा 8/21 एनडीपीएस एक्ट में दर्ज किया गया।

गिरफ्तार आरोपी नेहा कुरैशी ने पूछताछ में बताया कि में 20-25 दिन से स्मैक का काम करने लगी हूं। मैं स्मैक को बेचने वालो से तीन हजार से 4 हजार के प्रति ग्राम के हिसाब से खरीदती हूं जिसमें से में छोटी-छोटी पूड़िया बनाकर 300 रूपये प्रति टोकन के हिसाब से बेचती हूं। मुझे यह काम करते 20 से 25 दिन हो गये। में रोज 20 से 30 टोकन प्रति दिन बेच देती हूं। आरोपी से अनुसंधान हेतू पुलिस थाना जामड़ोली में पूछताछ जारी।

सेंट्रल पार्क का नाम बदलकर किया भैरोसिंह शेखावत पार्क

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ग्रेटर नगर निगम ने जयपुर में कई पार्कों, सड़कों, पुलों एवं सर्किलों का नाम बदल दिया है। नगर निगम महापौर और पार्षदों का कार्यकाल समाप्त होने से पहले नगर निगम ग्रेटर की बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया।

जयपुर ग्रेटर नगर निगम की ओर से बदले गए स्थानो की सूची किस प्रकार है-

वर्तमान नाम	-	नवीन नाम
टोंक रोड	-	भैरोसिंह शेखावत मार्ग
सेंट्रल पार्क	-	भेंरोसिंह मेमोरियल पार्क
भारत जोड़ो सेतु	-	सरदार वल्लभभाई पटेल सेतु
रामनिवास बाग स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स	-	डॉ. हेडगेवार खेल केंद्र
झोटवाड़ा आरओबी	-	वीर दुर्गादास राठौड़ सेतु
जनता स्टोर सर्कल (बापू नगर)	-	चित्रगुप्त सर्कल
गोल्यावास सर्कल	-	भगवान परशुराम सर्कल
प्रतापनगर चौराहा	-	भगवान परशुराम चौराहा
जगतपुरा सात नम्बर चौराहा	-	श्री खाटू श्याम सर्कल

झालावाड़ मेडिकल कॉलेज में एक ही मरीज के 2 अलग-अलग ब्लड ग्रुप की दी रिपोर्ट

-लापरवाही का लगाया आरोप

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़ (रॉयल पत्रिका) । राजस्थान झालावाड़ मेडिकल कॉलेज SRG चिकित्सालय में ब्लड बैंक कर्मियों द्वारा लापरवाही करते हुए एक ही मरीज की जांच में अलग-अलग ब्लड ग्रुप देने का मामला सामने आया है। मरीज़ नफीसा बेगम जिनका मुंह का कैंसर होने के कारण ऑपरेशन होना था वार्ड के स्टाफ ने नफीसा बेगम के परिजनों को तीन यूनिट ब्लड के इंतजाम करने की बात कही। परिजन ब्लड बैंक जाकर जब पेशेंट की जांच की रिपोर्ट लेकर के आए तो पहले तो ब्लड बैंक कर्मियों ने 29 अक्टूबर को A पॉजिटिव की रिपोर्ट दि फिर 30 अक्टूबर को भी A पॉजिटिव रिपोर्ट दी वही पेशेंट का ऑपरेशन थिएटर में शुगर लेवल बढ़ाने के कारण ऑपरेशन नहीं हो पाया। फिर से जब दोबारा परिजनों ने ऑपरेशन के लिए जांच कराई तो ब्लड बैंक कर्मियों द्वारा नफीसा बेगम का ब्लड ग्रुप A नेगेटिव बता दिया गया। इसके बाद परिजनों ने एक निजी लैब में भी ब्लड किया जांच करवाई जिसमें भी A नेगेटिव ही रिपोर्ट आई इसको लेकर परिजनों ने मीडिया कर्मियों को बुलाकर नाराज़गी जाहिर की। परिजनों ने बताया कि अगर यह ब्लड हमारे मरीज को चढ़ जाता तो कोई बड़ी घटना हो सकती थी इसलिए परिजनों ने झालावाड़ मेडिकल कॉलेज के डीन संजय पोरवाल और झालावाड़ SRG चिकित्सालय अधीक्षक अशोक शर्मा को ज्ञापन देकर अपनी काम में लापरवाही बरतने वाले दोषी ब्लड बैंक गलत जांच करने वाले कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कड़ी कार्रवाई करते हुए निलंबन की मांग की, ताकि ऐसी कोई गलती भविष्य में ना हो सके। परिजनों ने भय और डर के कारण अपने मरीज़ नफीसा बेगम जिसका ऑपरेशन होना था उस को भी डिस्चार्ज करा कर झालावाड़ SRG चिकित्सालय मेडिकल कॉलेज में ऑपरेशन करने से इनकार कर दिया और जल्द ही जिला कलेक्टर झालावाड को ज्ञापन देकर लापरवाही बरतने वाले ब्लड बैंक कर्मियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने की बात कही।

मात्र एक रूपए में होने वाला 11 वां सामूहिक विवाह सम्मेलन 29 दिसम्बर 2025 को होगा

जोधपुर (रॉयल पत्रिका) मारवाड़ शेख सैय्यद मुगल पठान विकास समिति जिला जोधपुर का 11 वा मात्र एक रूपए मे सामुहिक विवाह सम्मेलन 29 दिसम्बर 2025 को जोधपुर मे होगा। जिला प्रवक्ता नदीम बक्ष ने जानकारी देते हुए बताया कि आज आज मंडोर तन्हा पीर की दरगाह पर फुल चादर पेस करके जिला बैठक की शुरुआत समिति के अध्यक्ष उस्ताद हाजी हमीम की अध्यक्षता मे एक अहम बैठक आयोजित की गयी। इस बैठक को सामुहिक विवाह सम्मेलन अध्यक्ष सिकन्दर खान पठान ने संबोधित किया व शेख सैय्यद मुगल पठान बिरादरी समाज के लोगों को व सभी बैठक मे शामिल हुए लोगों को सामुहिक विवाह सम्मेलन से होने वाले फायदे व फिजुल खर्च पर अंकुश लगाने का महत्वपूर्ण महत्व बताया व कम से कम खर्च मे भी अपनी लाडली बच्चीयो की शादी सामुहिक विवाह सम्मेलन में बडे अदब व एतराम के साथ कर सकते हैं। सिकन्दर पठान ने यह भी कहा की मात्र एक रूपए मे यह आयोजन किया जाता है। सामुहिक विवाह सम्मेलन मे एक रूपए के अलावा हम किसी भी प्रकार का कोई भी शुल्क नहीं लेते हैं व हम सभी के साथ मिलकर कार्य को अंजाम देते हैं। उस्ताद हाजी हमीम बक्ष बताया जोधपुर की सर जमीन पर प्रथम बार मात्र एक रूपए मे सामुहिक विवाह सम्मेलन करने की अलख सन 2012 मे पहली बार जगाई। तब से लेकर आज तक दस बार से ज्यादा सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित करके कई बच्चीयो के घर बसाये है। यह अनोखा आयोजन अब तक जोधपुर मे दस बार कर दिए इसके अलावा पुरे राजस्थान मे भी यह हमारी मुहिम काम कर रही है और जोधपुर के साथ-साथ पाली, बाली, जेतारण,ब्यावर,सोजत, मेड़तारोड, नागोर,उदयपुर,बीकानेर,जेसे शहरो मे भी मात्र एक रूपए मे सामुहिक विवाह सम्मेलन आयोजित हो रहे जो की एक प्रेरणा के स्तोत्र है व काबिले तारीफ है। नियामत पठान ने बताया की हम आगे भी समाज के लिए ऐसे आयोजन करके समाज को केसे फायदा पहुंचाया जाए उसके दिल जान लगाकर मेहनत करते रहेंगे।

बैठक में रहे शामिल-

फिरोज खान, इंसाफ अली भाईजान, अजीज पठान, इश्तियाक अली राजु,जीएम शेख, मुंशी भाई,प्रशांत, पार्षद कु जाफ़रान, शाहबाज खान, नदीम इकबाल, इस्लामुद्दीन राजा भाईया,असलम खांन एडवोकेट, उस्ताद शोएब,इकबाल नुरी, शाहरुख शेख,से आरिफ अली, अमजद बक्ष राजु, माजिद खान,आशिफ पठान,मजीद खान, डाक्टर इमरान,शाहिद कागा अयुब खान मंजूर सिद्दीकी,गुलाम मोहम्मद पत्रकार,साकिर पंप्सा मोहम्मद रईस,राजु पठान, मोहम्मद हुसैन, सराफत अली ,मोहम्मद याकुब,साकिर शेख, एजाज मोहम्मद, मोहसिन शेख,रईस बक्ष,इकबाल मुन्ना,शेखावत,आशिफ पठान मोहम्मद आरिफ पठान व अन्य सभी सदस्य व समाज के लोग शामिल रहे।

निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा के समर्थन में एसडीपीआई के पदाधिकारियों ने किया जनसम्पर्क

-शाम को नुक्कड़ सभा आयोजित

मांगरोल (रॉयल पत्रिका) । अंता विधानसभा उप चुनाव में निर्दलीय प्रत्याक्षी नरेश मीणा के समर्थन में रविवार 02 नवंबर को सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों द्वारा मांगरोल शहर में सघन जनसंपर्क करके जनसमर्थन मांगा। जनसंपर्क कार्यक्रम में सोशल डेमोक्रेटिक पार्टी ऑफ इंडिया के जनरल सेकेट्री नदीम अख्तर, स्टेड ट्रेजरार जाकिर रंगरेज, बारां जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज, जिला सचिव अलीम मंसूरी, मांगरोल नगर अध्यक्ष जाकिर हुसैन सहित कई जिले के कई पदाधिकारियों ने मांगरोल शहर के विभिन्न क्षेत्रों में डोर टू डोर सघन जनसंपर्क किया। रात 8 बजे के बाद कर्बला मैदान में नुक्कड़ सभा का आयोजन किया गया जिसमें निर्दलीय प्रत्याशी नरेश मीणा, पूर्व मंत्री राजेंद्र गुड़ा, एसडीपीआई के राष्ट्रीय सचिव रियाज फिरंगीपेंट, प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन, जिलाध्यक्ष अब्दुल अजीज अज्जू सहित कई लोगों ने संबोधित करते हुए जनता के सामने अपनी बात रखी। नरेश मीणा ने संबोधित करते हुए कहा कि सभी धर्मों का आदर और सभी को साथ लेकर चलूंगा। किसानों भाइयों के लिए सदैव उपलब्ध रहूंगा। आमजन के लिए अगर आंदोलन भी करना पड़े तो पीछे नहीं हटूंगा। वहीं एसडीपीआई के प्रदेश अध्यक्ष अशफाक हुसैन, महासचिव नदीम अख्तर ने सभी कार्यकर्ताओं से तन मन से जुट जाने का आह्वान किया। इस दौरान कर्बला मैदान में बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

गीतांजली मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में Skill-Up Rhinology कार्यशाला 2025 सफलतापूर्वक संपन्न

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। गीतांजली मेडिकल कॉलेज एवं हॉस्पिटल में Skill-Up Rhinology कार्यशाला 2025 सफलतापूर्वक आयोजित की गई। इस कार्यशाला के ओर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ अनामिका (ईएनटी कंसल्टेंट गीतांजली हॉस्पिटल) ने बताया। कार्यशाला का शुभारम्भ डॉ. संगीता गुप्ता (डीन, गीतांजलि मेडिकल कॉलेज), डॉ. हरप्रीत सिंह (एमएस गीतांजली हॉस्पिटल), डॉ. मनजिंदर कौर (एडिशनल प्रिंसिपल), डॉ. वी पी गोयल द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। गीतांजली ग्रुप एवं WAOI के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस कार्यशाला में देश के विभिन्न राज्यों से 70 से अधिक ईएनटी चिकित्सकों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुंबई एवं अंतर-राष्ट्रीय प्रशिद्ध ENT सर्जन डॉ रेनुका ब्राडू मुख्य डाईसेक्टर रहे। WAOI अध्यक्ष डॉ. कल्पना नागपाल (दिल्ली), डॉ. लीना जैन (भीलवाड़ा), डॉ. इन्दू शुक्ला (लखनऊ), डॉ. आशिमा सक्सेना (हरियाणा), डॉ. हिमांशु जोशी, डॉ. आर्ची जैन एवं उदयपुर की स्मस्त ए एन टी फैकल्टी मेंटर के रूप में मौजूद रहे। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न हिस्सों से आये प्रतिभागी चिकित्सको ने इंडोस्कोपिक साइनस सर्जरी का मानव कैडेवर पर प्रायोगिक प्रशिक्षण लीया। इस कार्यशाला को सफल बनाने के लिए एनाटोमी विभाग का भी पूर्ण योगदान रहा । इस कार्यशाला के माध्यम से सर्जनों को एण्डोस्कोप द्वारा नाक एवं साइनस की जटिल शल्य प्रक्रिया की तकनीक का सीधा अनुभव प्राप्त हुआ।

चूरू शहर में ई-सिगरेट के खिलाफ कार्यवाही, एक गिरफ्तार

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला पुलिस अधीक्षक जय यादव आईपीएस ने बताया कि जिला चूरू में नशे की धरपकड़ के खिलाफ जारी अभियान के तहत अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक चूरू लोकेन्द्र दादरवाल आरपीएस व वृताधिकारी वृत चूरू सुनील कुमार झाझडीया के निकट सुपरवीजन में टीम कोतवाली चूरू एवं कालिका टीम के द्वारा स्कुल कॉलेज के आस पास अवैध धुम्रपान बीडी, सिगरेट, गुटका एवं अवैध नशा बेचने वालो के खिलाफ चैकिंग की गई तो दौराने चैकिंग बालिका महाविधालय के पास स्थित सैनी आर्ट चूरू में संचालक ओमप्रकाश पुत्र रामकुमार सैनी निवासी वार्ड न.38 कस्बा चूरू के कब्जा से अपनी दुकान के अन्दर अवैध रुप से बेची जा रही ई-सिगरेट के कुल 74 पैकेट जब्त किये जाकर गिरफ्तार किया गया। चूरू पुलिस द्वारा अवैध नशा के खिलाफ लगातार कार्यवाही की जा रही है मगर ई-सिगरेट के खिलाफ जिला पुलिस की उक्त प्रथम कार्यवाही है, आगे भी स्कुल कॉलेज के आस पास इस प्रकार का अवैध नशा व धम्रपान की सामग्री बेचने वालो के खिलाफ सतत् कार्यवाही जारी रखी जावेगी। उक्त कार्यवाही पर थाना कोतवाली चूरू मे प्रकरण स. 238/2025 धारा 4/7 इलेक्ट्रोनिक्स सिगरेट का निषेध अधिनियम 2019 में दर्ज कर अनुसंधान जारी है। जब्त सुदा 74 ई-सिगरेट के पैकेट की किमत करीब 25000 रुपये है। उक्त कार्यवाही में कालिका टीम का विशेष योगदान रहा है। स्कुल कॉलेज के आस पास ई-सिगरेट बेचने पर तीन वर्ष की सजा एवं पांच लाख रुपये के जुर्माना का प्रावधान है।

कार्यवाही में शामिल पुलिस टीम: किशनाराम बिश्नोई थाना कोतवाली चूरू, मय टीम कोतवाली चूरू व कौशल्या हैडकानि मन्जू , निरंजन, कृष्णा कालिका टीम चूरू उपस्थित रहे।

ट्रेनों के ठहराव के लिए भिवण्डी के चूरू जिला अप्रवासी मण्डल ने सांसद को सौंपा ज्ञापन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर वार्ड 17 में भिवण्डी के चूरू जिला अप्रवासी मण्डल के हाजी इस्माईल भाटी के नेतृत्व में हिसार-कोयम्बटूर- हिसार का भिवण्डी रेलवे स्टेशन पर ठहराव, हिसार-बान्द्रा- हिसार, जम्मुतवी बान्द्रा-जम्मु एक्सप्रेस का बसई स्टेशन पर ठहराव के लिए सांसद राहूल कस्वां को अप्रवासियों ने ज्ञापन सौंपा। हाजी भाटी ने बताया कि चूरू जिले के अलावा सीकर, झुंझुनूं सहित राजस्थान के हजारो नागरिक महाराष्ट्र के ठाणे जिले के भिवण्डी क्षेत्र में व्यापार के लिए बड़ी संख्या में रहते है। इसलिए अप्रवासियों ने इन स्टेशनों पर हिसार-कोयम्बटूर- हिसार का भिवण्डी रेलवे स्टेशन पर ठहराव, हिसार-बान्द्रा- हिसार, जम्मुतवी बान्द्रा-जम्मु एक्सप्रेस का बसई स्टेशन पर ठहराव किया जाए। ताकि हम लोगों को कोई परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर मोहम्मद रफ़ीक चौहान, हाजी इस्माईल भाटी, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष जमील चौहान, धमेन्द्र बुडानिया, नारायण बालाण, किशोर धांधू, आरिफ़ पीथींसर, सद्दाम हुसैन, शकील चौहान, रफीक चुरुवि, याकूब राजगढ़िया, यूसुफ महबूब भाटी, असगर अली, सलीम मिस्त्री, शौकत चौहान, मुबारक भाटी, गुलाम हुसैन गौरी, अकरम मंडावरिया, सोयल खान डीके, सलीम पि ए, सिराज खान जोइया, काज़ी अब्बास, हारून मलनस, जाफर नूरवाला आदि मौजूद रहे।

सांचौर में मेडिकल गोदाम व कॉस्मेटिक दुकान में लगी आग, 3 साल में आठवीं घटना

-आग बुझाने के पुख्ता इंतजाम नहीं, पालिका के साथ पुलिस की जांच भी सवालों के घेरे में

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर शहर में आगजनी की घटनाएं रुकने का नाम नहीं ले रही है शुक्रवार देर रात 2:00 बजे चौधरी धर्मशाला के प्रथम मंजिल पर बने गोदाम व तीन बजे सब्जी मंडी के पास स्थित कोस्टमैट्रिक में आग लगने से अंदर रखा सामान जलकर राख हो गया। हर बार आज दुकानों की बजाय गोदाम में ही लगने से कई सवाल खड़े हो रहे हैं। बीते 3 वर्षों के आंकड़ों पर नजर डालें तो शहर में आगजनी की 8 से ज्यादा ही घटना घटित हुई है इतना ही नहीं मई माह में 15 दिनों में आग लगने की दो बड़ी घटनाएं हो गई है लेकिन नगर पालिका व प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम की बजाय समय बीतने के साथ ही साथ घटना को भुला देते हैं। पुलिस भी मामले की तरह में गए बिना ही कार्रवाई को ठंडा बस्ती में डालकर जांच की औपचारिकता पूरी कर लेती हैं ऐसे में हाल दिया यहां बनते हैं की निरंतर अंतराल में आग लगने का सिलसिला जारी रहता है जिससे शहर की सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ व्यापारिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा भी भगवान भरोसे हैं। शहर में आग लगने की घटनाएं गोदाम में ही होती हैं ऐसे में शहर के भीड़ भाड़ वाले इलाकों में बार-बार आग लगने की घटना बड़ी वारदात की ओर संकेत कर रही है। शहर में आगजनी की वारदात के बाद व्यापारियों को लाखों का नुकसान होने के बाद भी पुलिस थाने में भी एफआईआर दर्ज होती हैं लेकिन आग लगने के असली कारणों, आसपास के सीसीटीवी फुटेज की रिकॉर्डिंग से जांच कर पड़ताल करना वह वारदात के बिना तह में गए मामला फाइलों में दफन हो जाता है। मेडिकल के गोदाम व कॉस्मेटिक दुकान में आग की घटना ने नगर पालिका व प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं शनिवार तड़के दो वह 3:00 बजे भीषण आग से गोदाम व दुकान में रखा सामान जलकर राख हो गया। हर बार आगजनी की वजह शॉर्ट सर्किट बाताकर मामले को रफा दफा कर दिया जाता है ना कोई तकनीकी जांच होती है ना सुरक्षा ऑडिट ना व्यापारियों की ओर से आग से बचाव के इंतजाम किए जाते हैं और नहीं नगर परिषद की ओर से कोई स्थाई उपाय अपनाया जाता है यह स्थिति प्रशासन की गंभीर लापरवाही को उजागर करती हैं।

गीतांजली डेंटल कॉलेज में गूंजा "नशामुक्त भारत" का संदेश

उदयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार के "नशामुक्त भारत, खुशहाल भारत अभियान" के अंतर्गत जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग, गीतांजलि डेंटल एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, उदयपुर द्वारा 27 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2025 तक विविध जनजागरण कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में नशामुक्ति के प्रति जागरूकता लाना एवं एक स्वस्थ और खुशहाल समाज की दिशा में कदम बढ़ाना रहा। अभियान के तहत सभी स्नातक एवं स्नातकोत्तर विद्यार्थियों ने "नशा न करने और दूसरों को भी न करने देने" की शपथ ली। कॉलेज परिसर में नशा विरोधी शैक्षणिक पोस्टरों का प्रदर्शन किया गया जिससे छात्रों में जागरूकता का संचार हुआ। साथ ही कॉलेज परिसर में एक मौन रैली का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों ने प्लेकार्ड्स और संदेशों के माध्यम से नशामुक्त जीवन का संदेश दिया। इसके अतिरिक्त विशेषज्ञों द्वारा नशे के दुष्प्रभावों एवं नशा छोड़ने के उपायों पर शैक्षणिक व्याख्यान आयोजित किए गए, जिनसे विद्यार्थियों को सही दिशा में सोचने की प्रेरणा मिली। जन स्वास्थ्य दंत चिकित्सा विभाग के इस प्रयास की सभी स्तरों पर सराहना की गई। संस्थान के प्राचार्य, डॉ. बालाजी मनोहर ने विद्यार्थियों को नशामुक्त समाज निर्माण में सक्रिय भागीदारी निभाने के लिए प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की गतिविधियों में डॉ. मृदुला टाक, डॉ. सौरभ सिंह, डॉ. श्रुति शर्मा, डॉ. तरुण माली एवं नितिन गोस्वामी ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

सादगी व शरीयत के साथ मस्जिद बारां भाईयान में हुआ निकाह

-पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान के बेटे जुबेर का निकाह सम्पन्न

बारां (रॉयल पत्रिका)। शहर के प्रमुख शटर व्यवसाई व होटल लजीज के प्रोपराइटर पूर्व ईदगाह सदर साजिद खान के बेटे जुबेर खान का निकाह शुक्रवार 31 अक्टूबर 2025 को बाद नमाज जुमा मस्जिद बारां भाईयान में असमा खान बेटी मोहम्मद अशरफ के साथ शरीयत के हिसाब से सम्पन्न हुआ। निकाह की इस महफिल में दुल्हन पक्ष से किसी भी तरह का दहेज नहीं लिया गया। न ही लड़की वालों के घर खाने की कोई दावत कुबूल की। समाज में फैली कुरीतियों एवं दहेज प्रथा के खिलाफ ये निकाह बिल्कुल सादगी से सम्पन्न हुआ। निकाह मुफ्ती मोहम्मद उमर मजाहिरी साहब ने पढ़ाया। निकाह शहर के सभी उलेमा ए इकराम की निगरानी में हुआ। निकाह के बाद दूल्हे पक्ष द्वारा दुल्हन को नकद मेहर अदा किया गया। जिसकी चर्चा मजलिस में खूब हुई। इस निकाह के जरिए समाज में संदेश दिया गया कि मेहर लड़की का हक हे जिसे समय पर अदा करना चाहिए। निकाह के बाद दूल्हे पक्ष द्वारा सभी को छुंवारे तकसीम किए गए। निकाह की मजलिस में दूल्हे के चाचा अब्दुल अलीम उर्फ भाई राजा सहित बारां शहर के कई मुअज्जिज लोगों, रिश्तेदारों ओर आमजन ने शिरकत की। निकाह के बाद दुल्हन को सादगी के साथ घर से विदा किया गया।

मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी के विद्यार्थियों ने राष्ट्रीय एकता दिवस पर ली सामूहिक एकता की शपथ

जोधपुर (रॉयल पत्रिका)। स्वतंत्र भारत के पहले उप-प्रधानमंत्री रहे सरदार वल्लभ भाई पटेल के जन्मदिवस को पूरे देश में 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के रूप में मनाया जाता है। इसी उपलक्ष में शुक्रवार को मौलाना आज़ाद यूनिवर्सिटी परिसर में छात्र-छात्राओं ने सामूहिक एकता की शपथ ली। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी प्रेसिडेंट डॉ. जमील काज़मी ने कहा कि सरदार वल्लभ भाई पटेल भारत के एक स्वतंत्रता सेनानी, अधिवक्ता तथा राजनेता थे। उन्हें लोग सरदार पटेल के नाम जानते हैं। 'सरदार' का अर्थ है 'प्रमुख'। वे बहुत दूरदर्शी व्यक्तित्व के थे। राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए उन्होंने देश को एक राष्ट्र के रूप में जोड़ने के लिए कई महत्वपूर्ण कार्य किये।

यूनिवर्सिटी डीन अकेडमिक्स डॉ. इमरान खान पठान ने कहा कि वे देश के एक वरिष्ठ नेता थे जिन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अग्रणी भूमिका निभाई। शपथ समारोह में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. मरजीना, डॉ. लक्ष्मण राम बाला, डॉ. अब्दुल्लाह खालिद सहित कई स्टाफ एवं छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

सांचौर बागोड़ा भारतमाला एक्सप्रेस वे टॉयल बेस पर शुरू

-विभाग ने हटाए अवरोधक, शहरवासियों ने जताई खुशी

सांचौर (रॉयल पत्रिका)। सांचौर क्षेत्र से गुजरने वाले भारतमाला एक्सप्रेसवे को रविवार को विभाग की ओर से टॉयल बेस पर यातायात के लिए खोल दिया गया। इस दौरान विभाग के अधिकारियों की मौजूदगी में प्रतापपुर व लाचारी टोल नको पर रखेंगे अवरोध पत्थर व मिट्टी को जेसीबी मशीन से हटाया गया जिससे वाहनों की आवाज आई शुरू हो गई है विभागीय अधिकारियों ने बताया कि ट्रैफिक व्यवस्था के साथ-साथ सुरक्षा मापदंडों से जुड़े अधूरे कार्यों को भी जल्द पूरा किया जाएगा। वही प्रारंभिक चरण में एंबुलेंस व्यवस्था को वैकल्पिक रूप से तैनात किया गया है ताकि किसी भी हादसे की स्थिति में घायलों को तुरंत सहायता मिल सके। अधिकारियों ने यह भी बताया कि एक्सप्रेस वे चालू होने से सांचौर शहर के एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान ट्रैफिक व्यवस्था में काफी आसानी मिलेगी ट्रैफिक दबाव में कमी आने की उम्मीद है इससे सांचौर शहर में जाम की समस्या जो हो रही है बार-बार उसे जरूर कुछ राहत मिलेगी स्थानीय नागरिकों ने सांचौर बागोड़ा एक्सप्रेसवे को ट्रायल पर खोलने के लिए लिए गए निर्णय का स्वागत किया। और कहां की यह कदम क्षेत्र के विकास एवं आगमन को सुगम बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण साबित होगा। लंबे समय से बंद पड़ा था सांचौर से बागोड़ा एक्सप्रेस में जो की 80 किलोमीटर का क्षेत्र लंबे समय बंद था जबकि सांचौर से था रात तक का एक्सप्रेस वे चालू होने के बावजूद 80 कमी का यह सफर बंद होने से विभाग की भूमिका सवालों के घेरे में थी वहीं अवैध रूप से ट्रैफिक संचालन के दौरान हुए हादसों को लेकर विभाग की भूमिका पर सवाल उठने के साथ-साथ लोगों ने विभाग के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग कर रहे थे। वहीं दूसरी और एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान हो रहे ट्रैफिक दबाव के दौरान एक्सप्रेसवे को लोग खोलने की मांग कर रहे थे जिसको लेकर विभागीय अधिकारी ने सांचौर बागोड़ा भारत माला एक्सप्रेसवे को आज खोल दिया है आए दिन हादसों में लोगों की मृत्यु होने से अधिकारियों की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में रही सांचौर शहर में एलिवेटेड पुल निर्माण के दौरान अत्यधिक ट्रैफिक की वजह से बार-बार शहरवासियों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है जिसको लेकर विभागीय अधिकारियों ने समस्त कार्य संपूर्ण कर भारतमाला एक्सप्रेसवे शुरू कर दिया है जिसको लेकर व्यापारियों व शहर वासियों ने स्वागत किया।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/9799559096

खबर संक्षेप

एसबीआई ने कर्मचारी के लिए 'एसबीआई स्टार' किया शुरू

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने वार्षिक कर्मचारी उत्कृष्टता पुरस्कार 'एसबीआई स्टार' (कर्मचारी प्रतिभा स्वीकृति एवं मान्यता) की शुरुआत की है। यह पुरस्कार पेशेवर क्षेत्रों से इतर कर्मचारियों की उत्कृष्टता को मान्यता देने के लिए एक सुव्यवस्थित ढांचा है।

एनएसई का आईपीओ जल्द ही पेश होगाः सेबी

मुंबई। पूंजी बाजार नियामक सेबी के चेयरमैन तुहिन कांत पांडेय ने शुक्रवार को कहा कि लंबे समय से लंबित एनएसई का आईपीओ जल्द ही आएगा। पांडेय ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि उनकी पूर्ववर्ती माधवी पुरी बुच के जाने के बाद सेबी ने हितों के टकराव के खुलासे से संबंधित एक व्यवस्था बनाने के लिए एक समिति का गठन किया था।

बैंक ऑफ बडौदा के लाभ में आठ फीसदी गिरावट

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) का चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शुद्ध लाभ आठ प्रतिशत घटकर 4,809 करोड़ रुपये रह गया। कंपनी ने शेयर बाजार को जुलाई-सितंबर तिमाही के इस वित्तीय नतीजे की जानकारी दी। बीओबी ने पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 5,238 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था।

सितंबर में चाय का उत्पादन 5.9% घटा

कोलकाता। सितंबर, 2025 के दौरान चाय का उत्पादन 5.9 प्रतिशत घटकर 15.99 करोड़ किलोग्राम रह गया है। पिछले साल समान अवधि में यह 16.99 करोड़ किलोग्राम था। सितंबर, 2025 के दौरान असम में चाय उत्पादन 9.47 करोड़ किलोग्राम पर लगभग स्थिर रहा, जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 9.40 करोड़ किलोग्राम था।

ओयो ने बोनस इश्यू के लिए आवेदन की सीमा बढ़ाई

नई दिल्ली। यात्रा प्रौद्योगिकी मंच ओयो ने अपने गैर-सूचीबद्ध इक्विटी शेयरधारकों के लिए संभावित आईपीओ से संबंधित बोनस शेयर जारी करने के आवेदन की अंतिम तिथि एक नवंबर से बढ़ाकर सात नवंबर कर दी है। उसने निवेशकों को उनके लिए उपयुक्त बोनस विकल्प चुनने के लिए पर्याप्त समय देने का निर्णय लिया है।

बीते सप्ताह सरसों, सोया व पामोलीन तेल में रही गिरवट

नई दिल्ली। बीते सप्ताह देश के तेल-तिलहन बाजारों में महंगे दाम पर लिवाली प्रभावित होने से सरसों तेल-तिलहन, लागत से कम दाम पर बिकवाली से सोयाबीन तेल, मलेशिया में बाजार टूटने से पाम एवं पामोलीन तेल कीमतों में गिरावट देखी गई। दूसरी ओर, कम हाजिर दाम पर किसानों की बिकवाली घटने से सोयाबीन तिलहन, उत्पादक राज्यों में बरसात के मौसम के कारण आवक प्रभावित होने से मूंगफली तेल-तिलहन एवं बिनौला तेल कीमतों में सुधार आया।

जीएसटी कटौती से छोटी कारों की बिक्री में आई तेजी : मारुति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

- बदले हुए हालात में कुछ निर्माता कंपनियां अपने उत्पादों में संशोधन कर रही

अग्रणी वाहन विनिर्माता मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती से छोटी कारों की मांग में आई तेजी दर्शाती है कि भारतीय उपभोक्ताओं के अब छोटी कारों की जगह बड़े आकार वाले वाहनों को प्राथमिकता देने की धारणा बदल रही है।

भार्गव ने कहा कि बदले हुए हालात में कुछ कार विनिर्माता कंपनियां अपने उत्पादों की पेशकश में संशोधन कर सकती हैं। भार्गव ने कंपनी के तिमाही नतीजों पर चर्चा के दौरान कहा कि मारुति सुजुकी अपनी पांचवें विनिर्माण संयंत्र की स्थापना का फैसला करने के करीब है और अगले कुछ महीनों में इसकी घोषणा की जा सकती है।

अब उपभोक्ताओं की बड़े वाहनों को प्राथमिकता देने की धारणा बदल रही

1200 सीसी से कम इंजन क्षमता पर 28 फीसदी जीएसटी

जीएसटी दरों में संशोधन के बाद 1,200 सीसी से कम इंजन क्षमता और 4,000 मिमी तक लंबाई वाले पेट्रोल, एलपीजी एवं सीएनजी वाहनों पर जीएसटी कर की दर 28 प्रतिशत एवं उपकर से घटाकर 18 प्रतिशत कर दी गई है। भार्गव ने अक्टूबर महीने के बिक्री प्रदर्शन का हवाला देते हुए कहा, /"इस दौरान "18 प्रतिशत जीएसटी" वाली श्रेणी में हमारी खुदरा बिक्री में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

बड़ी कारों की बिक्री में पांच फीसदी की वृद्धि : बड़ी कारों की बिक्री में भी लगभग चार-पांच प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर हमने खुदरा बिक्री में 20 प्रतिशत की वृद्धि देखी है। उन्होंने कहा कि इससे यह धारणा गलत साबित हुई है कि कारों को लेकर सभी भारतीयों की आकांक्षाएं बदल गई हैं और कोई भी छोटी कार नहीं खरीदना चाहता है।

त्योहारों पर खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर रही

जीएसटी दरों में कमी के समग्र वाहन बिक्री पर पड़े प्रभावों पर उन्होंने कहा कि मारुति सुजुकी 2030-31 के लिए अपने उत्पादन और बिक्री अनुमान में संशोधन करने पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा, /"त्योहारों के दौरान हमारी खुदरा बिक्री रिकॉर्ड स्तर पर रही, जिसमें छोटी कारों की बिक्री का प्रमुख योगदान रहा। बड़ी कारें भी बिक रही हैं, लेकिन उतनी ज्यादा नहीं।/"

अब भी लोग छोटी कारें खरीदना चाह रहे

भार्गव ने कहा कि अब भी बहुत से लोग छोटी कारें खरीदना चाहते हैं ताकि वे बेहतर निजी आवागमन का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा, "मारुति में लगभग 70 प्रतिशत उत्पादन '18 प्रतिशत जीएसटी' श्रेणी में होता है। अब हमें उत्पादों के मिश्रण में बदलाव देखने को मिलेगा।" भार्गव ने कहा कि इस श्रेणी के वाहनों की खुदरा बिक्री 40 प्रतिशत जीएसटी वाले वाहनों की तुलना में अधिक तेजी से बढ़ेगी।

- भारत ने जनवरी से सितंबर में 12 .24 करोड़ टन कच्चे इस्तात का उत्पादन किया
- इस्पात मंत्रालय ने 100 से ज्यादा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश जारी किए हैं

चीन ने जनवरी-सितंबर अवधि में 74.63 करोड़ टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया

विनिर्माताओं की मांग, इस्पात आयात रोकने के लिए और उपाय करे सरकार

चीन का यह उत्पादन भारत के घरेलू उत्पादन से छह गुना से अधिक है

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इस्पात विनिर्माताओं ने सरकार से चीन सहित चुनिंदा देशों से बढ़ते आयात पर लगाम लगाने के लिए और कदम उठाने का आग्रह किया है। चीन ने जनवरी-सितंबर की अवधि में 74.63 करोड़ टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया है, जो घरेलू उत्पादन का छह गुना से भी अधिक है।

वैश्विक निकाय विश्व इस्पात संघ (वर्ल्डस्टील) के अनुसार, भारत ने जनवरी-सितंबर में 12.24 करोड़ टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया है। जबकि अकेले सितंबर में चीन ने 7.35 करोड़ टन कच्चे इस्पात का उत्पादन किया है, जो घरेलू उत्पादन 1.36 करोड़ टन का पांच गुना है।

भारत 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग तक नहीं पहुंच पा रहा

बाजार के आंकड़ों के अनुसार, स्टेनलेस स्टील भी 75 लाख टन की कुल स्थापित क्षमता के 100 प्रतिशत क्षमता उपयोग तक नहीं पहुंच पा रहा है। आयात के प्रभाव के कारण यह केवल 60 प्रतिशत के आसपास बना हुआ है। सरकार ने घरेलू इस्पात उद्योग की प्रतिस्पर्धात्मकता की रक्षा के लिए आयात पर अंकुश लगाने के कई उपाय किए हैं।

स्टेनलेस स्टील ने भी आयात की जांच के लिए की मांग

मार्च में, वाणिज्य मंत्रालय की जांच इकाई व्यापार उपचार महानिदेशालय (डीजीटीआर) ने घरेलू उत्पादकों को आयात में वृद्धि से बचाने के उद्देश्य से कुछ इस्पात उत्पादों पर 200 दिन के लिए 12 प्रतिशत अस्थायी रक्षोपाय (सेफगार्ड) शुल्क लगाने की सिफारिश की थी। इसके बाद स्टेनलेस स्टील उद्योग ने भी स्टेनलेस स्टील के आयात की जांच के लिए सरकार से संपर्क किया क्योंकि रक्षोपाय शुल्क उनकी चिंताओं को दूर नहीं करता था।

जून में जारी क्यूसीओ ने लगाया था कुछ प्रतिबंध

पिछले कुछ वर्षों में, इस्पात मंत्रालय ने 100 से ज्यादा गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओ) जारी किए हैं, जो भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) का अनुपालन नहीं करने वाले इस्पात उत्पादों को भारतीय बाजार में प्रवेश से रोकते हैं।इस साल जून में जारी क्यूसीओ ने कुछ इस्पात उत्पादों के इनपुट के आयात पर भी प्रतिबंध लगा दिया था।

देश लगातार छह माह शुद्ध आयातक रहा

देश लगातार छठे महीने शुद्ध इस्पात आयातक बना रहा। दक्षिण कोरिया, रूस और इंडोनेशिया से आयात बढ़ा, जबकि चीन, जापान, वियतनाम, थाइलैंड और ताइवान की हिस्सेदारी में सितंबर, 2024 की तुलना में गिरावट आई।

क्यूसीओ की वैधता बढ़ाई जाए : *घटिया और सस्ती सामग्री को देश में आने से रोकने के लिए क्यूसीओ की वैधता बढ़ाई जा सकती है।' दोनों ही घरेलू उद्योगों की सुरक्षा के लिए इसी तरह के और भी उपाय कर सकती है, जो सरकार की आत्मनिर्भर भारत पहल के अनुरूप भविष्य की मांग को पूरा करने के लिए क्षमता बढ़ाने को करोड़ों रुपये का निवेश करने की योजना बना रहे हैं।*

कम आयात कीमतों के कारण

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने इस्पात आयात में वृद्धि की ओर इशारा किया है, जो मुख्यतः कम आयात कीमतों के कारण है। इसने घरेलू इस्पात उत्पादन की प्रतिस्पर्धात्मकता को बढ़ावा देने के लिए नीतिगत समर्थन का भी आह्वान किया है। इस साल सितंबर में, भारत ने 7.9 लाख टन तैयार इस्पात का आयात किया, जो अगस्त के 6.9 लाख टन से अधिक है।

घरेलू इस्पात की कीमतें पांच साल के निचले स्तर पर आई

एक सूत्र ने बताया कि नीति आयोग की एक उच्चस्तरीय समिति अगले सप्ताह आयात के मुद्दे पर इस्पात उद्योग के दिग्गजों से मुलाकात कर सकती है।'बिगमिंट' के आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में घरेलू इस्पात की कीमतें पांच साल के निचले स्तर पर आ गईं, जिसके लिए बढ़ते आयात सहित कई कारक जिम्मेदार थे।

उद्योगों को बैंक ऋण की वृद्धि दर सितंबर में घटी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

- आरबीआई के आंकड़ों के अनुसार घटकर यह 7.3 प्रतिशत रही
- पिछले साल इसी अवधि में यह 8 .9 प्रतिशत रही थी

सितंबर में उद्योगों को दिए जाने वाले बैंक ऋण की वृद्धि घटकर 7.3 प्रतिशत रह गई, जो पिछले साल इसी अवधि में 8.9 प्रतिशत थी। आरबीआई के जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई। आरबीआई ने कहा कि सालाना आधार पर 19 सितंबर, 2025 को समाप्त पखवाड़े तक गैर-खाद्य बैंक ऋण में 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि पिछले साल के इसी पखवाड़े (20 सितंबर, 2024) के दौरान यह 13 प्रतिशत थी। केंद्रीय बैंक ने सितंबर के लिए बैंक ऋण के क्षेत्रीय आवंटन पर आंकड़े जारी किए हैं, जो 41 चुनिंदा वाणिज्यिक बैंकों से जमा किए हैं। ये ऋण सभी बैंकों के कुल गैर-खाद्य ऋण का लगभग 95 प्रतिशत हैं। 'उद्योगों को दिए गए ऋण में पिछले साल के इसी पखवाड़े में 8.9 प्रतिशत की तुलना में 7.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।'

सेवा क्षेत्र में वृद्धि 10.2 प्रतिशत रही

आंकड़ों से पता चला कि सेवा क्षेत्र को दिए गए अग्रिमों में सालाना आधार पर 10.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) को दिए जाने वाले ऋण में वृद्धि धीमी रही। दूसरी ओर पर्यटन, होटल और रेस्तरां, कंप्यूटर सॉफ्टवेयर और वाणिज्यिक अचल संपत्ति जैसे क्षेत्रों में अच्छी वृद्धि देखी गई।

बिजनेस साइट

इट्सा हॉस्पिटल : डॉ. अभिजीत कोहाट की पहल मूवमेंट डिसऑर्डर के मरीजों को मिल रही नई राहत

रायपुर। शरीर की हर हरकत मस्तिष्क और नर्वस सिस्टम के तालमेल पर निर्भर करती है। जब यह तालमेल बिगड़ जाता है, तो व्यक्ति के शरीर में अनियंत्रित कंपकंपी, मांसपेशियों का खिंचाव या बार-बार मुड़ने जैसी परेशानी उत्पन्न होती है। ऐसी स्थितियों को मूवमेंट डिसऑर्डर कहा जाता है। इनमें डिस्टोनिया, हेमीफेशियल स्पैज़्म, ब्लेफेरोस्पैज़्म और स्ट्रोक के बाद की स्पैस्टिसिटी प्रमुख हैं। मरीजों को रोज़मर्रा के कार्यों में कठिनाई, दर्द और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ता है। इट्सा हॉस्पिटल, रायपुर के वरिष्ठ न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अभिजीत कोहाट ने मूवमेंट डिसऑर्डर से पीड़ित लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने की पहल की है। उन्होंने बताया कि चेहरे की

- सिंगापुर से प्रशिक्षित न्यूरोलॉजिस्ट डॉ. अभिजीत कोहाट के निर्देशन में सैकड़ों मरीजों को लाभ

अनियंत्रित फड़कन यानी हेमीफेशियल स्पैज़्म जैसी स्थिति का अब प्रभावी इलाज संभव है। यह समस्या आमतौर पर किसी नस पर दबाव या उत्तेजना के कारण होती है, जिससे चेहरे के एक हिस्से की मांसपेशियाँ बार-बार सिकुड़ने या फड़कने लगती हैं। इस समस्या का सबसे सुरक्षित और प्रभावी उपचार बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन (बोटॉक्स) है, जो मांसपेशियों को रिलैक्स कर असुविधा को काफी हद तक कम करता है। डॉ. अभिजीत कोहाट ने बताया कि इट्सा हॉस्पिटल, रायपुर में मूवमेंट डिसऑर्डर और बोटुलिनम टॉक्सिन थेरेपी के लिए अत्याधुनिक सुविधाएँ उपलब्ध हैं। उन्होंने नेशनल न्यूरोसाइंस इंस्टीट्यूट, सिंगापुर से बोटुलिनम टॉक्सिन इंजेक्शन और मूवमेंट डिसऑर्डर में विशेष प्रशिक्षण प्राप्त किया है। उनके निर्देशन में सैकड़ों मरीजों को डिस्टोनिया, हेमीफेशियल स्पैज़्म, ब्लेफेरोस्पैज़्म और पोस्ट-स्ट्रोक स्पैस्टिसिटी जैसी समस्याओं से दीर्घकालिक राहत मिली है।

बालको : छत्तीसगढ़ के औद्योगिक और सामाजिक विकास की मजबूत पहचान

रायपुर। भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको), जो वेदांता समूह की इकाई है, ने राष्ट्र और राज्य के सतत विकास में अपनी अहम भूमिका को एक बार फिर साबित किया है। 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' के विज़न को साकार करने की दिशा में कंपनी लगातार छत्तीसगढ़ की औद्योगिक शक्ति और सामाजिक प्रगति में योगदान दे रही है। राज्य की रजत जयंती समारोह में बालको ने अपने विशेष पैवेलियन के माध्यम से एल्यूमिनियम निर्माण प्रक्रिया के साथ-साथ नंदघर, बालको मेडिकल सेंटर, बालको अस्पताल और विभिन्न सामुदायिक विकास परियोजनाओं को प्रदर्शित किया। इन पहलों ने न केवल कंपनी की औद्योगिक क्षमता को उजागर किया, बल्कि समाज के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को भी दर्शाया। साठ वर्षों की अपनी गौरवशाली यात्रा में बालको ने उद्योग जगत में उत्कृष्टता का नया मानक स्थापित किया है। कंपनी ने अपने आस-पास के 125 से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वावलंबन और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में कार्य करते हुए लगभग 2 लाख से अधिक लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया है। बालको के प्रबंधन का कहना है कि सतत विकास के इस मिशन में सरकार, समाज और समुदायों की साझेदारी बेहद महत्वपूर्ण है। इसी सहयोग से कंपनी एक आत्मनिर्भर, सशक्त और प्रगतिशील भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। बालको का यह सतत प्रयास न केवल छत्तीसगढ़ की औद्योगिक पहचान को सुदृढ़ कर रहा है, बल्कि यह आने वाले वर्षों में राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा तय करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

टीटागढ़ रेल को 2,481 करोड़ रुपए का मिला बड़ा ऑर्डर ...

कोलकाता। रेलवे इंजीनियरिंग एवं विनिर्माण कंपनी टीटागढ़ रेल सिस्टम्स लिमिटेड (टीआरएसएल) ने कहा कि उसे मुंबई मेट्रो लाइन-5 के लिए 2,481 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। टीआरएसएल को मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) से यह ऑर्डर 132 मेट्रो कोच और संबंधित प्रणालियों के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति और चालू करने के लिए है। टीआरएसएल ने एक बयान में कहा कि इस अनुबंध में 24.9 किलोमीटर लंबी पटरी के लिए सिग्नलिंग, 16 स्टेशनों पर दूरसंचार प्रणालियां, मंच स्क्रीन डोर, डिपो मशीनरी और पांच साल का व्यापक रखरखाव भी शामिल है। यह परियोजना लाइन-5 कॉरिडोर के पहले चरण (कपूर बावड़ी-काशेली-धामनकर नाका) और दूसरे चरण (धामनकर नाका-भिवंडी-कल्याण एपीएमसी) दोनों को कवर करती है।

मूडीज ने रिलायंस इंडस्ट्रीज की बीएए2 रेटिंग बरकरार रखी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) की दीर्घकालिक जारीकर्ता और विदेशी मुद्रा में वरिष्ठ असुरक्षित ऋण रेटिंग को 'बीएए2'' पर बरकरार रखने के साथ कंपनी पर अपना 'स्थिर'' परिदृश्य भी बनाए रखा। मूडीज रेटिंग्स के वरिष्ठ उपाध्यक्ष कौस्तुभ चौबल ने कहा, 'आरआईएल की बीएए2 रेटिंग की पुष्टि कंपनी की मजबूत साख को दर्शाती है। इसमें इसके बड़े पैमाने पर संचालन और तेल से लेकर रसायन, अपतटीय तेल और गैस, डिजिटल सेवाओं और संगठित खुदरा क्षेत्र में अग्रणी बाजार स्थिति शामिल है।'मूडीज ने कहा कि उच्च पूंजीगत व्यय के बावजूद आरआईएल के मजबूत वित्तीय मानक, ठोस नकदी और विवेकपूर्ण वित्तीय नीतियां इसके लचीलेपन को मजबूत करती हैं।

रॉयल एनफील्ड की बिक्री में 13 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। प्रीमियम मोटरसाइकिल बनाने वाली कंपनी रॉयल एनफील्ड की कुल बिक्री अक्टूबर में 13 प्रतिशत बढ़कर 1,24,951 इकाई हो गई। कंपनी ने पिछले साल इसी महीने में 1,10,574 इकाई बेची थीं। रॉयल एनफील्ड ने रविवार को बयान में कहा कि घरेलू बिक्री इस अक्टूबर में बढ़कर 1,16,844 इकाई हो गई, अक्टूबर, 2024 में कंपनी ने घरेलू बाजार में 101,886 इकाई बेची थीं। कंपनी ने कहा कि हालांकि, अक्टूबर, 2025 में उसका निर्यात सात प्रतिशत घटकर 8,107 इकाई रह गया, जो पिछले साल इसी इसी अवधि में 8,688 इकाई था। आयशर मोटर्स लिमिटेड के प्रबंध निदेशक और रॉयल एनफील्ड के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बी गोविंदराजन ने कहा कि त्योहारी उत्साह के कारण देश भर से ग्राहकों की ओर से जबर्दस्त प्रतिक्रिया मिली।

एसबीआई व बॉब सहित देश के सभी बैंकों के डोमेन नेम बदले

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

31 अक्टूबर 2025 से हमारी बैंकिंग प्रणाली में बहुत बड़ा बदलाव हो गया है। यह बदलाव साइबर अपराधों से लेकर ऑनलाइन ठगी को रोकने में बहुत महत्वपूर्ण साबित होगा। आज से भारतीय बैंकिंग की नई पहचान आ गई है। आपको ऐसा कोई चेंज सामने से नजर नहीं आ रहा होगा। आएगा भी नहीं क्योंकि आप और हम तो बैंक के ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं। दरअसल चेंज हुआ है बैंक और वित्तीय संस्थानों की वेबसाइट में। बैंक की वेबसाइट अब डॉट काम या डॉट इन नहीं रह गई हैं। आरबीआई ने सभी को डोमेन बदलने कहा था।

डुप्लिकेट बनाना आसान है : *अब बताते कि बैंक डॉट इन या फिन डॉट इन का क्या फायदा होगा. डॉट कॉम ग्लोबल लेवल पर और डॉट इन इंडिया के लेवल पर बहुत कॉमन हो चला है। हर वेबसाइट के पीछे यही लिखा होता है। इसकी वजह से इसका डुप्लिकेट बनाना कोई बड़ी बात नहीं। कितने ही केस हैं जहां एसबीआई डॉट इन के ऊपर एक नकली परत चढ़ाकर ठगी की गई। अब क्योंकि इनको नई पहचान मिल गई है तो उम्मीद है इस पर लगाम लगेगी।*

डॉट वेटसाइट का पता बताता है

डोमेन को वेबसाइट तक जाने का दरवाजा समझ लीजिए। एक डोमेन के दो भाग होते हैं। इसमें एक होता है टॉप-लेवल डोमेन (टीएलडी)। कुछ सामान्य टीएलडी उदाहरण हैं- डॉटकाम (कॉमर्शियल), डॉटओआरजी (संगठन), डॉट नेट(नेटवर्क), डॉट गवर्न (सरकार), डॉट ईडीयू (शिक्षा), डॉट यह वेबसाइट के प्रकार का पता बताता है। दूसरा होता है- सेकंड-लेवल डोमेन (एसएलडी) यह टॉप-लेवल डोमेन के नीचे आता है और वेबसाइट का स्पेशल नाम होता है।

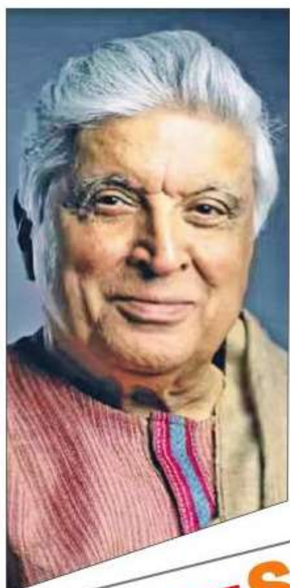

जावेद अख्तर को मिलेगा शिक्षा अनुसंधान साहित्य सम्मान

मुंबई। पटकथा लेखक और गीतकार जावेद अख्तर को भारतीय सिनेमा और साहित्य में योगदान के लिए साल 2025 का शिक्षा 'ओ' अनुसंधान साहित्य सम्मान मिलने वाला है। 29 नवंबर को यह सम्मान उन्हें दिया जाएगा। 29 नवंबर को शिक्षा 'ओ' अनुसंधान साहित्य सम्मान जावेद अख्तर को दो दिवसीय साहित्य महोत्सव के उद्घाटन पर दिया जाएगा। इस पुरस्कार में 7 लाख रुपये की नकद राशि, एक प्रशस्ति पत्र, देवी सरस्वती की एक रजत प्रतिमा और एक शॉल भी बॉलीवुड के नामी गीतकार को प्रदान की जाएगी। दो दिवसीय शिक्षा 'ओ' अनुसंधान साहित्य महोत्सव की निदेशक गायत्रीबाला पांडा ने सम्मान से जुड़ी जानकारी साझा की।

लाइफ Style

कियारा

ट्रेजेडी क्वीन की भूमिका निभाती आएंगी नजर

एजेंसी ▸▸ मुंबई

कियारा आडवाणी को मां बने 3.5 महीने हो चुके हैं। अपने मदरहुड को एंजॉय करते हुए एक्ट्रेस ने अपनी एक बड़ी फिल्म साइन की है, जिसकी डील पक्की हो चुके हैं। इस फिल्म में कियारा एक बड़ा रोल प्ले करने वाली है, जो उनके फैंस के लिए एक बड़ा सरप्राइज होगा।

पिछले साल सिद्धार्थ पी मल्होत्रा ने 'कमाल और मीना' नाम की बायोपिक का ऐलान किया था। तभी से फैंस के बीच ये चर्चा थी कि आखिर इस फिल्म में मीना कुमारी का रोल कौन निभाएगा। लंबे समय तक इस रोल के लिए कई नाम सुर्खियों में आए। खासकर कृति सेनन और कियारा आडवाणी को लेकर लोगों के बीच कयास लगाए जा रहे थे, लेकिन तब किसी भी एक्ट्रेस का नाम सामने नहीं आया था। हर कोई ये जानना चाहता था कि इस जमाने की मीना कुमारी का रोल कौन प्ले कर सकती है। अब आखिरकार इस सवाल का जवाब मिल गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, कियारा आडवाणी को इस फिल्म में मीना कुमारी का रोल निभाने के लिए फाइनल कर लिया गया है। यानी कियारा अब पर्दे पर ट्रेजेडी क्वीन की भूमिका निभाती नजर आएंगी। रिपोर्ट में बताया गया कि कियारा में निर्देशक को वो खूबी दिखी है, जो मीना कुमारी के किरदार को जिंदा कर सकती है। उनके अंदर वो इमोशन्स की गहराई और विंटेज चार्म है, जो इस किरदार को खास बनाएगा. फैंस भी इस खबर से काफी खुश हैं। फिल्म से जुड़े एक सोर्स ने बताया, 'महीनों से इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही थी। अब जाकर सब कुछ तय हो गया है।

हॉलीवुड मसाला

350 ऑडिशन के बाद मिली थी फिल्म

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड अभिनेता जोश ब्रोलिन अपने दमदार अभिनय के लिए लोकप्रिय हैं। उन्होंने 'एवेंजर्स: एंडगेम', 'नो कंट्री फॉर ओल्ड मेन' और 'ड्यून: पार्ट टू' जैसी फिल्मों में काम किया है। जोश का कहना है कि स्टारडम के शिखर तक पहुंचने का उनका सफर बिल्कुल भी आसान नहीं था। ऑस्कर-नॉमिनेटेड एक्टर का कहना है कि डेब्यू फिल्म झोली में आने से पहले उन्होंने 350 ऑडिशन दिए थे। जोश ब्रोलिन ने साल 1985 की कल्ट क्लासिक फिल्म 'द गूनीज' से डेब्यू किया था। इससे पहले उन्हें करीब 350 ऑडिशन से गुजरना पड़ा। दिलचस्प बात यह है कि जोश के पिता जेम्स ब्रोलिन इंडस्ट्री के नामी अभिनेता, निर्देशक और निर्माता हैं।

वेक्ना और इलेवन के बीच होगी आखिरी लड़ाई

लॉस एंजिल्स। सीरीज 'स्ट्रेंजर थिंग्स 5' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है। इस सीरीज का फैंस को लंबे समय से इंतजार था। इस बार सीरीज में एक्शन, ड्रामा और डर का ट्रिपल डोज मिलने वाला है। ट्रेलर के साथ ही सीरीज की रिलीज डेट भी शेयर की गई है। ट्रेलर की शुरुआत पिछले सीजन की घटनाओं के बाद हॉकिन्स के क्वारंटाइन होने के बाद से होती है। साथ ही इलेवन भी खुद को बचाने की कोशिश कर रही है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, सभी लोग खूंखार वेक्ना के खिलाफ एकजुट हो जाते हैं। लेकिन, वेक्ना इस बार दोगुनी ताकत के साथ सामने है। ट्रेलर में आगे नैन्सी, जॉयस, माइक, डस्टिन और लुकास के किरदार नजर आते हैं। सीरीज के ट्रेलर में काफी एक्शन सीन्स हैं। सीरीज में नैन्सी का किरदार कहता है, 'वह (वेक्ना) हमारी दुनिया को खत्म करने की प्लानिंग में है।

डीसी के टीजर में दिखा जुनूनी आशिक

मुंबई। रजनीकांत की फिल्म 'कुली' के निर्देशक लोकेश कनगराज अब एक्टर बन चुके हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म 'डीसी' का टाइटल टीजर रिलीज हो चुका है। इसमें वामिका गब्बी उनके साथ नजर आ रही हैं। डायरेक्टर के तौर पर लोकेश कनगराज ने साउथ सिनेमा में कई हिट फिल्में बनाई हैं। कैथी, विक्रम और कुली जैसी फिल्मों में उन्होंने कार्थी, कमल हासन और रजनीकांत जैसे एक्टर के साथ काम किया। अब लोकेश एक्टिंग की दुनिया में एंट्री ले चुके हैं। अपकमिंग फिल्म डीसी का टाइटल टीजर सामने आया। इसमें लोकेश का अलग ही अंदाज दिखा। फिल्म डीसी के टाइटल टीजर में लोकेश की एंट्री दमदार तरीके से होती है, उनका किरदार खून से लथपथ नजर आता है। लोकेश ने एक्सप्रेशन भी इंटेंस दिए हैं। आगे टीजर में वामिका गब्बी दिखाई देती हैं।

जटाधरा का नया गाना शिव स्त्रोतम रिलीज

मुंबई। एक्टर सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा की मचअवेटेड फिल्म जटाधरा का नया गाना 'शिव स्त्रोतम' मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। 'शिव स्त्रोतम' में सुधीर बाबू का लुक काफी जबरदस्त है। उन्हें देखकर लगता है कि स्वयं भगवान अवतरित हो गए हों। फिल्म के गाने 'शिव स्त्रोतम' जबरदस्त के ग्राफिक्स को बहुत ही बेहतरीन तरह से पेश किया है। मेकर्स ने इस गाने को रिलीज करते हुए इंस्टाग्राम पर कैप्शन में लिखा, 'वह समय है। वह सत्य है। वह तूफान भी है और शांति भी यही है। शिवस्तोत्रम 'जटाधरा' से.' 'शिव स्त्रोतम' को आधुनिक बीट्स से मिलाकर नए अंदाज में पेश किया गया है, जिससे आज के युवा को कुछ नया देखने को मिले. 'शिव स्त्रोतम' सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। फैंस को गाना काफी पसंद आ रहा है।

टीवी मसाला

लाफ्टर शेफ्स 3 में इन सात जोड़ियों ने मारी एंट्री

नई दिल्ली। भारतीय टेलीविजन पर जबरदस्त हिट रहा कॉमेडी-कुकिंग रियलिटी शो 'लाफ्टर शेफ्स' अपने तीसरे सीजन के साथ वापसी के लिए पूरी तरह तैयार है। अपनी मजेदार किचन कुकिंग और मस्ती भरे सेलिब्रिटी मोमेंट्स के लिए मशहूर इस शो की मेजबानी हमेशा की तरह भारती सिंह करेंगी और जज शेफ हरपाल सिंह सोखी हैं। इसका नया प्रोमो आ चुका है और इसमें कंटेस्टेंट्स के साथ रिलीज डेट भी कंफर्म हो गई है। फैंस को हंसाने और और गुदगुदाने वाले दो सफल सीजन के बाद, 'लाफ्टर शेफ्स सीजन 3' को लेकर उत्साह पहले से कहीं ज्यादा बढ़ गया है। अपने दूसरे बच्चे के साथ प्रेग्नेंट होने के बावजूद भारती अपनी खास एनर्जी लेकर वापस आ गई हैं। शो का प्रोमो आते ही दिख गया कि इसमें कौन से कंटेस्टेंट्स होंगे। सबसे पहले तो कृष्णा अभिषेक और अली गोनी हवा में लटके हुए दिखते हैं। फिर एल्विश और करण की एंट्री होती है। समर्थ और अभिषेक भी इस सीजन में लौट चुके हैं। फिर जन्नत जुबैर आती हैं। इसके बाद विवियन डीसेना और गुरमीत चौधरी की डांस करते हुए एंट्री होती है। वहीं, तीन लड़कियां तेजस्वी, ईशा सिंह और ईशा मालवीय आती हैं। अंत में देबिना की भी झलक दिखाई देती है। फिर कश्मीरा शाह हरपाल सिंह के साथ बाइक पर बैठकर आती हैं। यह शो 'पति पत्नी और पंगा' की जगह लेगा और 22 नवंबर, 2025 को प्रीमियर होगा, जो हर वीकेंड रात 9 से 9:30 बजे कलर्स टीवी पर प्रसारित होगा। इसके एपिसोड जियो हॉटस्टार पर भी स्ट्रीम किए जाएंगे। तमिल हिट 'कुकू विद कोमाली' से प्रेरित यह शो खाना पकाने की चुनौतियों के साथ ह्यूमर के लिए जाना जाता है।

पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में दिखे जिमी और सिद्धार्थ

नई दिल्ली। जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ की अदाकारी वाली सीरीज 'ऑपरेशन सफेद सागर' का पहला लुक जारी कर दिया गया है। 2 नवंबर

को सेखों भारतीय वायुसेना मैराथन उद्घाटन के मौके पर मेकर्स ने फिल्म का पहला लुक जारी किया है। नेटफ्लिक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर 'ऑपरेशन सफेद सागर' का पहला लुक जारी किया है। वीडियो जारी करते हुए पोस्ट में लिखा 'इतिहास में दुनिया का सबसे बड़ा हवाई ऑपरेशन। सबसे बड़ा सम्मान। नेटफ्लिक्स पर जल्द आ रही है ऑपरेशन सफेद सागर सीरीज।' 'ऑपरेशन सफेद सागर' के पहले लुक में दिखाया गया है कि जिमी शेरगिल और सिद्धार्थ के साथ कई दूसरे एक्टर्स पाकिस्तान के खिलाफ एक्शन मोड में हैं। वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्त एक्शन लेते हैं।

किंग का टाइटल रिवील

शाहरुख का फर्स्ट लुक है खतरनाक

मुंबई। शाहरुख खान के जन्मदिन पर फैंस को एक बड़ा सरप्राइज मिला है। दरअसल, उनके बर्थडे पर निर्देशक सिद्धार्थ आनंद ने उनकी मच अवेटेड फिल्म 'किंग' का टाइटल रिवील वीडियो जारी किया। इस टीजर वीडियो में एसआरके का लुक दिखाया गया है और रिलीज डेट के बारे में भी हिंट दिया है। बता दें सिद्धार्थ आनंद और शाहरुख खान पहले 'पठान' जैसी ब्लॉकबस्टर में साथ काम कर चुके हैं। रेड चिलीज एंटरटेनमेंट और मार्फ्लिक्स पिक्चर्स के बैनर तले बनी फिल्म 'किंग' साल 2026 में रिलीज होगी। यह फिल्म दर्शकों को शाहरुख खान का ऐसा रूप दिखाने वाली है जैसा उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा। एक बार फिर रोमांस के बादशाह फुल एक्शन मोड में दिखेंगे, जैसा कि मेकर्स ने किंग टाइटल रिवील में साबित कर दिया है। यह फिल्म एक स्टाइलिश और जबरदस्त एक्शन एंटरटेनर है, जो स्टाइल, करिश्मा और थ्रिल को नए तरीके से पेश करेगी। सिद्धार्थ आनंद की यह अब तक की सबसे बड़ी और मसालेदार फिल्म मानी जा रही है, जो उनके एक्शन स्टोरीटेलिंग को एक नए लेवल पर ले जाएगी। किंग का टाइटल रिवील शाहरुख खान के बर्थडे पर रिलीज किया गया, जहां हम देखते हैं उस इंसान को जिसे सब किंग खान कहते हैं, अब वो उसी नाम के रोल में दिख रहे हैं और वो भी दमदार और जोश से भरे हुए अंदाज में।

बॉलीवुड के 'बैड बॉयज' का रियूनियन एक साथ आए सभी खूंखार खलनायक

नई दिल्ली। हिंदी सिनेमा में खलनायकों का भी एक दौर था, जिनकी झलक से भी दर्शकों की सांसें थम जाती थीं। इन्ही में रंजीत, रजा मुराद, किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर भी शामिल थे। भले ही ये अब सिल्वर स्क्रीन पर कम नजर आते हैं, लेकिन एक समय था, जब सिल्वर स्क्रीन पर इनका खूब बोल-बाला था। फिल्मों में इन खलनायकों का हीरो से भी ज्यादा दबदबा था। इसी बीच दर्शकों को पुराने दौर के विलेन की याद दिलाने के लिए अभिनेता रजा मुराद ने सोशल मीडिया पर कई तस्वीरें पोस्ट कीं। एक्टर ने इंस्टाग्राम पर जो तस्वीर पोस्ट की, उसमें रजा मुराद के साथ किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर भी नजर आ रहे है। अभिनेता ने पोस्ट कर मजाकिया अंदाज में कैप्शन लिखा, 'भारत के चार सबसे शरीफ, सीधे-सादे मासूम भोले-भाले महापुरुष।'

पर्दे पर था विलेन्स का दबदबा

बता दें कि हिंदी सिनेमा में एक खलनायकी का दौर था, जब कुछ चुनिंदा चेहरे विलेन का दमदार रोल निभाते थे। इन्हीं में से थे रजा मुराद, किरण कुमार और गुलशन ग्रोवर। इन्होंने खलनायक बनकर काफी नाम कमाया। जहां रंजीत खतरनाक विलेन के तौर पर जाने जाते थे, तो रजा मुराद की दमदार आवाज ही दर्शकों को चुप करा देती थी। ऐसे ही किरण कुमार की उपस्थिति ही काफी होती थी और गुलशन ग्रोवर एक 'बैड मैन' थे, जिन्होंने विलेन के किरदार इतनी शिद्दत से निभाए कि अपनी खलनायक की छवि को नहीं तोड़ पाए। उनकी 'बैडमैन' इमेज अपने आप में एक ब्रांड भी बन गई। हालांकि, चारों को एक साथ किसी भी फिल्म में साथ में नहीं देखा गया है, लेकिन रजा, गुलशन और रंजीत साल 1997 की एक्शन फिल्म 'शपथ' में साथ नजर आ चुके है। फिल्म का निर्देशन राजीव बब्बर ने किया था, जिसमें मिथुन चक्रवर्ती, जैकी श्रॉफ, रम्या कृष्णा और शक्ति कपूर मुख्य भूमिका में थे। 12 दिसंबर 1997 को रिलीज हुई 'शपथ' बॉक्स ऑफिस पर सेमी-हिट साबित हुई। इसमें खलनायकों ने शानदार काम किया था।

ये देश की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' के ठीक एक साल बाद रिलीज हुई थी

1 फिल्म में समाए 72 गाने, 93 साल बाद भी कोई नहीं तोड़ पाया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। *इंडियन फिल्मों में गानों का खूब क्रेज रहता है। आज से नहीं, बल्कि दशकों पहले से ऐसा होता आ रहा है। मुगल-ए-आजम को ही ले लीजिए। इसके गीत जब प्यार किया तो डरना क्या को उस जमाने में लाखों रुपए खर्च करके बनाया गया था। वो दौर, जब चंद लाख में फिल्में बन जाया करती थी। ठीक आज भी करण जौहर से लेकर यश चोपड़ा के बैनर तले बनने वाली फिल्मों को ही देख लीजिए। ये एक एक गानों को एक उत्सव की तरह सेलिब्रेट करते हैं। दुनिया की सबसे खूबसूरत वादियों पर गानों को शूट करते हैं। लाखों-करोड़ों रुपये बहाते हैं और बेस्ट ट्रैक तैयार करते मगर क्या आप जानते हैं उस फिल्म के बारे में जिसमें सबसे ज्यादा गाने थे। अगर आपके जहन में हम आपके हैं कौन, रॉकस्टार, डीडीएलजे, ताल, मोहब्बतें जैसी किसी फिल्म का नाम आ रहा है तो ठहर जाइए. क्योंकि जिस फिल्म के नाम सबसे ज्यादा गाने का रिकॉर्ड है वो आई थी साल 1932 में. जिसमें 72 गाने थे।*

जहानारा और मास्टर निसार ने लीड रोल किए थे प्ले

इस फिल्म को जेएफ मदन ने बनाया और जहानारा कज्जन और मास्टर निसार ने लीड रोल प्ले किए थे। जहानारा का जन्म मशहूर तवायफ सुग्गन बेगम के घर हुआ। जो बेहतरीन सिंगर थीं और इंद्रसभा फिल्म से छा गई थीं। इस फिल्म का नाम है 'इंद्र सभा'। साल 1932 में आई फिल्म 'इंद्र सभा' में शुरुआत में 72 गाने थे। जबकि कुछ रिपोर्ट्स का दावा है 69 तो कुछ का कहना है 71 गाने। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड ने 'इंद्र सभा' फिल्म का नाम सबसे ज्यादा गाने वाली फिल्म के रूप में दर्ज किया। ये देश की पहली बोलती फिल्म 'आलम आरा' के ठीक एक साल बाद रिलीज हुई थी।

पहली बार 1853 में स्टेज पर परफॉर्म किया गया था 'इंद्र सभा'

इंद्र सभा प्ले की बात करें तो ये एक उर्दू प्ले था। जो पहली बार 1853 में स्टेज पर परफॉर्म किया गया था। इसे पहला कंप्लीट उर्दू मंच नाटक माना जाता है। जिसे जर्मन में भी ट्रांसलेट किया गया था। अगर बीते कुछ सालों की फिल्मों के गानों की बात करें तो सूरज बड़जात्या की म्यूजिकल फिल्म 'हम आपके हैं कौन' में 14 गाने तो सुभाष घई की 'ताल' में 12 गाने थे। वहीं, आज के जमाने की रॉकस्टार में 14 गाने थे। इस हिसाब से आज तक कोई इस फिल्म का 93 साल बाद भी रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाया है।

मणिलाल ने किया था डायरेक्ट

'इंद्र सभा' को मणिलाल जोशी ने डायरेक्ट किया था। उस जमाने की ये एक विशाल फिल्म थी जिसकी समय अवधि 211 मिनट थी। फिल्म की लंबाई की वजह थी इसके अंदर के गान। ये फिल्म आगा हसन अमानत के नाटक पर आधारित थी, जिसमें केरेक्टर का इंट्रोडक्शन भी म्यूजिकल अंदाज में दिया गया था। जैसे पहले नाटक में हुआ करता था। द कैमब्रिज गाइड टू एशियन थिएटर में, जेम्स आर ब्रैंडन ने कहा गया कि प्ले में 31 गजल, 9 ठुमरी, 4 होली, 15 गाने, दो चौबोले और पांच छंद शामिल थे। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड में भी बताया गया है कि फिल्म में हर केरेक्टर के लिए 1 स्पेशल गाना था।

खबर संक्षेप

हाइलो ओपन से उन्नति बाहर भारत की चुनौती समाप्त

सारब्रूकेन। उभरती बैडमिंटन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा को 475,000 डॉलर इनामी हाइलो ओपन के महिला एकल सेमीफाइनल में इंडोनेशिया की शीर्ष वरीय पुत्री कुसुमा वर्दानी से सीधे गेम में हार का सामना करना पड़ा, जिससे इस टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। रोहतक की 18 वर्षीय खिलाड़ी उन्नति ने इस सप्ताह प्रभावशाली प्रदर्शन किया, लेकिन वह वर्दानी की गति और सटीकता की बराबरी नहीं कर सकी और 35 मिनट तक चले मुकाबले में 7-21, 13-21 से हार गईं। उन्नति उस भारतीय टीम का हिस्सा थीं, जिसने पिछले महीने गुवाहाटी में बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर मिश्रित टीम चैंपियनशिप में अपना पहला पदक (कांस्य) जीता था।

नॉर्थ कोस्ट ओपन सेमी फाइनल में हारीं रतिका

नई दिल्ली। भारत की रतिका सुथांथीरा सीलान ऑस्ट्रेलिया के कॉफ्स हार्बर में चल रही 6 हजार डॉलर इनामी पीएसए चैलेंजर प्रतियोगिता नॉर्थ कोस्ट ओपन स्क्वाश के महिला एकल के सेमीफाइनल में दूसरी वरीयता प्राप्त लोजयन गोहारी से हार गईं। तमिलनाडु की रहने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त भारतीय खिलाड़ी को चार गेम में हार का सामना करना पड़ा। मिस्र की खिलाड़ी ने 12-10, 5-11, 11-3, 11-3 से जीत हासिल करके फाइनल में जगह बनाई। रतिका ने शुक्रवार को क्वार्टर फाइनल में तीसरी वरीयता प्राप्त बोबो लाम को हराया था।

जैमीसन और सोढ़ी की न्यूजीलैंड टीम में वापसी

ऑकलैंड। तेज गेंदबाज काइल जैमीसन और स्पिनर ईश सोढ़ी ने 5 नवंबर से वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के लिए न्यूजीलैंड टीम में वापसी की। ऑलराउंडर नाथन स्मिथ को भी 14 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है और वह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण कर सकते हैं। जैमीसन ने इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला से बाहर होने, जबकि सोढ़ी ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलने के बाद पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए वापसी की है। भारत और श्रीलंका में अगले साल के शुरू में होने वाले टी20 विश्व कप को ध्यान में रखते हुए दोनों टीमों के लिए यह श्रृंखला काफी महत्वपूर्ण है। करिश्माई बल्लेबाज और पूर्व कप्तान केन विलियमसन के नाम पर विचार नहीं किया गया क्योंकि उन्होंने दिन में ही टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी थी।

दिल्ली के खिलाफ पुडुचेरी मजबूत, रोहेरा ने जड़ा शतक

नई दिल्ली। सलामी बल्लेबाज अजय रोहेरा ने सावधानी और आक्रामकता का तालमेल बिठाते हुए नाबाद 107 रन बनाए, जिससे पुडुचेरी रणजी ट्रॉफी के ग्रुप डी मुकाबले में दिल्ली के खिलाफ पहली पारी में बढ़त लेने के करीब पहुंच गया। दूसरे दिन का खेल खत्म होने तक पुडुचेरी ने चार विकेट पर 240 रन बना लिए हैं। रोहेरा 139 गेंद की अपनी पारी में अब तक 16 चौके जड़ चुके हैं। दिल्ली ने इससे पहले दिन की शुरुआत छह विकेट पर 248 रन से करने के बाद पहली पारी में 294 रन बनाए। दिल्ली के लिए सुमित माथुर 11 चौके और एक छक्के से 71 रन बनाकर नाबाद रहे।

ऑस्ट्रेलिया को 5 विकेट से पीटा, सीरीज में की बराबरी

वाशिंगटन-अर्शदीप के दम पर भारत की होबार्ट में जीत

एजेंसी ▶▶| होबार्ट

भारत ने होबार्ट टी20 इंटरनेशनल मैच पांच विकेट से जीत लिया। वाशिंगटन सुंदर की शानदार बैटिंग और अर्शदीप सिंह की कमाल की बॉलिंग के दम पर टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया पर तीसरे मुकाबले में जीत मिली। उसके सामने 187 रन का लक्ष्य था और जिसे नौ गेंद बाकी रहते हासिल कर लिया। सुंदर 49 रन बनाकर नाबाद रहे। उनकी पारी में तीन चौके और चार छक्के शामिल रहे। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया ने टिम डेविड के 74 और मार्कस स्टोइनिस के 64 रन के दम पर छह विकेट पर 186 का स्कोर बनाया। उनके अलावा बाकी बल्लेबाज नहीं टिक पाए। अर्शदीप सिंह ने अपनी शानदार गेंदबाजी से ऑस्ट्रेलिया को बड़ा स्कोर बनाने से रोक दिया। उन्होंने 3 अहम विकेट चटकाए।

■ डेविड और स्टोइनिस के अर्धशतकों से ऑस्ट्रेलिया ने 6 विकेट पर बनाए 186 रन

ऑस्ट्रेलिया का टॉप ऑर्डर अर्शदीप के सामने ढहा

पहले बैटिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने ट्रेविस हेड (6) को पहले ही ओवर में गंवा दिया। अर्शदीप ने उनका विकेट लिया। जॉश इंग्लिस एक रन बना सके और अर्शदीप के दूसरे शिकार बने। इसके बाद कप्तान मिचेल मार्श (11) और डेविड ने मिलकर पारी को संभाला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 59 रन की साझेदारी की और इसमें ज्यादातर रन डेविड के थे. मार्श 11 रन बनाने के बाद वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर तिलक वर्मा को कैच दे बैठे। अगली गेंद पर मिचेल ऑवन बोल्ड हो गए. इससे ऑस्ट्रेलिया का स्कोर चार विकेट पर 74 रन हो गया।

अभिषेक ने खोला छक्के से खाता

लक्ष्य का पीछा करते हुए अभिषेक शर्मा ने फिर से भारत के लिए तेजी से रन जुटाए। उन्होंने छक्के से खाता खोला। वे 16 गेंद में दो चौकों व इतने ही छक्कों से 25 रन बनाकर नाथन एलिस के शिकार बने। दो ओवर बाद शुभमन गिल (15) भी इसी गेंदबाज के शिकार बन गए। भारत ने पावरप्ले का अंत दो विकेट पर 64 रन के साथ किया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने तेजी से रन जुटाए और दो छक्के भी लगाए। वे 11 गेंद में 24 रन बनाने के बाद मार्कस स्टोइनिस की गेंद पर आउट हो गए। तिलक वर्मा (29) और अक्षर पटेल (17) ने मिलकर भारत को 100 के पार पहुंचा दिया। एलिस ने अक्षर के रूप में तीसरा शिकार किया तो जेवियर बार्टलेट ने तिलक का शिकार किया।

अभिषेक ने तोड़ा शिखर धवन का रिकॉर्ड

ओपनिंग बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में बेहतरीन अर्धशतकीय पारी खेली थी। हालांकि तीसरे टी20 मैच में अभिषेक सिर्फ 25 रनों की पारी खेलने के बाद पवेलियन लौट गए। अभिषेक अपनी इस पारी के दम पर भी एक बड़ा कारनामा करने में कामयाब रहे, जिसमें वह टी20 इंटरनेशनल में भारत की तरफ से एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले ओपनिंग बल्लेबाज बन गए हैं, जिसमें उन्होंने शिखर धवन के साल 2018 के रिकॉर्ड को तोड़ने का काम किया। अभिषेक जहां अभी तक इस साल कुल 705 रन बना चुके हैं तो वहीं शिखर धवन ने साल 2018 में कुल 689 रन बनाए थे।

ऑस्ट्रेलिया में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज अर्शदीप

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टी-20 सीरीज का तीसरे मैच में अर्शदीप सिंह ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 विकेट निकाले। इसके साथ ही वह ऑस्ट्रेलिया में टी-20 इंटरनेशनल में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाज बन गए हैं। इस मामले में उन्होंने टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर आर अश्विन का रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने वहां अब तक 7 पारियों में 13 विकेट चटकाए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर रविचंद्रन आश्विन का नाम है। अश्विन ने 11 पारियों में 11 विकेट हासिल किए थे। हार्दिक पांड्या ने भी ऑस्ट्रेलिया में टी-20 इंटरनेशनल में 9 पारियों में 11 विकेट निकाले हैं। जसप्रीत बुमराह की बात करें तो वह 8 पारियों में 10 विकेट लेने में कामयाब रहे हैं। तीसरे टी-20 में 3 विकेट लेकर अर्शदीप सिंह अब टॉप पर पहुंच गए हैं।

सुंदर और जितेश शर्मा ने छठे विकेट के लिए की 43 रन की साझेदारी

सुंदर और जितेश शर्मा ने मिलकर टीम की नैया पार लगा दी। दोनों ने छठे विकेट के लिए 43 रन की अटूट साझेदारी की। जितेश ने विजयी चौका लगाया। वे 13 गेंद में 22 रन बनाकर नाबाद रहे। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से एलिस 36 रन पर तीन विकेट लेकर सबसे सफल रहे। बार्टलेट और स्टोइनिस को एक-एक सफलता मिली।

स्कोर बोर्ड

भारत	रन	गेंद	4	6
अभिषेक शर्मा का इंग्लिस बो एलिस	25	16	2	2
गिल पगबाधा बो इंग्लिस	15	12	1	0
सूर्यकुमार का एलिस बो स्टोइनिस	24	11	1	2
तिलक का इंग्लिस बो बार्टलेट	29	26	1	1
अक्षर का बार्टलेट बो एलिस	17	12	1	0
वाशिंगटन नाबाद	49	23	3	4
जितेश शर्मा नाबाद	22	13	3	0

अतिरिक्त: 07
कुल: 18.3 ओवर में पांच विकेट पर: 188 रन
गेंदबाजी: बार्टलेट 4-0-30-1, एबट 3.3-0-56-0, एलिस 4-0-36-3, कुहनेमन 4-0-31-0, स्टोइनिस 2-0-22-1, शॉर्ट 1-0-13-0

ऑस्ट्रेलिया	रन	गेंद	4	6
हेड का सूर्यकुमार बो अर्शदीप	06	4	1	0
मार्श का वर्मा बो चक्रवर्ती	11	14	1	0
इंग्लिस का अक्षर बो अर्शदीप	01	7	0	0
डेविड का वर्मा बो दुबे	74	38	8	5
ओवेन बो चक्रवर्ती	00	1	0	0
स्टोइनिस का स्थानापन्न बो अर्शदीप	64	39	8	2
मैथ्यू शॉर्ट नाबाद	26	15	2	1
जेवियर बार्टलेट नाबाद	03	2	0	0

अतिरिक्त: 01
कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर: 186 रन
गेंदबाजी: अर्शदीप 4-0-35-3, बुमराह 4-0-26-0, चक्रवर्ती 4-0-33-2, अक्षर 4-0-35-0, शिवम 3-0-43-1, अभिषेक 1-0-13-0

भारत ने सा. अफ्रीका को हराया, पंत ने खेली दमदार पारी

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

कप्तान ऋषभ पंत की 90 रन की शानदार पारी और निचले क्रम के बल्लेबाजों की दमदार पारियों की बदौलत भारत ए ने रविवार को पहले चार दिवसीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका ए को तीन विकेट से हरा दिया। भारत ए अब दो मैचों की श्रृंखला में 1-0 से आगे हो गया है। दूसरा मैच अगले गुरुवार से बीसीसीआई सीओई मैदान पर ही खेला जाएगा। भारत ए ने मैच के चौथे और अंतिम दिन सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 119 रन से आगे बढ़ाई। पंत (90 रन, 113 गेंद, 11 चौके, चार छक्के) और आयुष बडोनी (34 रन, 47 गेंद) ने सुबह अच्छी शुरुआत की और 12 ओवर में 63 रन जोड़े।

■ भारत ए दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला में 1-0 से आगे

पंत और बडोनी ने की आक्रामक बल्लेबाजी

भारत को 275 रन के लक्ष्य के सामने अंतिम दिन 166 रन की जरूरत थी। पंत और बडोनी ने आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी की। पंत ने दिन की दूसरी ही गेंद पर तेज गेंदबाज ओकुहले सेले पर छक्का जड़ा और उसके बाद एक हाथ से शॉट लगाकर थर्ड मैन क्षेत्र में दो चौके लगाए। सेले ने दिन के पहले ओवर में 14 रन दिए। पंत हालांकि अपना शतक पूरा नहीं कर पाए। उन्हें तियान वान वुरेन की गेंद पर पुल करने का समय नहीं मिला और गेंद हवा में लहरा गई। लेसेगो सेनोक्वाने ने दूसरी स्लिप से दौड़ते हुए कैच लपका। सेनोक्वाने के लिए यह बड़ी राहत की बात थी क्योंकि उन्होंने प्रेनेलन सुब्रायन की गेंद पर फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर पंत का कैच छोड़ा था। पंत तब 80 रन पर खेल रहे थे।

पुछल्ले बल्लेबाजों ने दिया महत्वपूर्ण योगदान

बडोनी भी वान वुरेन की अच्छी दिशा में डाली गई बाउंसर पर पुल नहीं कर सके और डीप फाइन लेग पर कैच आउट हो गए। तनुश कोटियन 30 गेंदों में 23 रन बनाकर अच्छी लय में दिख रहे थे, लेकिन वह लुथो सिपामला की गेंद पर नियंत्रण नहीं रख सके और लंच से कुछ ओवर पहले ही आउट हो गए। भारत ने पहले सत्र में 101 रन जोड़े लेकिन तीन महत्वपूर्ण विकेट भी गंवाए, जिससे स्कोर सात विकेट पर 216 रन कर दिया। भारत को अभी भी 59 रन की जरूरत थी। ऐसे में उसके पुछल्ले बल्लेबाजों मानव सुथार (नाबाद 20) और अंशुल कंबोज (नाबाद 37) ने महत्वपूर्ण योगदान देकर टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया।

दूसरी पारी में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज रहे फ्लॉप

वहीं दूसरी पारी में साउथ अफ्रीका-ए के बल्लेबाज अच्छा नहीं कर पाए और बुरी तरह से फ्लॉप साबित हुए। तब अफ्रीका के लिए जुबेर हमजा और लेसो सेनोक्वाने ने सबसे ज्यादा 37-37 रन बनाए। अफ्रीकी टीम दूसरी पारी में सिर्फ 199 रनों पर ही सिमट गई थी। भारत के लिए तनुष कोटियन ने चार विकेट चटकाए थे। उनके अलावा अंशुल कम्बोज ने तीन विकेट झटके थे। इन प्लेयर्स के आगे साउथ अफ्रीका के बल्लेबाजों की एक ना चली।

न्यूजीलैंड के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले विलियमसन ने टी20 को कहा अलविदा

एजेंसी ▶▶| ऑकलैंड

न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान केन विलियमसन ने वेस्टइंडीज के खिलाफ पांच मैचों की श्रृंखला शुरू होने से कुछ दिन पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा की। न्यूजीलैंड के लिए 93 टी-20 मैच खेलने वाले विलियमसन को हाल ही में 2026 के सत्र के लिए आईपीएल फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स का रणनीतिक सलाहकार नियुक्त किया गया था। संन्यास लेने की घोषणा करने के कारण इस 35 वर्षीय बल्लेबाज को वेस्टइंडीज के खिलाफ शुरू हो रही श्रृंखला के लिए 14 सदस्यीय टी20 टीम में शामिल नहीं किया गया।

2011 में टी20 में किया था पदार्पण

वह कैरेबियाई टीम के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की तैयारी के सिलसिले में आगामी एकदिवसीय श्रृंखला में भी नहीं खेलेंगे। विलियमसन ने न्यूजीलैंड की तरफ से टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाए हैं। उनका औसत 33 है और उन्होंने 18 अर्धशतक लगाए हैं। इस प्रारुप में उनका उच्चतम स्कोर 95 रन है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सभी प्रारुपों में 19,000 से अधिक रन बनाने वाले इस क्रिकेटर ने 2011 में टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था और 75 मैच में टीम का नेतृत्व किया, जिसमें 2016 और 2022 में दो टी20 विश्व कप सेमीफाइनल और 2021 में फाइनल में कप्तानी करना शामिल है।

संन्यास का यह टीम और मेरे लिए सही समय: विलियमसन

विलियमसन ने कहा, 'यह (टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलना) कुछ ऐसा है, जिसका हिस्सा बनना मुझे शुरू से ही पसंद था। मैं इन यादों और अनुभवों के लिए बहुत आभारी हूं।'' उन्होंने कहा, 'इस प्रारुप को अलविदा कहने का यह टीम और मेरे लिए सही समय है। इससे टीम को आगे बढ़ाने और टी20 विश्व कप के लिए टीम तैयार करने में मदद मिलेगी।' विलियमसन ने कहा कि टेस्ट और वनडे को लेकर उनकी राय स्पष्ट है और उनका ध्यान अभी वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला पर है, जिसका पहला मैच दो दिसंबर से क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। उन्होंने कहा, 'मुझे इस टीम की बहुत परवाह है। न्यूजीलैंड की तरफ से खेलना बहुत मायने रखता है, जिसमें आप अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं। मैं न्यूजीलैंड क्रिकेट का आभारी हूं जिसने हमेशा मेरा पूरा समर्थन किया।'

डब्ल्यूटीए फाइनल्स

स्वियातेक ने सीधे सेटों में कीज को आसानी से हराया

रियाद। इगा स्वियातेक ने शानदार खेल का नजारा पेश करते हुए डब्ल्यूटीए फाइनल्स टेनिस टूर्नामेंट के पहले दिन मैडिसन कीज को आसानी से सीधे सेटों में हरा दिया। विंबलडन चैंपियन स्वियातेक को विश्व की शीर्ष आठ खिलाड़ियों के बीच खेले जा रहे सत्र के इस अंतिम टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता कीज को 6-1, 6-2 से हराने में एक घंटे से थोड़ा अधिक का समय लगा। कीज इस टूर्नामेंट में सेरेना विलियम्स ग्रुप में हैं और उन्हें आगे बढ़ने के लिए अमांडा अनिसिमोवा और एलेना रयबाकिना को हर हाल में हराना होगा। रयबाकिना ने ग्रुप के एक अन्य मैच में अनिसिमोवा को 6-3, 6-1 से हराया। स्टेफी ग्राफ ग्रुप में आर्यना सबालेंका, गत चैंपियन कोको गॉफ, जेसिका पेगुला और जैस्मीन पाओलिनी हैं। प्रत्येक ग्रुप से शीर्ष पर रहने वाली दो खिलाड़ी सेमीफाइनल में जगह बनाएंगी। विजेता के लिए पुरस्कार राशि 52 लाख 35 हजार डॉलर है।

पेरिस मास्टर्स : सिनर पहुंचे फाइनल में, अब अलियासिमे से खिताबी मुकाबला

पेरिस। विश्व के दूसरे नंबर के खिलाड़ी यानिक सिनर ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव को आसानी से 6-0, 6-1 से हराकर पेरिस मास्टर्स टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया और फिर से नंबर एक रैंकिंग हासिल करने की तरफ मजबूत कदम बढ़ाए। ग्रैंड स्लैम चैंपियन सिनर यदि फाइनल में नौवीं वरीयता प्राप्त फेलिक्स ऑगर अलियासिमे को हरा देते हैं तो वह छह बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्काराज की जगह फिर से दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी बन जाएंगे। ऑगर अलियासिमे ने इससे पहले ला डिफेंस एरिना में सेमीफाइनल में अलेक्जेंडर बुब्लिक को 7-6 (3), 6-4 से हराया। सिनर ने इनडोर टूर्नामेंट में अपने जीत के सिलसिले को 25 मैचों तक बढ़ा दिया है। उन्होंने गत विजेता ज्वेरेव को लगातार चौथी बार हराकर उन पर 5-4 की बढ़त बना ली है।

झारखंड के 8 विकेट पर 510 रन मोहन ने लगाया दोहरा शतक

एजेंसी ▶▶| रांची

सलामी बल्लेबाज शिखर मोहन (207 रन) के शानदार दोहरे शतक और विराट सिंह (105 रन) के शतक की मदद से झारखंड ने एलीट ग्रुप ए रणजी ट्रॉफी मैच के दूसरे दिन नगालैंड के खिलाफ आठ विकेट पर 510 रन का मजबूत स्कोर बनाया। झारखंड ने सुबह दो विकेट पर 91 रन से आगे खेलना शुरू किया। शिखर ने मौके का पूरा फायदा उठाते हुए दोहरी शतकीय पारी के दौरान 21 चौके और तीन छक्के लगाए। साथ ही 20 साल के इस खिलाड़ी ने विराट सिंह (105) के साथ तीसरे विकेट के लिए 251 रन की साझेदारी करके झारखंड को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया। विराट के 77वें ओवर में आउट होने के बाद शिखर ने कुमार कुशाग्र (58) के साथ मिलकर 109 रन और जोड़कर नगालैंड के लिए मुश्किलें और बढ़ा दीं। विराट को जोनाथन आर ने आउट किया जबकि शिखर को आखिरकार 95वें ओवर में तहमीन रहमान ने आउट किया। स्टंप तक रॉबिन मिंज (75) और सुशांत मिश्रा (4) क्रीज पर थे।

पाकिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका से जीती सीरीज, बाबर ने लगाया अर्धशतक

एजेंसी ▶▶| लाहौर

बाबर आजम ने अपने करियर का 37वां अर्धशतक जमाया, जिसकी मदद से पाकिस्तान ने तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में दक्षिण अफ्रीका को चार विकेट से हराकर श्रृंखला अपने नाम की। पाकिस्तान ने बाबर के 46 गेंदों पर 68 रन की बदौलत 19 ओवर में छह विकेट पर 140 रन बनाकर जीत हासिल की। दक्षिण अफ्रीका पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किए जाने के बाद नौ विकेट पर 139 रन ही बना सका था। दक्षिण अफ्रीका ने रावलपिंडी में पहला मैच 55 रन से जीता था, जिसके बाद पाकिस्तान ने लाहौर में लगातार दो मैचों में जीत के साथ श्रृंखला पर 2-1 से कब्जा किया।

■ पाकिस्तान ने अंतिम टी20 में दक्षिण अफ्रीका को 4 विकेट से हराया

पाकिस्तान ने 14 रन के अंदर गंवाए चार विकेट

बाबर ने अपनी पारी में नौ चौके लगाए। उन्होंने कप्तान सलमान अली आगा (33) के साथ दूसरी विकेट के लिए 76 रन की साझेदारी की, जिससे पाकिस्तान आखिरी ओवरों में 14 रन के अंदर चार विकेट गंवाने के बावजूद जीत हासिल करने में सफल रहा। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका की तरफ से रीजा हेंड्रिक्स ने सर्वाधिक 34 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से शाहीन शाह अफरीदी ने तीन जबकि उस्मान तारिक और फहीम अशरफ ने दो दो विकेट लिए। अब इन दोनों टीम के बीच तीन मैच की एकदिवसीय श्रृंखला खेली जाएगी, जिसका पहला मैच मंगलवार को फैसलाबाद में होगा।

टीम इंडिया के नाम जुड़ा यह अनचाहा रिकॉर्ड

फाइनल में हरमनप्रीत की तकदीर ने नहीं दिया साथ

एजेंसी ▶▶| नवी मुंबई

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच महिला विश्व कप 2025 का फाइनल मुकाबला नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेला जा रहा है। इस मुकाबले में उतरते ही भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर को किस्मत का साथ नहीं मिला है। भारतीय टीम एक बार फिर से इस टूर्नामेंट में टॉस हारी और साउथ अफ्रीका ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला लिया। इसी के साथ टीम इंडिया के नाम भी अनचाहा रिकॉर्ड जुड़ गया। महिला वर्ल्ड कप में 43 साल पहले इंग्लैंड की टीम ने एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा टॉस गंवाए थे।

महिला वर्ल्ड कप के एक सीजन में सबसे ज्यादा टॉस हारने वाली टीमें

इंग्लैंड- 13 में से 9 टॉस हारे, 1982
भारत- 9 में से 8 टॉस हारे, 2025
भारत- 12 में से 8 टॉस हारे, 1982
श्रीलंका- 7 में से सभी 7 टॉस हारे, 2000
साउथ अफ्रीका- 9 में से 7 टॉस हारे, 2025

11 वनडे मैचों में से सिर्फ एक में ही जीती हरमन टॉस

अगर भारतीय कप्तान हरमनप्रीत कौर की बात करें तो उन्होंने पिछले 11 महिला वनडे मैचों में से सिर्फ एक में ही टॉस जीता है। वो मैच इसी टूर्नामेंट में बांग्लादेश के खिलाफ आखिरी लीग मैच था, जिसमें नतीजा नहीं निकल पाया था और मुकाबला बारिश के कारण रद्द हो गया था। जबकि टीम इंडिया ने मौजूदा महिला विश्व कप में 9 में से आठ टॉस गंवाए हैं।

मंदिर को लेकर सांसद इकरा हसन की बड़ी घोषणा, सांसद निधि से देंगी 10 लाख रुपये

कैराना। कैराना लोकसभा सीट से सपा सांसद इकरा हसन ने बड़ी घोषणा की है। सांसद ने

मंदिर निर्माण के लिए सांसद निधि से 10 लाख रुपये देने का ऐलान किया है। अखिल भारतीय संत शिरोमणि सतगुरु रविदास मिशन के तत्वाधान में स्वामी ज्ञान भिक्षुक दास जी महाराज की 173वीं जयंती के अवसर पर गुरु गद्दी ऊन में महान संत समागम में पहुंची कैराना सांसद इकरा हसन ने कहा, रविदास मंदिर में निर्माण कार्यों के लिए वह सांसद निधि से 10 लाख रूपये देंगी।

संत शिरोमणि सतगुरु रविदास सिद्धपीठ स्वामी ज्ञानभिक्षुक मंदिर में पहुंची कैराना सांसइ इकरा हसन ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे संतो के दरबार में सेवा देने और संगत का दीदार करने का मौका मिला है।

उन्होंने कहा कि संत समागम एक धार्मिक कार्यक्रम है और इन कार्यक्रमों का राजनीतीकरण नहीं होना चाहिए परन्तु जातिवादी मानसिकता के कारण चंद मुट्ठीभर लोग बहुजन समाज के संतो महापुरुषों की विचारधारा के प्रचार में अड़चन पैदाकर अपनी घटिया मानसिकता का प्रदर्शन करते है।

इस दौरान उन्होने ऊन रविदास मंदिर में दस लाख रुपये देने की घोषणा की। जिससे मंदिर में निर्माण कार्य कराये जायेगे

हामिद हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलीं थीं सांसद इकरा हसन-

वहीं दूसरी ओर सहारनपुर जिले के नकुड़ थाना क्षेत्र में पिकअप चालक हामिद अली की हत्या के बाद तनावपूर्ण माहौल के बीच मंगलवार को कैराना सांसद इकरा हसन मृतक के पैतृक गांव खेड़ा अफगान पहुंचीं थीं, जहां उन्होंने परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। सांसद ने घटना को निर्मम और हृदयविदारक बताते हुए कहा कि इस वक्त पूरा परिवार भय और पीड़ा के बीच है, और वे स्वयं उनकी हर संभव सहायता के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने प्रशासनिक अधिकारियों से शीघ्र व निष्पक्ष जांच कर घटना में शामिल सभी आरोपियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की। इस दौरान परिजनों ने सांसद को पूरी घटना का विवरण बताया और सुरक्षा की चिंता जताई। सांसद ने उन्हें भरोसा दिया कि राज्य व केंद्र सरकार स्तर पर परिवार को आर्थिक व कानूनी सहायता दिलाने का कार्य किया जाएगा। गौरतलब है कि हामिद अली की मौत के बाद लगातार आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की जा रही है।

उर्दू दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा- मंत्री किरेन रिजिजू

-जामिया मिलिया इस्लामिया का 105 वां स्थापना दिवस मनाया गया

नई दिल्ली । अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने उर्दू को 'दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा' बताया और कहा कि देश की प्रगति और एकता के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव जरूरी है। ये बात उन्होंने जामिया मिलिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह में कही। उर्दू को दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा है। ये कहना है अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू का। उन्होंने देश की एकता और प्रगति के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव को जरूरी बताया। बुधवार (29 अक्टूबर) को रिजिजू ने दिल्ली में जामिया मिलिया इस्लामिया के 105वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस दौरान उन्होंने समारोह को संबोधित कर एकता और अखंडता पर जोर दिया। 105वें स्थापना दिवस समारोह

को संबोधित करते हुए मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि उर्दू को दुनिया की सबसे खूबसूरत भाषा बताया। उन्होंने कहा कि देश की प्रगति और एकता के लिए हिंदुओं और मुसलमानों के बीच सद्भाव जरूरी है। इस दौरान उन्होंने भारत की संस्कृति और लोकतांत्रिक भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रशंसा की।

'विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य राष्ट्र के मूल्यों को दर्शाता है'-

मंत्री ने कहा कि जामिया मिलिया इस्लामिया विश्वविद्यालय का आदर्श वाक्य हमारे राष्ट्र के मूल्यों को खूबसूरती से दर्शाता है। उन्होंने ये भी कहा कि महात्मा गांधी और सरोजिनी नायडू जैसी महान हस्तियों ने इस विश्वविद्यालय की स्थापना के समय इसका समर्थन किया था। इस दौरान उन्होंने विश्वविद्यालय में शिक्षा व्यवस्था की भी तारीफ की।

'अकादमिक रिकॉर्ड और राष्ट्रीय रैंकिंग से बेहद प्रभावित'-

विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के कार्यान्वयन की सराहना करते हुए रिजिजू ने कहा कि वह इसके अकादमिक रिकॉर्ड और राष्ट्रीय रैंकिंग से बेहद प्रभावित हैं। वहीं लोकतंत्र में खुली बहस के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा 'हमारे लोकतंत्र में लोग अपने विचार आक्रामक रूप से व्यक्त करते हैं, जिससे कभी-कभी ध्रुवीकरण पैदा होता है। लेकिन यह तब तक बुरा नहीं है जब तक कि इससे देश की एकता और अखंडता को नुकसान न हो'।

संवैधानिक शक्ति और विविधता पर भी जोर-

रिजिजू ने अपने संबोधन में कहा कि संसद में अक्सर शोर-शराबे वाली बहसें होती हैं, फिर भी यह विविध विचारों को व्यक्त करने का सबसे अच्छा मंच है। उन्होंने कहा कि संसदीय कार्य मंत्री के रूप में सदन चलाना कभी-कभी कठिन होता है। लेकिन संसद में अराजकता एक जीवंत लोकतंत्र की निशानी है। मंत्री ने कहा कि व्यवधानों के बावजूद, महत्वपूर्ण कानून अंत में राष्ट्रहित में पारित होते हैं। उन्होंने भारत की संवैधानिक शक्ति और विविधता पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि संविधान के कारण हम सुरक्षित रहेंगे, क्योंकि यह समस्या के हर पहलू को शामिल करता है और उसका समाधान प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि सामाजिक सद्भाव बनाए रखना एक सामूहिक जिम्मेदारी है।

असम की छात्रा हुमा अबिया कांता ने अज़रबैजान में अंतर्राष्ट्रीय एआई सम्मेलन में शोध पत्र प्रस्तुत किया

गुवाहाटी/असम । रॉयल ग्लोबल स्कूल, गुवाहाटी की बारहवीं कक्षा की छात्रा, 16 वर्षीय असम की छात्रा हुमा अबिया कांता ने "उन्नति और नवाचार: कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग" अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिक-व्यावहारिक सम्मेलन में अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया है। यह कार्यक्रम 30-31 अक्टूबर, 2025 को नखचिवन स्टेट यूनिवर्सिटी, नखचिवन, अज़रबैजान में हाइब्रिड प्रारूप में आयोजित किया गया था और अज़रबैजान टेक्निकल यूनिवर्सिटी द्वारा नखचिवन स्टेट यूनिवर्सिटी (अज़रबैजान), ताशकंद स्टेट टेक्निकल यूनिवर्सिटी (उज़्बेकिस्तान), एशिया पैसिफिक यूनिवर्सिटी (मलेशिया) और मिंगचेविर स्टेट यूनिवर्सिटी (अज़रबैजान) सहित साझेदार विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर आयोजित किया गया था। "फाइकोसाइनिन शुद्धता का एमएल-आधारित पूर्वानुमान" शीर्षक वाले उनके शोधपत्र में यह पता लगाया गया था कि मशीन-लर्निंग मॉडल स्थायी जैव-संसाधन उद्योगों के लिए महत्वपूर्ण वर्णक शुद्धता स्तरों की भविष्यवाणी कैसे कर सकते हैं। छह रिग्रेशनर्स - लीनियर, रिज, एसवीआर, रैंडम फ़ॉरेस्ट और एक्सजीबूस्ट - की

तुलना करके, उनके मॉडल ने 0.058 का माध्य निरपेक्ष त्रुटि (एमएई) प्राप्त किया, जो मानक लैब एसडी 0.31 से काफी बेहतर था। हुमा की भागीदारी उन्हें अंतर्राष्ट्रीय एआई और एमएल फ़ोरम में शोधपत्र प्रस्तुत करने वाली सबसे कम उम्र की भारतीयों में से एक बनाती है। सम्मेलन की प्रकाशन नीति के अनुसार, उनका शोधपत्र अब स्कोपस में सूचीबद्ध प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं में प्रकाशित होगा। उन्होंने एक अन्य शोधपत्र, "सेक-टू-सेक संस्कृत स्वरविज्ञान का तांग-युग सिद्धम-हांज़ी लिप्यंतरण के माध्यम से पुनर्निर्माण: लुओंग ध्यान के साथ एक बौद्ध-शब्दकोश-प्रेरित एनकोडर-डिकोडर मॉडल" भी लिखा है, जिसे इस महीने के अंत में गुवाहाटी विश्वविद्यालय और असम कौशल विश्वविद्यालय द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण पर क्षेत्रीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, रेगिकॉन 2025 में प्रस्तुति के लिए स्वीकार कर लिया गया है। हुमा पहले ही तीन अतिरिक्त शोधपत्रों का सह-लेखन कर चुकी हैं, जो वर्तमान में सहकर्मी समीक्षा के अधीन हैं। हुमा "डेसीकोड्स" की संस्थापक और प्रमुख डेवलपर हैं, जो एक शैक्षिक स्टार्टअप है जो asPy नामक एक असमिया-पायथन ट्रांसपाइलर का निर्माण कर रहा है जिसका उद्देश्य पूर्वोत्तर में कंप्यूटर विज्ञान सीखने को लोकतांत्रिक बनाने के लिए स्थानीय भाषाओं में कोडिंग को सक्षम बनाना है। उन्होंने डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन की "हरगिला आर्मी" के साथ भी मिलकर काम किया है, जहाँ उन्होंने महिलाओं द्वारा बुनी गई हथकरघा साड़ियों के लिए लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क के रूपांकनों को डिजिटल रूप देने में मदद की है - जिसमें पारिस्थितिकी, तकनीक और संस्कृति का सम्मिश्रण शामिल है। आभार व्यक्त करते हुए, हुमा ने कहा, "मैं इस उपलब्धि के लिए अपने गुरु, डॉ. अंकुर पान सैकिया और रॉयल ग्लोबल स्कूल के निदेशक डॉ. अरूप कुमार मुखोपाध्याय के निरंतर मार्गदर्शन की आभारी हूँ।"

मुख्तार अंसारी के बेटों अब्बास और उमर को हाईकोर्ट से बड़ी राहत

-ट्रायल कोर्ट में सुनवाई पर रोक बढ़ी

इलाहाबाद । इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के गजल होटल मामले में माफिया मुख्तार अंसारी के बेटों अब्बास अंसारी और उमर अंसारी के खिलाफ अधीनस्थ अदालत में चल रही कार्यवाही पर लगी रोक बढ़ा दी है। कोर्ट ने राज्य सरकार को याचिका पर जवाब के लिए अंतिम अवसर भी दिया है। इसके साथ ही अगली सुनवाई के लिए एक दिसम्बर की तारीख लगाई है। यह आदेश न्यायमूर्ति समीर जैन ने अब्बास और उमर अंसारी की याचिका पर उनके अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय और सरकारी वकील को सुनकर दिया है।

हाईकोर्ट ने इस मामले में जुलाई 2023 में अब्बास व उमर के खिलाफ लंबित मुकदमे की कार्यवाही और चार्जशीट पर रोक लगाई थी। तब सुनवाई के दौरान अब्बास और उमर के अधिवक्ता उपेंद्र उपाध्याय ने अपनी बहस में कहा था कि वर्ष 2005 में जब अब्बास एवं उमर अंसारी

के नाम से विवादित जमीन की रजिस्ट्री कराई गई तब वे दोनों नाबालिग थे। नाबालिग होने के कारण उनकी तरफ से उनकी मां अफशां अंसारी ने रजिस्ट्री कराई थी। एडवोकेट उपेंद्र उपाध्याय ने यह भी कहा था कि याची घटना के वक्त नाबालिग थे तो उनके खिलाफ चार्जशीट दाखिल नहीं की जा सकती। सुनवाई के बाद कोर्ट ने इसी आधार पर चार्जशीट पर रोक लगाते हुए अधीनस्थ न्यायालय में चल रही कार्यवाही पर भी रोक लगा दी थी। मामले में आरोप है कि मुख्तार अंसारी के परिवार ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर गजल होटल का निर्माण कराया था। अब्बास और उमर अंसारी को पिछले कुछ दिनों में अदालतों से कई राहतें मिली हैं। इससे पहले अब्बास अंसारी की सजा पर अदालत ने रोक लगा दी थी। इससे उनकी विधायकी भी वापस मिल गई थी। महीनों तक जेल में रहने के बाद अब्बास अदालत से मिली राहत के बाद ही बाहर भी आए थे। इसी तरह उमर को भी अब्बास की तरह अब लगातार राहत मिलने से मुख्तार परिवार में खुशियां लौटी हैं।

दिल्ली दंगों से संबंध होने का सबूत नहीं - उमर खालिद

नई दिल्ली। दिल्ली में फरवरी 2020 में हुए दंगों से जुड़े यूएपीए मामले में जमानत का आग्रह करते हुए कार्यकर्ता उमर खालिद ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट से कहा कि हिंसा से उसके संबंध का कोई सबूत नहीं है तथा उसके खिलाफ लगाए गए साजिश रचने के आरोप गलत हैं। खालिद की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन. वी. अंजारिया की पीठ को बताया कि 2020 के दिल्ली दंगों से उसे जोड़ने वाले धन, हथियार या किसी भी भौतिक साक्ष्य की कोई बरामदगी नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि 751 प्राथमिकी हैं, एक में मुझ पर आरोप लगाया गया है, और अगर यह एक साजिश है, तो यह थोड़ा आश्चर्यजनक है! सिब्बल ने कहा कि अगर मैंने (उमर खालिद) दंगों की साजिश रची थी, तो जिन तारीखों को दंगे हुए, मैं दिल्ली में नहीं था। मुझे हिंसा से जोड़ने वाला कोई धन, हथियार और भौतिक साक्ष्य अभी तक नहीं मिला। उन्होंने कहा कि किसी भी गवाह का बयान वास्तव में याचिकाकर्ता को किसी भी हिंसात्मक कृत्य से नहीं जोड़ता। सिब्बल ने दलील दी कि खालिद समानता के आधार पर जमानत का हकदार है। उन्होंने कहा कि उसके साथी कार्यकर्ताओं नताशा नरवाल, देवांगना कलिता और आसिफ इकबाल तन्हा को जून 2021 में जमानत मिल गई थी। फिलहाल सुनवाई बेनतीजा रही और यह तीन नवंबर को जारी रहेगी। भाषण में गांधीवादी सिद्धांत की बात कही उन्होंने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट ने जमानत देने से इनकार करते हुए 17 फरवरी, 2020 को अमरावती में उमर खालिद के भाषण को 'भड़काऊ' करार दिया था। सिब्बल ने कहा कि यह यूट्यूब पर उपलब्ध है। यह एक सार्वजनिक भाषण था, जिसमें मैंने (खालिद ने) गांधीवादी सिद्धांतों के बारे में बात की थी। गुलफिशा की जमानत पर विचार करने में बहुत देरी हुई इस बीच, गुलफिशा फातिमा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने दलील दी कि वह अप्रैल 2020 से पांच साल पांच महीने से जेल में हैं। सिंघवी ने कहा कि मुख्य आरोपपत्र 16 सितंबर, 2020 को दायर किया गया था, लेकिन अभियोजन पक्ष ने हर साल पूरक आरोपपत्र दायर करना एक 'वार्षिक चलन' बना लिया है। उन्होंने कहा कि फातिमा की जमानत याचिका पर विचार करने में अत्यधिक देरी हुई है, जिसे 2020 से 90 से अधिक बार सूचीबद्ध किया गया है। शरजील ने दंगे से दो माह पहले भाषण दिए थे वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने शरजील इमाम की ओर से कहा कि पुलिस को अपनी जांच पूरी करने में तीन साल लग गए। उन्होंने कहा कि दंगों से लगभग दो महीने पहले मैंने (शरजील ने) ये भाषण दिए थे। दवे ने कहा कि ऐसा कोई प्रत्यक्ष या निकट संबंध नहीं है जिससे पता चले कि शरजील ने हिंसा भड़काई।

अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी की पूर्व छात्रा तमकीन फ़ातिमा डीआरडीओ में साइंटिस्ट 'बी' के पद पर चयनित

अलीगढ़ । अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी (एएमयू) के कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग की हाल ही में एम.टेक. पास करने वाली छात्रा तमकीन फ़ातिमा (Tamkeen Fatima AMU) ने विश्वविद्यालय का नाम रोशन किया है। उनका चयन रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में साइंटिस्ट 'बी' के पद पर हुआ है। उनका चयन एक बेहद कठिन प्रक्रिया से हुआ, जिसमें शैक्षणिक प्रदर्शन, GATE स्कोर और इंटरव्यू शामिल थे। तमकीन (Tamkeen Fatima AMU) ने 2025 में एम.टेक. (कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग) में 9.944 का शानदार CPI हासिल किया और अपनी कक्षा में पहला स्थान प्राप्त किया। उन्होंने 2023 में बी.टेक. भी AMU से किया था और 2024 में पहली ही कोशिश में यूजी-नेट (जेआरएफ) परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 2

(99.9933 परसेंटाइल) हासिल की थी। उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक उपलब्धियों और शोध क्षमता को देखते हुए उन्हें अगस्त 2025 में कंप्यूटर इंजीनियरिंग विभाग, एएमयू में कॉन्ट्रैक्ट असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में चयनित किया गया। विभाग के शिक्षकों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि तमकीन (Tamkeen Fatima AMU) की यह सफलता विभाग की उस परंपरा को आगे बढ़ाती है, जो देश की सेवा करने वाले प्रतिभाशाली तकनीकी विशेषज्ञ तैयार करने के लिए जानी जाती है।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने बहरीन के विदेश मंत्री अलजयानी से मुलाकात की

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को नई दिल्ली में बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी से मुलाकात की और भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की 5वीं बैठक में उत्पादक चर्चा की उम्मीद जताई। विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, "बहरीन के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी का नई दिल्ली में स्वागत करते हुए मुझे खुशी हो रही है। पांचवीं भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की सार्थक चर्चाओं की प्रतीक्षा है।"

विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी रविवार को विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग की पांचवीं बैठक की सह-अध्यक्षता करने के लिए भारत पहुंचे। इस कदम का उद्देश्य दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करना है।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, "बहरीन साम्राज्य के विदेश मंत्री अब्दुल लतीफ बिन राशिद अलजयानी का हार्दिक स्वागत है। वह विदेश मंत्री एस जयशंकर के साथ पांचवीं भारत-बहरीन उच्च संयुक्त आयोग बैठक की सह-अध्यक्षता करेंगे। यह यात्रा भारत-बहरीन संबंधों में सकारात्मक गति को और बढ़ाने का अवसर प्रदान करती है।"

उच्च संयुक्त आयोग (एचजेसी) भारत और बहरीन के बीच बहुआयामी साझेदारी को गहरा करने और उसकी समीक्षा करने के लिए एक प्रमुख संस्थागत तंत्र के रूप में कार्य करता है। भारत और बहरीन के बीच इतिहास, संस्कृति और आर्थिक जुड़ाव में निहित दीर्घकालिक संबंध हैं। दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध 1971 से हैं। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार, बहरीन में एक बड़ा भारतीय समुदाय रहता है और राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान देता है। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, द्विपक्षीय व्यापार में पेट्रोलियम उत्पाद, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स और खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्र शामिल हैं। हाल के वर्षों में, द्विपक्षीय व्यापार और निवेश सहयोग के महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभरे हैं। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, भारत और बहरीन के बीच व्यापार में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसमें पेट्रोलियम उत्पाद, मशीनरी, इलेक्ट्रॉनिक्स, लोहा और इस्पात और खाद्य पदार्थ जैसे क्षेत्र शामिल हैं। दोनों पक्ष नवीकरणीय ऊर्जा, डिजिटल प्रौद्योगिकियों और स्टार्ट-अप जैसे क्षेत्रों में भी अधिक सहयोग की संभावनाएं तलाश रहे हैं। दोनों देशों के बीच उच्च-स्तरीय यात्राओं ने संबंधों को और मजबूत किया है।

ट्रंप बोले: अमेरिका के पास दुनिया को 150 बार उड़ाने लायक परमाणु ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीबीएस न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के पास इतनी परमाणु ताकत है कि वह दुनिया को 150 बार नष्ट कर सकता है। ट्रंप ने यह भी कहा कि पाकिस्तान इस समय परमाणु परीक्षण कर रहा है, जैसे रूस, चीन और उत्तर कोरिया कर रहे हैं। ट्रंप ने बताया कि उन्होंने पेंटागन को परमाणु परीक्षण दोबारा शुरू करने पर विचार करने का निर्देश दिया है, क्योंकि अन्य देश पहले से ऐसा कर रहे हैं। उन्होंने कहा, "हम अकेले देश नहीं बनना चाहते जो परीक्षण नहीं करते। जब बाकी देश कर रहे हैं, तो हमें भी तैयार रहना होगा।" चीन और रूस के नेताओं पर पूछे गए सवाल के जवाब में ट्रंप ने कहा कि व्लादिमीर पुतिन और शी जिनपिंग दोनों ही समझदार और ताकतवर नेता हैं, जिनसे निपटना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ अमेरिका मिलकर काम करे तो "हम और भी बड़े, बेहतर और मजबूत बन सकते हैं।" चीन की लंबी रणनीति पर बोलते हुए ट्रंप ने कहा, "वे लंबी पारी खेलते हैं, लेकिन हम भी खेलते हैं। हम भी उनके लिए खतरा हैं।" उन्होंने रूस और चीन के परमाणु परीक्षणों पर भी सवाल उठाए और कहा कि "वे परीक्षण कर रहे हैं लेकिन उसके बारे में बात नहीं करते, जबकि हम एक खुला समाज हैं इसलिए हमें पारदर्शिता रखनी पड़ती है।" ताइवान पर चीन के संभावित हमले के सवाल पर ट्रंप ने कहा, "अगर ऐसा होता है, तो आपको खुद पता चल जाएगा। मैं सब कुछ नहीं बताता, लेकिन वे जानते हैं कि अगर उन्होंने ऐसा किया तो क्या होगा।"

पीएम मोदी के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र में हो रहा बड़ा बदलाव - अश्विनी वैष्णव

नई दिल्ली (एजेंसी)। सूचना प्रौद्योगिकी, रेलवे और सूचना व प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने स्पष्ट रूप से कहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर विशेष ध्यान देने वाला एक अभियान चलाया गया है। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर विनिर्माण देश के विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में ये क्षेत्र बहुत तेजी से और अच्छी प्रगति कर रहे हैं।

गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब परियोजनाओं की प्रगति पर सीएम भूपेंद्र पटेल की अध्यक्षता में गांधीनगर में उच्चस्तरीय बैठक हुई

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने गुजरात में सेमीकंडक्टर और डिस्प्ले फैब परियोजनाओं की प्रगति का विवरण प्राप्त करने के लिए मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी, विज्ञान व प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया की उपस्थिति में गांधीनगर में एक उच्च स्तरीय बैठक की। उन्होंने इस बैठक में एक विस्तृत प्रस्तुति के माध्यम से धोलेरा और साणंद में निर्माणाधीन टाटा, माइक्रोन और सीजी सेमीकॉन जैसी सेमीकंडक्टर परियोजनाओं और रेल, सड़क व हवाई संपर्क के लिए जरूरी बिजली, पानी, रसद और सामाजिक बुनियादी ढांचे के संदर्भ में राज्य सरकार की ओर से किए

जा रहे कार्यों की जानकारी ली।

लोगों को विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी बनेगा

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने इस बैठक में कहा कि भारत में सेमीकंडक्टर परियोजनाएं शुरू करने के लिए पहले भी कई प्रयास किए गए थे, लेकिन अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सत्ता संभालने के साथ ही ये महत्वपूर्ण परियोजनाएं भारत में चालू होने जा रही हैं। लोगों को विश्वास है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सेमीकंडक्टर क्षेत्र में अग्रणी बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात को सेमीकंडक्टर हब के रूप में अग्रणी बनाने के लिए प्रधानमंत्री के निर्देशन में जो वातावरण बना है, उसे बनाए रखना और समयबद्ध योजना बनाने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय करके सेमीकंडक्टर क्षेत्र के विकास पर ध्यान केंद्रित करना जरूरी है।

अश्विनी वैष्णव ने कहा, धोलेरा जल्द ही हाई-टेक और सेमीकंडक्टर उद्योग का केंद्र बनेगा

इस संदर्भ में, मुख्यमंत्री ने नियमित अनुवर्ती बैठकें आयोजित करने और सभी कार्यों को समय और सटीकता के साथ पूरा करने का आग्रह किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने विश्वास व्यक्त किया कि धोलेरा निकट भविष्य में उच्च तकनीक उत्पादन का एक प्रमुख केंद्र बनेगा और कहा कि दुनिया के लगभग सभी देशों की नजर देश के सेमीकंडक्टर क्षेत्र पर है और सेमीकंडक्टर उद्योग के संदर्भ में गुजरात और धोलेरा का विशेष रूप से उल्लेख किया जाता है।

अश्विनी वैष्णव ने 10 प्रमुख परियोजनाओं की समीक्षा कर नियमित अनुवर्ती बैठकें करने के निर्देश दिए

मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस बैठक में लगभग 10 महत्वपूर्ण परियोजनाओं का विवरण प्राप्त करने और उनसे संबंधित मामलों के लिए नियमित अनुवर्ती बैठकें आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के संबंधित विभाग सेमीकंडक्टर उद्योगों को आवश्यक सहायता के लिए हर समय उपलब्ध हैं। मुख्यमंत्री के मुख्य सलाहकार हसमुख अधिया, केंद्र और राज्य सरकारों के संबंधित विभागों के वरिष्ठ सचिव और टाटा, सेमीकॉन, सीजी और माइक्रोन के प्रतिनिधि भी इस बैठक में उपस्थित थे।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,